- रेल किराए की गणना का तरीका हमारा व्यापारिक रहस्य, नहीं कर सकते आम
- 7

- ट्रंप की नई धमकी से भारतीय निर्यातक चिंतित
- 10

- रूस का यूक्रेन के विद्युत ग्रिड पर बड़ा हमला, चार लोगों की मौत
- 11

- न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे ही मैच में सीरीज को जीतना चाहेगी भारतीय टीम
- 12

आज का मौसम

16.0° अधिकतम तापमान

5.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.09

सूर्यास्त 05.39

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष एकादशी 05:53 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 14 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 345, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

लोकसेवकों पर मुकदमा... भ्रष्टाचार रोधी कानून पर बंटे जज, सुनाया खंडित आदेश

भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू करने से पहले अनुमति लेने के मामले में हुई सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू करने से पहले अनुमति लेने से संबंधित, भ्रष्टाचार रोधी कानून की 2018 की धारा की संवैधानिक वैधता पर मंगलवार को खंडित निर्णय सुनाया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए जबकि न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने धारा को संवैधानिक मानते हुए ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया।

साल 2018 में जोड़ी गई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना किसी लोकसेवक पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' की जनहित याचिका (पीआईएल) पर यह निर्णय सुनाया है, जिसमें धारा 17ए की वैधता को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि पूर्वानुमति की आवश्यकता भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विरुद्ध है इससे जांच में रुकावट आती है और भ्रष्ट अधिकारियों को बचने का मौका मिल जाता है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा, धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। जांच शुरू करने से पहले किसी तरह की पूर्व अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। पूर्व मंजूरी की शर्त अधिनियम के उद्देश्य के खिलाफ है। इससे जांच में रुकावट आ सकती है और ईमानदार अधिकारियों के बजाय भ्रष्ट लोकसेवकों को संरक्षण मिलता है। वहीं, न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, धारा 17ए संवैधानिक रूप से वैध है, बशर्ते मंजूरी देने का फैसला लोकपाल या राज्य का लोकायुक्त करे।

- जस्टिस नागरत्ना बोलीं- धारा 17ए असंवैधानिक इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए
- जस्टिस विश्वनाथन ने धारा को संवैधानिक मानते हुए ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा पर दिया जोर

प्रधान न्यायाधीश के समक्ष रखा जाएगा मामला

अब यह मामला भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष रखा जाएगा, ताकि एक बड़ी पीठ का गठन कर इस पर अंतिम निर्णय लिया जा सके। पीठ ने कहा, हमारे अलग-अलग मतों को देखते हुए रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि इस मामले को प्रधान न्यायाधीश के समक्ष रखा जाए, ताकि उपयुक्त पीठ का गठन करके इससे जुड़े मुद्दों पर नए सिरे से विचार किया जा सके। एनजीओ की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि यह प्रावधान भ्रष्टाचार विरोधी कानून को कमजोर करता है, क्योंकि सरकार से अक्सर मंजूरी नहीं मिलती, जबकि वही इस कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी है।

कुत्ते के काटने पर भारी मुआवजा होगा तय

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यों को देंगे निर्देश, जो आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित, वे अपने घर ले जाएं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाने पर चिंता व्यक्त की और मंगलवार को कहा कि वह कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए राज्यों को भारी मुआवजा देने का आदेश देगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए कुत्ता प्रेमियों और उन्हें खाना खिलाने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मृत्यु या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा देने की मांग करेंगे क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है। साथ ही, इन आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? ये कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते हैं, लोगों को काटते हैं और डराते हैं? न्यायमूर्ति मेहता ने न्यायमूर्ति नाथ के विचारों से सहमति जताते हुए कहा, जब कुत्ते नौ साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? वह संगठन जो उन्हें खाना खिला रहा है, उसे? आप चाहते हैं कि हम इस समस्या से आंखें मूंद लें। उच्चतम न्यालय सात नवंबर, 2025 के अपने उस आदेश में संशोधन के अनुरोध वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों और सड़कों से इन आवारा जानवरों को हटाने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि सबसे अजीब बात यह है कि गुजरात के एक वकील को एक पार्क में कुत्ते ने काट लिया और जब नगर निगम के अधिकारी उस जानवर को पकड़ने गए, तो खुद को कुत्ता प्रेमी बताने वाले वकीलों ने नगर निगम के अधिकारियों पर हमला कर दिया। शीर्ष अदालत ने यह भी खेद जताया कि पिछले चार दिनों से वह इस मुद्दे पर दलीलें सुन रही है, लेकिन एनजीओ के हस्तक्षेप के कारण वह मामलों में आगे नहीं बढ़ पाई और केंद्र तथा राज्य सरकारों के पक्ष को भी नहीं सुन सकी।

ईरान से व्यापार करने वालों पर ट्रंप ने थोपा 25% टैरिफ

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- भारत पर पड़ सकता है असर, चाबहार बंदरगाह पर है हिस्सेदारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। इस कदम का भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे ईरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों पर असर पड़ सकता है। चाबहार पोर्ट को लेकर भी असर देखने को मिल सकता है। ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में यह घोषणा की।

ट्रंप ने कहा है कि ईरान अब सीमाएं लांघ रहा है और इसी वजह से उन्हें और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को कठोर विकल्पों पर विचार करना पड़ रहा है। ट्रंप की इस घोषणा का असर भारत पर पड़ सकता है जो हाल के वर्षों में ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। अमेरिका ने पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जो दुनिया के किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। इसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, ईरान को भारत के प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम फाइबर, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं जबकि ईरान से भारत के प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं। ऑनलाइन डेटा विजुअलाइजेशन और वितरण मंच 'ऑब्जर्वेटरी ऑफ इकोनॉमिक कॉम्प्लेक्सिटी' (ओईसी) के अनुसार, 2023 में भारत से ईरान को निर्यात कुल 1.19 अरब डॉलर था जबकि भारत में आयात कुल 1.02 अरब डॉलर का हुआ था। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, भारत और ईरान के बीच सदियों पुराना संबंध है। समकालीन संबंध इन ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों की मजबूती पर आधारित हैं और उच्च स्तरीय आदान-प्रदान, वाणिज्यिक एवं संपर्क सहयोग, सांस्कृतिक और मजबूत जन-संबंधों के माध्यम से लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत-ईरान संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू चाबहार बंदरगाह का संयुक्त विकास है।

ग्रीनलैंड पर कब्जे का बिल पेश 51वें राज्य का अधिकार मिलेगा

वाशिंगटन। ग्रीनलैंड को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के लिए अमरीकी कांग्रेस में एक विधेयक अमेरिकी संसद में पेश किया है। विधेयक के बताए गए लक्ष्यों में ग्रीनलैंड के विलय और उसके बाद उसे राज्य का दर्जा देना शामिल है।

ब्रीफ न्यूज

महादेव एप : रवि उप्पल की दुबई स्थित संपत्ति समेत नई संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने कहा कि उसने अवैध महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में फरार प्रमुख प्रवर्तकों में से एक रवि उप्पल सहित विभिन्न आरोपियों की लगभग 21 करोड़ की नई संपत्ति कुर्क की है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के कई बड़े राजनीतिक नेताओं और नौकरशाहों की कथित संलिप्तता बताई जाती है। पीएमएलए के तहत 10 जनवरी को एक अंतरिम आदेश जारी किया गया। पिछले हफ्ते, ईडी ने इसी तरह का एक आदेश जारी कर महादेव ऑनलाइन बुक नामक एप के एक अन्य मुख्य प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर तथा अन्य लोगों की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था।

देश में डिजिटल भुगतान के विस्तार की बहुत अधिक गुंजाइश : शंकर

नई दिल्ली। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने मंगलवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान के विस्तार की बहुत अधिक गुंजाइश हैं। यूपीआई में अपने मौजूदा 40 करोड़ के आधार से दोगुने से अधिक होकर 100 करोड़ उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने की क्षमता है। दुनिया के कुल खुदरा भुगतान लेनदेन का लगभग 50 प्रतिशत भारत में होता है, लेकिन इसके बावजूद प्रति व्यक्ति डिजिटल लेनदेन की संख्या के मामले में भारत को अभी कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की बराबरी करनी है।

पाकिस्तान के हर दुस्साहस का देंगे जवाब: सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, एलओसी पर हालात स्थिर

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और दुश्मन के किसी भी दुस्साहस से माकूल तरीके से निपटा जाएगा। सेना प्रमुख ने कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हालात स्थिर हैं, लेकिन इस पर लगातार नजर रखने की जरूरत है।

ऑपरेशन सिंदूर के अलग-अलग पहलुओं के बारे में विस्तार से बात करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि इससे रणनीतिक सोच को फिर से तैयार करने में मदद मिली, क्योंकि भारतीय सेना ने आतंकी ढांचे को खत्म करने और इस्लामाबाद की 'लंबे समय से चली आ रही परमाणु बयानबाजी' को धता बताने के लिए अंदर तक हमला किया। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते होंगे, ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, और भविष्य में किसी भी दुस्साहस का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि तीनों सेनाओं के तालमेल को दिखाने वाला यह अभियान सीमापार आतंकवाद के लिए भारत का सोचा-समझा और मजबूत जवाब था, जो तैयारी, सटीकता और रणनीतिक स्पष्टता दिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सेना ने अपने सैनिकों को इकट्ठा कर लिया था और वह जमीनी हमलों के लिए तैयार थी। जनरल द्विवेदी ने कहा, उत्तरी मोर्चे पर हालात स्थिर हैं, लेकिन लगातार नजर रखने की जरूरत है।

चीन सीमा पर सतर्कता जरूरी, शक्सगाम घाटी में निर्माण कार्य अवैध

नई दिल्ली। सेना प्रमुख ने कहा है कि उत्तरी सीमा से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर बनी हुई है लेकिन निरंतर सतर्कता बनाए रखने की जरूरत है और वहां तैनात सैनिकों की संख्या में कमी विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों के निर्देश के आधार पर लिया जाएगा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शक्सगाम घाटी में चीन के निर्माण पर विरोध जताते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच 1963 के समझौते को भारत ने कभी नहीं माना और यह गैर कानूनी है।

रुद्राक्ष से बनाया शिवलिंग

प्रयागराज : माघ मेले में शिवयोगी मौनी महाराज द्वारा 5 करोड़ 51 लाख रुद्राक्षों से 11 फीट ऊंचे भव्य शिवलिंग का निर्माण किया गया है। मकर संक्रांति से शुरू होने वाले विशेष अनुष्ठान में राष्ट्र रक्षा, आतंकवाद विनाश और काशी-मथुरा में भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया जाएगा। ● एजेंसी

मेंथा फैक्ट्री के केबिन में मिले 3 सुरक्षाकर्मियों के शव, हड़कंप

संवाददाता, उझानी (बदायूं)

अमृत विचार : उझानी में दिल्ली मार्ग स्थित मेंथा फैक्ट्री के केबिन में तीन सुरक्षाकर्मियों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। सुरक्षाकर्मी अंगीठी जलाकर सोए थे। ऐसे में स्थानीय लोगों का कहना है कि दम घुटने से उनकी मौत हुई, जबकि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया है।

मौके पर एसडीएम, सीओ और कई थानों की पुलिस मौजूद है। शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। फैक्ट्री मालिक समेत तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसी फैक्ट्री में तकरीबन आठ महीने पहले आग लगने से एक मजदूर की मौत हुई थी। साथ ही, फैक्ट्री का लगभग सौ करोड़ रुपये का नुकसान बताया गया था। अब सुरक्षा कर्मियों की मौत से सवाल खड़े हो रहे हैं। मंगलवार सुबह कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव कुड़ा नरसिंहपुर स्थित मेंथा फैक्ट्री के कर्मचारियों ने केबिन में जमीन पर सुरक्षाकर्मी मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव बसावनपुर निवासी जोगेंद्र यादव पुत्र रामबहादुर, दातागंज क्षेत्र के गांव मुड़सेना निवासी भानु यादव पुत्र श्रीपाल और सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव पसेई निवासी विवेक यादव पुत्र रजिस्टर सिंह के शव जमीन पर पड़े देखे। मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एएसपी अनुज चौधरी सहित 20 कर्मियों पर एफआईआर के आदेश

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा में गोली लगने से घायल एक युवक के मामले में अदालत ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी व कोतवाल सहित 15-20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

एसपी केके विश्नोई ने कहा है कि पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं करेगी बल्कि कोर्ट में अपील करेगी। चौधरी वर्तमान में फिरोजाबाद में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हैं। नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला खग्गू सराय निवासी यामीन ने 6 फरवरी 2025 को सीजेएम की कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था कि उसका बेटा आलम 24 नवंबर को सुबह 8:45 बजे जामा मस्जिद के नजदीक पहुंचा तो वहां भीड़ जमा थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी संभल अनुज चौधरी और इंस्पेक्टर अनुज तोमर व अन्य कर्मियों ने अचानक भीड़ पर गोलियां चला दी शुरू कर दीं। आलम जान बचाने के लिए भागा तो दो गोली पीठ में व एक हाथ में लगी। संभल में डॉक्टरों ने मना कर दिया तो मुरादाबाद व अलीगढ़ लेकर गया। वहां भी भर्ती नहीं किया तब मेरठ में इलाज कराया। पुलिस ने कोर्ट को सौंपी अपनी जांच रिपोर्ट में कहा था कि इस मामले में थाने पर कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। साथ ही आलम का इलाज करने वाले डॉक्टर के बयान व अन्य तथ्य भी कोर्ट में रखे थे। बहरहाल कोर्ट ने आदेश दिया कि प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 1734 बीएस से स्वीकार किया जाता है। थाना अध्यक्ष संभल को आदेशित किया कि मामला पंजीकृत कर विवेचना कराई जाए। सूचना 7 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें।

संभल हिंसा मामला

- हिंसा के दौरान घायल युवक के पिता के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने जारी किया आदेश
- एसपी ने कहा पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं करेगी बल्कि कोर्ट में करेगी अपील

> संभल हिंसा के मामले में न्यायिक जांच पहले ही हो चुकी है। जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट ने आदेश किया है उनकी जांच पूरी हो चुकी है। इसलिए हम इस मामले में मुकदमा दर्ज नहीं करेंगे और इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में अपील करेंगे।
> -कृष्ण कुमार विश्नोई, पुलिस अधीक्षक संभल

ब्लिंकिट ने 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

- स्विगी और जेप्टो भी कर सकते हैं अनुसरण हड़ताल और सरकार की दखल के बाद फैसला

इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट ने डिलीवरी कर्मियों के कल्याण से जुड़ी बढ़ती चिंताओं के बीच सभी मंच से अपना '10 मिनट में' डिलीवरी का दावा हटा लिया है। स्विगी और जेप्टो जैसे अन्य 'क्विक कॉमर्स' मंच भी इस कदम का अनुसरण कर सकते हैं।

यह बदलाव केंद्रीय श्रम मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद देखा जा रहा है, जो इतनी कठिन समय सीमा को पूरा करने की कोशिश करने वाले डिलीवरी कर्मियों के कल्याण को लेकर चिंतित था। श्रम मंत्रालय ने इस संबंध में क्विक कॉमर्स मंचों के साथ चर्चा की, ताकि गिग कर्मियों के लिए बेहतर सुरक्षा और कामकाजी परिस्थितियां सुनिश्चित की जा सकें। दस मिनट में डिलीवरी के वादे के कारण वर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर गिग कर्मियों ने देशव्यापी हड़ताल की थी, जिसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आय की ओर ध्यान आकर्षित किया। जेप्टो, इंस्टामार्ट और बिगबास्केट के लिए 10 मिनट में डिलीवरी की ब्रांडिंग अभी भी गूगल प्ले स्टोर और आईओएस ऐप स्टोर पर दिखाई दे रही है, लेकिन ब्लिंकिट के लिए ऐसी कोई ब्रांडिंग अब वहां मौजूद नहीं है।

समीक्षा मुख्यमंत्री ने कहा- इंटेंट, टेक्नोलॉजी और अकाउंटेबिलिटी के समन्वय से मिले ठोस नतीजे

'प्रगति' नए भारत की कार्य संस्कृति का सशक्त उदाहरण : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी बोले-मोदी के प्रगति मॉडल से यूपी बना देश का इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (प्रगति) केवल बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा का मंच नहीं, बल्कि नए भारत की नई कार्य संस्कृति का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल उस प्रशासनिक सोच को दर्शाता है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी। जिसे वर्ष 2014 के बाद राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिली और भाजपा सरकार आने के बाद देश में यूपी इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ का इंजन बना।

योगी ने मंगलवार को गोरखपुर रवाना होने से पहले पत्रकारों से खास बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'प्रगति' ने यह सिद्ध किया है कि जब इंटेंट, टेक्नोलॉजी और अकाउंटेबिलिटी एक साथ आती हैं, तो आउटकम स्वतः सुनिश्चित हो जाते हैं। डिजिटल गवर्नेंस और कोऑपरेटिव फेडरलिज्म को मजबूती देते हुए प्रगति एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना है, जहां अंतर-मंत्रालयीय और अंतर-विभागीय समन्वय से जटिल समस्याओं का समयबद्ध समाधान संभव हुआ है। प्रगति मॉडल की अवधारणा वर्ष 2003 में गुजरात में 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रीवांसेज बाई एप्लिकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) के रूप में शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि प्रगति केवल एक रिव्यू मैकेनिज्म नहीं, बल्कि गवर्नेंस रिफॉर्म है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति के प्रभाव का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके माध्यम से 86 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को गति मिली है। प्रधानमंत्री द्वारा 377 प्रमुख परियोजनाओं की प्रत्यक्ष समीक्षा की जाती है, जबकि 3162 में से 2958 मुद्दों का समाधान हो चुका है, जो शासन की विश्वसनीयता को दर्शाता है। योगी ने कहा कि प्रगति के माध्यम से इंटर-एजेंसी बाधाएं समाप्त हुई हैं। राजस्व, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन, नगर विकास और पंचायती राज जैसे विभाग एक ही मंच पर समाधान कर रहे हैं। इससे उत्तर प्रदेश 'बॉटलनेक स्टेट' से 'ब्रेकथ्रू स्टेट' बन चुका है।

विपक्ष पर सीधा वार

- **योगी आदित्यनाथ का तंज :** विकास पर बोलने से पहले विपक्ष आंकड़े देखे
- **'जुमला' नैरेटिव खारिज :** घोषणाएं नहीं, पूरा हुआ काम बोलेगा
- **प्रोजेक्ट बनाम प्रचार :** 330 में 128 परियोजनाएं पूरी, जवाब खुद मौजूद
- **देरी की राजनीति पर चोट :** प्रगति ने फाइलों को मैदान में उतारा
- **अनुमतियों की रफ्तार :** इंटर-एजेंसी बाधाएं खत्म, बहाने बंद
- **राजनीतिक संदेश :** जो कर दिखाया, वही भरोसे का आधार
- **असर :** विपक्ष की सरकार-विफलता की लाइन कमजोर

यूपी में गेम-चेंजर सिद्ध हुआ प्रगति मॉडल

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति मॉडल राज्य के लिए गेम-चेंजर सिद्ध हुआ है। एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, सर्वाधिक शहरों में मेट्रो, एयर कनेक्टिविटी, देश की पहली रैपिड रेल, अंतर्देशीय जलमार्ग और रोपवे जैसे प्रोजेक्ट समयबद्ध ढंग से आगे बढ़े हैं। वर्तमान में यूपी के पास 10.48 लाख करोड़ रुपये की 330 परियोजनाओं के साथ देश का सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर पोर्टफोलियो है। इनमें से 2.37 लाख करोड़ रुपये की 128 परियोजनाएं (39 प्रतिशत) पूरी हो चुकी हैं, जबकि 8.11 लाख करोड़ की 202 परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रगति पर हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 14 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

समाज कल्याण विभाग और मदद फाउंडेशन के बीच एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बालिकाओं के समावेशी विकास, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी सशक्तिकरण को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। समाज कल्याण विभाग और मदद फाउंडेशन के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के तहत दो सर्वोदय बालिका विद्यालयों को 40 टैबलेट वितरित किए गए। गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में आयोजित समन्वय बैठक एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम में समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि डिजिटल शिक्षा आज समय की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। कार्यक्रम में पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयन किए गए जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, गोरखपुर और महाराजगंज को कुल 40 टैबलेट प्रदान किए गए।

संयुक्त परिषद 20 को करेगी विधानसभा का घेराव

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के करीब 40 लाख कार्मिकों की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने 20 जनवरी को विधान सभा घेराव का ऐलान किया है। परिषद का कहना है कि क्षेत्रीय, मंडलीय और प्रांतीय स्तर पर कई चरणों में आंदोलन और सम्मेलन किए गए, लेकिन शासन–सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। इसी क्रम में आलमबाग बस स्टेशन पर परिवहन निगम से जुड़े विभिन्न संगठनों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष जेएन तिवारी ने की।

डिप्लोमा फार्मेसी संस्थानों की संबद्धता प्रक्रिया शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : सत्र 2026–27 के लिए डिप्लोमा स्तरीय फार्मेसी संस्थानों को संबद्धता दिए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राविधिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने इसके लिए यू-राइज पोर्टल को सक्रिय कर दिया है। शासनादेश के अनुपालन में अब नई फार्मेसी संस्था की स्थापना, नया पाठ्यक्रम शुरू करने, प्रवेश क्षमता बढ़ाने या घटाने तथा संस्था क्लोजर से जुड़े सभी आवेदन केवल यू-राइज पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। परिषद के अनुसार, नव-आवेदित और पूर्व से परिषद से संबद्ध सभी डिप्लोमा स्तरीय फार्मेसी संस्थान 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित तिथि और समय के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। परिषद ने स्पष्ट किया है कि ऑफलाइन या किसी अन्य ऑनलाइन माध्यम से भेजे गए आवेदन मान्य नहीं होंगे।

विवादमुक्त संपत्ति व्यवस्था पर सरकार का फोकस

अमृत विचार, लखनऊ : विधान भवन स्थित कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने कहा कि अब पारिवारिक अचल संपत्ति के बंटवारे के लिए स्टांप शुल्क मात्र 5000 रुपये और पंजीयन शुल्क अधिकतम 5000 रुपये तय किया गया है। यानी प्रदेश के नागरिक अब 10 हजार के भीतर वैध रूप से संपत्ति का पारिवारिक विभाजन करा सकेंगे। इससे पारिवारिक विवाद, कोर्ट-कचहरी और वर्षों तक चलने वाले मुकदमों में कमी आएगी। मंगलवार को विधान भवन स्थित कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने आम नागरिकों, महिलाओं और परिवारों को बड़ी राहत देते हुए स्टांप एवं पंजीयन शुल्क में ऐतिहासिक रियायतों का फैसला किया है।

वीबी–जीरामजी से बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, भ्रष्टाचार पर लगेगा डिजिटल ब्रेक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

किरण रिजिजू का आरोप

- **मनरेगा में 11 लाख करोड़ खर्च के बाद भी गांवों का विकास नहीं**

अमृत विचार: केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरण रिजिजू ने मनरेगा को लेकर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि इस योजना में 11 लाख करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीण भारत में अपेक्षित विकास नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां रोजगार की जरूरत नहीं थी, वहां पैसा बहाया गया और जहां काम चाहिए था, वहां लोगों को रोजगार नहीं मिला। रिजिजू ने कहा कि मनरेगा रोजगार की नहीं, बल्कि लूट की गारंटी बन गई थी, इसलिए केंद्र सरकार वीबी–जीरामजी (विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण) लेकर आई है।

वीबी–जीरामजी योजना को लेकर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भाजपा की वर्कशॉप और बाद में प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प गांवों का समग्र और टिकाऊ विकास है। नई योजना के जरिए रोजगार, आजीविका और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां होने वाला बदलाव पूरे देश के लिए मॉडल बनेगा।

किरण रिजिजू ने बताया कि वीबी–जीरामजी के तहत हर परियोजना की डिजिटल मॉनिटरिंग होगी, जिससे भ्रष्टाचार और दुरुपयोग की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। 100 दिन की जगह अब 125 दिन रोजगार की गारंटी दी जाएगी। कृषि सीजन के अनुसार योजना में लचीलापन रखा गया है, ताकि किसानों को सीधा लाभ मिले। जल संरक्षण, स्वास्थ्य सुविधाएं, बेसिक शिक्षा और ग्रामीण जलापूर्ति के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ा उछाल आएगा।

केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जैसे सीएए के समय नागरिकता छीनने का झूठा भ्रम फैलाया गया था, वैसे ही अब नए कानून को लेकर डर पैदा किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी की नागरिकता गई? वीबी–जीरामजी में हर ग्राम सभा से प्रस्ताव लेकर जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पुराने कानून में भ्रष्टाचार रोकना संभव नहीं था, इसलिए नया कानून लाना जरूरी हो गया।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित वर्कशॉप में बाएं से उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह। अमृत विचार

गरीबों को जीरामजी के फायदे गिनाएं कार्यकर्ता

- कार्यशाला में मंत्रियों और भाजपा नेता ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि नया कानून पारदर्शिता और जवाबदेही की गारंटी देता है। संगठन स्तर पर कार्यकर्ता इसे जन-जन तक पहुंचाएं। गांवों की भागीदारी से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वीबी–जीरामजी से गांवों में वास्तविक विकास होगा। यह योजना गरीब, किसान और मजदूर की जिंदगी बदलेगी। बृजेश पाठक ने कहा कि डिजिटल निगरानी से भ्रष्टाचार खत्म होगा। यह योजना भरोसे और पारदर्शिता की गारंटी है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि ग्राम पंचायतें इस योजना की रीढ़ होंगी। गांव से ही विकसित भारत का रास्ता निकलेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता वीबी–जीरामजी को गांव-गांव तक पहुंचाएंगे। यह ऐतिहासिक सुधार है। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठन स्तर पर हर कार्यकर्ता इस योजना को जन-आंदोलन बनाएगा। कहा कि प्रदेश की कार्यशाला के पश्चात वीबी-जी राम जी की जिला कार्यशालाओं में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी जिला सम्मेलनों के माध्यम से वीबी-जी राम जी पर श्रमिकों, गामीणों, ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों तथा किसानों के साथ संवाद करेगी। जिला सम्मेलनों में सांसद, विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधि तथा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पदाधिकारी सम्मिलित रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा मंडल स्तर पर भी सम्मेलन आयोजित करेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, शहर मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे, राष्ट्रीय मंत्री ओम प्रकाश धनखड़, राष्ट्रीय मंत्री सुरेन्द्र नागर, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेन्द्र सिंह चौधरी उपस्थित रहे। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने किया।

5 लाख युवाओं को मिलेगा हाई-स्किल रोजगार

प्रदेश में 1000 से अधिक जीसीसी स्थापित करने का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एक नज़र में यूपी का जीसीसी रोडमैप

- **लक्ष्य :** 1000 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स
- **संभावित रोजगार :** 5 लाख युवा
- **वर्तमान जीसीसी :** लगभग 90
- **नीति :** उत्तर प्रदेश जीसीसी नीति-2024
- **फोकस सेक्टर :** आईटी, डेटा, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट
- **मुख्य लाभ :** हाई-स्किल जॉब्स, प्रतिभा पलायन पर नियंत्रण

रफ्तार पकड़ रही मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना वित्तीय वर्ष 2025–26 में 94 इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिसके तहत 648 .63 लाख रुपये का पूंजी निवेश संभव हुआ है। इसके माध्यम से 2,586 युवाओं को रोजगार दिलाने में सफलता मिली है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित एवं तकनीकी योग्य बेरोजगार युवक-युवतियों को 10 लाख रुपये तक का बैंक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योगी सरकार ने उद्यमियों के लिए ब्याज सब्सिडी की बड़ी सुविधा दी है, जिसमें सामान्य वर्ग के उद्यमियों के लिए 4 प्रतिशत से ऊपर का ब्याज सरकार देती है, जबकि आरक्षित वर्ग के उद्यमियों का पूरा ब्याज सरकार वहन करती है। योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला उद्यमी पात्र हैं। चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से की जाती है। सामान्य वर्ग को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत, जबकि आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान देना होता है।

अमृत विचार: तेजी से विकसित होती अवसंरचना, स्पष्ट नीतियों और स्थिर शासन के चलते उत्तर प्रदेश अब ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) के लिए देश का उभरता हुआ हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। बीते नौ वर्षों में योगी सरकार में प्रदेश ने न केवल मैन्युफैक्चरिंग बल्कि नॉलेज और सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में भी ठोस कदम बढ़ाए हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश वैश्विक कंपनियों का एक बड़ा ऑपरेशन हब बन सकता है।

प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश जीसीसी नीति-2024 के तहत 1000 से अधिक जीसीसी स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके माध्यम से पांच लाख से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 90 जीसीसी सक्रिय हैं, जो आईटी, इंजीनियरिंग, डेटा एनालिटिक्स, फाइनेंस और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। नीति की सबसे बड़ी ताकत इसकी स्पष्टता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता-नियमों की अनिश्चितता और प्रक्रियागत देरी—को दूर करने के लिए सरकार ने एक स्पष्ट और पारदर्शी ढांचा तैयार किया है। इससे निवेशकों को शुरुआती चरण में ही नियम, शर्तें और जिम्मेदारियां स्पष्ट हो जाती हैं, जिससे निर्णय लेने की गति तेज हुई है और भरोसा मजबूत हुआ है। भूमि आधारित प्रोत्साहन और संरचनात्मक सहयोग से निवेश की शुरुआती लागत घटाने पर विशेष जोर दिया गया है। प्रदेश सरकार का मानना है कि यदि निवेशक को आरंभिक स्तर पर ठोस आधार मिलेगा, तो वह लंबे समय तक राज्य से जुड़ा रहेगा। इसी कारण अस्थायी कार्यालयों के बजाय स्थायी औद्योगिक और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही समयबद्ध क्रियान्वयन और जवाबदेही तय कर यह सुनिश्चित किया गया है कि परियोजनाएं तय समय में धरातल पर उतरें।जीसीसी के माध्यम से प्रदेश में हाई-वैल्यू और हाई-स्किल रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। स्थानीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति और तकनीकी अनुभव मिल रहा है, जिससे प्रतिभा पलायन पर अंकुश लगने की उम्मीद है। साथ ही कम विकसित क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित कर सरकार क्षेत्रीय संतुलन साधने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है।

गोरखपुर महोत्सव में बच्चों से बात करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

विकास की नई ऊंचाइयों पर उत्तर प्रदेश : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- **मुख्यमंत्री ने किया गोरखपुर महोत्सव का समापन, छह विभूतियां 'गोरखपुर रत्न' से सम्मानित**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अब केवल संभावनाओं की चर्चा नहीं होती, बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति के साथ परिणाम धरातल पर दिखाई देते हैं। सरकार की दृढ़ नीति और संकल्प का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश माफियामुक्त, दंगामुक्त होकर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री मंगलवार अपराह्न रामगढ़ताल के सामने चंपा देवी पार्क में आयोजित गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्थानीय छह विभूतियों को 'गोरखपुर रत्न' से सम्मानित किया और महोत्सव की स्मारिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया। योगी ने कहा कि सरकार की स्पष्ट इच्छाशक्ति से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। आज नौजवानों को रोजगार मिल रहा है, किसानों की आय में वृद्धि हो रही है और व्यापारी भयमुक्त वातावरण में अपना कारोबार बढ़ा रहे हैं। बहन-बेटियां सुरक्षित माहौल में स्कूल और बाजार जा पा रही हैं। उन्होंने सख्त शब्दों में कहा कि यदि कोई बहन-बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का दुस्साहस करता है, तो उसे कानून का कठोर सामना करना पड़ेगा। यह परिवर्तन तभी संभव हुआ है, जब सरकार में जनसेवा की सच्ची भावना और निर्णय लेने का साहस हो।

2017 से पहले और बाद जमीन-आसमान का फर्क

- योगी ने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर और प्रदेश की स्थिति बदहाल थी। सड़कें जर्जर थीं, बिजली संकट था, गुंडा टैक्स वसूला जाता था और बीमारियों का प्रकोप था। आज गोरखपुर और उत्तर प्रदेश विकास की नई बुलंदियों पर हैं। उन्होंने कहा कि मच्छर और माफिया एक-दूसरे के पूरक होते हैं, एक शरीर को बीमार करता है, दूसरा समाज को। स्वच्छता और कानून व्यवस्था के जरिए दोनों पर नियंत्रण किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज गोरखपुर में शानदार सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी है। हजारों करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिससे करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार मिला है।

माघ मेले में मकर संक्रांति स्नान पर्व के लिए तैयारी पूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- **एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान**

मेला प्रशासन की तैयारी

- **अनुमानित श्रद्धालु :** 1 करोड़ से अधिक
- **स्नान घाट :** 12,100 फीट लंबाई
- **पार्किंग स्थल :** 42 (1 लाख वाहन क्षमता)
- **स्वच्छता कर्मी :** 3,300
- **टॉयलेट :** 25,880
- **सुरक्षा :** 400 एआई व सीसीटीवी कैमरे
- **विशेष सुविधा :** गोल्फ कार्ट व बाइक टैक्सी सेवा

अमृत विचार: संगम नगरी प्रयागराज में आयोजित माघ मेले का दूसरा और महत्वपूर्ण स्नान पर्व मकर संक्रांति 15 जनवरी को होगा। पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान कराने के बाद अब मेला प्रशासन मकर संक्रांति के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। प्रशासन का अनुमान है कि इस पर्व पर एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर आस्था की डुबकी लगाएंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र में 12,100 फीट लंबाई में स्नान घाटों का निर्माण किया गया है। भीड़ के दबाव को कम करने के लिए घाटों के समीप ही पार्किंग विकसित की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े। इस बार 42 अस्थायी पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जिनमें एक लाख से अधिक वाहनों की क्षमता है। सुगम आवागमन के लिए गोल्फ कार्ट और बाइक टैक्सी सेवा भी उपलब्ध रहेगी। भीड़ माघ मेला अधिकारी ऋषिराज के अनुसार, पिछले वर्ष मकर संक्रांति पर करीब 29 लाख श्रद्धालु आए थे, जबकि इस बार अनुमान लगभग तीन गुना है। इसी को देखते हुए यातायात और प्रवेश-निकास मार्गों को विशेष रूप से सुव्यवस्थित किया गया है। गंगा में पर्याप्त जल उपलब्धता के लिए कानपुर स्थित बैराज से प्रतिदिन 8000 क्यूसेक जल छोड़ा जा रहा है और सभी 81 नालों की टैपिंग पूरी कर ली गई है। स्वच्छता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मेला क्षेत्र को ओडीएफ, दुर्गंध मुक्त और जीरो डिस्चार्ज बनाए रखने के लिए 25,880 टॉयलेट, 11 हजार डस्टबिन, 10 लाख लाइनर बैग और 3,300 स्वच्छता कर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मेला क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकियां, जल पुलिस, अग्निशमन स्टेशन और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। एआई आधारित 400 से अधिक कैमरों से क्राउड मॉनिटरिंग और भीड़ घनत्व का विश्लेषण किया जाएगा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दो छोलदारियां जलीं

- **अमृत विचार, लखनऊ :** माघ मेला–2026 के दौरान प्रयागराज में फायर सर्विस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। मंगलवार को मेला क्षेत्र अंतर्गत थाना झूंसी, सेक्टर–05 में श्री राम नाम एवं मानव प्रचार संघ के संस्था परिसर में विद्युत आपूर्ति के दौरान लाइट फ्लक्चुएशन के कारण शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके के पास ड्यूटी पर तैनात दो-पहिया फायर वाहन ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर अग्निशमन कार्य शुरू किया। इसके बाद मात्र दो मिनट के भीतर फायर सर्विस के कुल छह वाहन मौके पर पहुंच गए और संगठित तरीके से आग बुझाने की कार्रवाई की गई।

एसआईआर के लंबित मामलों पर जवाब तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **सीईओ नवदीप रिणवा ने वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग से डीईओ–ईआरओ को दिए सख्त निर्देश**
- **18 को मिशन मोड में पढ़ी जाएगी मतदाता सूची, सोशल मीडिया पर त्वरित समाधान के आदेश**

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि 18 जनवरी 2026 को प्रदेश के सभी बूथों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मिशन मोड में आलेख्य मतदाता सूची को पुनः पढ़कर मतदाताओं को सुनाएंगे। इस अभियान में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट, संबंधित क्षेत्र के पार्षद और ग्राम प्रधान का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि बीएलओ के पास फॉर्म-6 (घोषणा पत्र सहित), फॉर्म-7 और फॉर्म-8 पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हों। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त मतदाताओं की जिज्ञासाओं और शिकायतों का समयबद्ध, तथ्यपरक और स्पष्ट उत्तर दिया जाए, ताकि मतदाताओं के बीच किसी भी प्रकार का भ्रम उत्पन्न न हो।

नाम–पते की त्रुटियों पर सख्ती

- सीईओ ने निर्देश दिए कि फॉर्म-6 ऑफलाइन भरवाते समय मतदाता का नाम, पता और अन्य विवरण हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में मतदाता के सामने भरवाया जाए, ताकि वर्तनी की किसी भी प्रकार की गलती की संभावना न रहे। इसी प्रकार, ऑनलाइन फॉर्म-6 के मामलों में सत्यापन के दौरान बीएलओ मतदाता से उसका नाम हिंदी में भी भरवाएं, जिससे मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध और अद्यतन हो सके।

'बुक ए कॉल विद बीएलओ' की समीक्षा

- बैठक में 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' सुविधा के अंतर्गत 48 घंटे से अधिक समय तक लंबित प्रकरणों की विधानसभा वार समीक्षा की गई। जिन आठ विधानसभा क्षेत्रों मुरादाबाद ग्रामीण, शिकोहाबाद, गढ़मुक्तेश्वर, चायल, मधुबन, कुंदरकी, मनकापुर और मुरादाबाद नगर में 10 से अधिक प्रकरण 48 घंटे से ज्यादा लंबित पाए गए, वहां के ईआरओ से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी ईआरओ को नियमित बूथ वार समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी प्रकरण 48 घंटे से अधिक लंबित न रहे।

समीक्षा बैठक

मुख्य सचिव ने की आकांक्षात्मक विकास खंडों की प्रगति की समीक्षा, कमजोर इंडिकेटर्स पर फोकस

त्रुटिरहित डेटा, अद्यतन रणनीति और लक्षित कार्ययोजना पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

समीक्षा बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने मंगलवार को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पोषण, बुनियादी ढांचा और सामाजिक विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में तेजी से प्रगति सुनिश्चित करें, ताकि पिछड़े ब्लॉकों में समग्र विकास हो और योजनाओं का लाभ समयबद्ध लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन इंडिकेटर्स में प्रगति राज्य औसत से कम है, वहां लक्षित और प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्य सचिव मंगलवार को आकांक्षात्मक विकास खंड कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान विभिन्न इंडिकेटर्स, पिछड़े विकास खंडों की स्थिति और डेटा गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। गोयल ने पोर्टल पर त्रुटिरहित डेटा एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि विकास खंड एवं जनपद स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित कर सुधारात्मक प्रयास किए जाएं। उन्होंने आकांक्षात्मक विकास खंडों में शत-प्रतिशत अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती तथा फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया।

एमसीएडीडब्ल्यूएम योजना में त्वरित सुधार के निर्देश

- अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित आधुनिकीकरण कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन (एमसीएडीडब्ल्यूएम) योजना के अंतर्गत चयनित क्लस्टरों की मंगलवार को द्वितीय समीक्षा बैठक में परियोजनाओं की प्रगति, समय-सीमा और जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि यदि किसी परियोजना में विलंब की स्थिति उत्पन्न होती है तो तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। श्री गोयल ने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल ढांचागत विकास नहीं, बल्कि जल उपयोग दक्षता बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि करना है, इसलिए इसका लाभ अधिकतम संख्या में कृषकों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। बैठक में विभिन्न कन्वर्जेंस विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा न आए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जल संसाधनों के कुशल उपयोग और सिंचाई सुविधाओं के बेहतर दोहन के लिए आधुनिक तकनीकों को प्राथमिकता दी जाए। एमसीएडीडब्ल्यूएम योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की एक उप-योजना है, जिसके अंतर्गत कमांड क्षेत्रों में भूमिगत दबाव युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली, और आईओटी आधारित जल प्रबंधन को अपनाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

खेत में जानवर घुसने के विवाद में मारपीट

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र के हडाइन खेड़ा अमौसी निवासी साधना यादव ने अशर्फीलाल, कमलेश, विपिन यादव, कुंदन यादव और गुलशन यादव पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी है। पीड़िता ने बताया कि उनका घर और खेत अगल-बगल हैं। 9 जनवरी की शाम पड़ोसी अशर्फी लाल और कमलेश के जानवर उनके खेत में खड़ी सरसों की फसल को नुकसान पहुंचा थे। मौके पर पहुंचकर उन्होंने विरोध किया तो विपक्षियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। बात बढ़ने पर आरोपियों के बेटे विपिन यादव, कुंदन यादव और गुलशन यादव ने डंडे से पीड़िता के पति मनोज यादव के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पर साधना यादव से भी हाथापाई की। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकाला

अमृत विचार, सरोजनीनगर : विवाहिता ने पति व ससुरालवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एलडीए कॉलोनी सेक्टर-एफ निवासी मनीषा की शादी उन्नाव निवासी आजाद गौरव से 15 मई 2023 को हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति आजाद गौरव, ससुर रामशंकर, सास सीता देवी और ननद शालू ने व्यापार के लिए 10 लाख रुपये दहेज की मांग शुरू कर दी।

ट्रेन के आगे लेटकर अर्द्धविक्षिप्त ने दी जान

अमृत विचार, निगोहां : सूरज (18) मानसिक रूप से था। मंगलवार सुबह बिना बताए घर से निकल गया था। परिजन उसकी खोजबीन कर रहे थे। इसी बीच लोको पायलट ने टिकरा गांव के पास रेलवे ट्रैक पर युवक के कटने की सूचना जीआरपी को दी। सूचना मिलते ही जीआरपी और निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सचिन का था हत्या कर फेंका गया शव

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी के जी-20 चौराहे के पास 8 जनवरी को हत्या कर फेंके गए युवक के शव की शिनाख्त नगराम के टिकरा गांव निवासी सचिन तिवारी के रूप में हुई है। सोशल मीडिया की सूचना के आधार पर परिवार सुशांत गोल्फ सिटी थाने पहुंचा। पुलिस की मदद से पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव की शिनाख्त बड़े भाई विपिन कुमार ने की है। भाई ने एक दोस्त समेत कुछ अन्य पर हत्या के आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। टिकरा गांव निवासी विपिन तिवारी ने बताया कि उनका भाई सचिन 7 जनवरी की सुबह घर से दोस्त निहाल के साथ पेशी पर जाने के लिए निकला था लेकिन वापस नहीं आया। कई दिन खोज के बाद पीडित भाई नगराम गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचा तो उसे सोमवार को शव की शिनाख्त के लिए सुशांत गोल्फ सिटी थाने भेज दिया गया। कपड़े और फोटो देख कर शव की शिनाख्त की। बताया गया कि सचिन का शव सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में झाड़ियों के पास से पुलिस को मिला था। गले पर धारदार हथियार से रेतने के निशान थे। यही नहीं हत्या के बाद आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए शव को जलाने का प्रयास किया था। शव लगभग 40 प्रतिशत जल गया लेकिन चेहरा जलने से बच गया गया। रिपोर्ट में गला कसने से मौत की पुष्टि भी हुई थी। फिलहाल पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि केस पर तीन टीमें लगायी गयी हैं। सर्विलांस और जमीनी स्तर पर छानबीन की जा रही है। जल्द ही वारदात का खुलासा कर दिया जाएगा।

कथित एनकाउंटर के आरोपी पुलिसकर्मी हाईकोर्ट में तलब

- पुलस्त तिवारी कथित एनकाउंटर मामले में अगली सुनवाई 19 को

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने वर्ष 2020 में पुलस्त तिवारी के कथित एनकाउंटर मामले में आरोपी पुलिसकर्मियों को तलब किया है। कोर्ट ने पुलिस महानिरीक्षक स्थापना को आदेश दिया है कि वे उक्त सभी पुलिसकर्मियों की 19 जनवरी को कोर्ट के समक्ष उपस्थिति सुनिश्चित करें। मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने पुलस्त तिवारी की मां मंजुला तिवारी की याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि नौ अगस्त 2020 को पुलिस निरीक्षक महेश दूबे व सिपाही मोहित सोनी उनके पुत्र को इंदिरा नगर स्थित आवास से साथ ले गए थे। अगले दिन फर्जी मुठभेड़ दिखाते

हुए पुलस्त के पैर में गोली मार दी तथा पुलिस टीम पर हमला करने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी दिखा दी। दावा किया गया है कि पुलस्त को उक्त दो पुलिसकर्मियों द्वारा घर से ले जाने के वीडियो तथा ऑडियो साक्ष्य मौजूद हैं।

मामले में निचली अदालत के आदेश बाद आशियाना थाने में एफआईआर भी दर्ज हुई थी। लेकिन पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट लगाते हुए मामले को रफा दफा कर दिया। उक्त फाइनल रिपोर्ट को निचली अदालत द्वारा स्वीकार कर लिया गया। जबकि मुठभेड़ के फर्जी होने के स्पष्ट साक्ष्य मौजूद हैं।

इस पर कोर्ट ने तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक कृष्णा नगर महेश दूबे, प्रभारी निरीक्षक आशियाना संजय राय, हेड कांस्टेबल समीर जावेद खान व सगीर खान तथा सिपाहियों मोहित सोनी, बलवंत कुमार, सौरभ कुमार व राकेश सिंह को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया है।

राजधानी में तैनात जज को धमकी भरा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में तैनात एक अपर जिला जज व उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भरा एक पत्र भेजा गया है। उक्त पत्र में जज को चेतावनी दी गई कि उनके द्वारा सुनाए गए फैसले का परिणाम उन्हें एवं उनके परिवार को भुगतना होगा। यह गुमनाम पत्र अदालत के अर्दली को पांच जनवरी को उस समय डाकिये ने दिया जब कोर्ट में मुकदमों की सुनवाई चल रही थी। अर्दली द्वारा जब इस लिफाफे को पीठासीन अधिकारी को दिया गया तो लिफाफे के अंदर टाइप किया हुआ धमकी भरा पत्र निकला। सूचना के अनुसार धमकी भरा पत्र प्राप्त होने के उपरांत संबंधित जज ने तुरंत इसकी सूचना जिला जज को दी। जिस पर जिला जज ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर उचित कार्यवाही करने तथा शासनादेशों के अनुरूप जज एवं उनके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

एसआई की इंजीनियर बेटी की जेद्दा में मौत

- पति समेत ससुरालियों पर दहेज हत्या का आरोप, दी तहरीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चिनहट के मल्हौर इलाके में रहने वाले एसआई की इंजीनियर बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में 18 दिसंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में मौत हो थी। मंगलवार को शव लखनऊ पहुंचने पर पिता ने पति समेत अन्य ससुरालियों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए चिनहट थाने में तहरीर दी है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चिनहट के मल्हौर निवासी एसआई शेर अली खान बेटी की ऐनम खान कंप्यूटर साइंस से बीटेक थी। उसका निकाह 10 अप्रैल 2025 को रायबरेली के मो. आमिर खान से किया था। आरोप है कि दहेज में इनोवा कार की मांग पूरी न होने पर ऐनम को ताने दिए जानी लगे। पति आमिर ने ऐनम का आईफोन तोड़ दिया। 19 अप्रैल 2025 को जेद्दा चला गया और जून 2025 में ऐनम को भी वहां बुला लिया। वहां पति, उसके भाई और दो बहनोइयों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। 20 लाख रुपये मांगे। अक्टूबर 2025 में ऐनम मायके चिनहट आई तब परिवार को जानकारी दी। 19 अक्टूबर 2025 को फिर जेद्दा चली गई। वहां पहुंचते ही उत्पीड़न शुरू हो गया। ऐनम भारत न लौट सके, इसके लिए उसका पासपोर्ट छीनकर अपने पास रख लिया गया।

18 दिसंबर को ऐनम की मां ने कई बार कॉल किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इस पर शेर अली खान ने सऊदी अरब में रहने वाले फैजान को ऐनम के घर भेजा। वहां पता चला कि ऐनम की मौत हो चुकी है और मौके पर पुलिस मौजूद है। आरोप है कि उनकी बेटी को लटका कर मारा गया। इसके बाद सऊदी अरब पुलिस से शव भारत भेजने का अनुरोध किया गया। मंगलवार को ऐनम का शव लखनऊ पहुंचा।

प्रतियोगिता स्थल पर अर्यमा व अन्य शिक्षक।

अर्यमा ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का किया प्रयास

अमृत विचार, लखनऊ : जिले की छात्रा अर्यमा शुक्ला ने लखनऊ विश्वविद्यालय में "मोस्ट डेसिमल प्लेसेस ऑफ़ इयूलर रिकॉल्ड इन 1 मिनट" एवं "मोस्ट डेसिमल प्लेसेस ऑफ़ पाई रिकॉल्ड इन 1 मिनिट" को तोड़ने का प्रयास किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्देशित नियमों का पालन करते हुए अर्यमा ने आंखों पर पट्टी बांधकर 1 मिनट में 360 अंक बोलकर इयूलर के वर्तमान रिकॉर्ड जो कि 281 है और अमेरिका की सांची गौरीनेनी के नाम है को तोड़ने का प्रयास किया।

जाली एफडी थमा बैंक मित्र ने 18 ग्राहकों के 50 लाख हड़पे

- बैंक और थाने में पीड़ितों ने किया हंगामा, पुलिस ने दिया कार्रवाई का आश्वासन
- बहन की शादी के लिए एफडी तोड़वाने पहुंचा किसान तो सामने आया फर्जीवाड़ा

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: पारा के शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के बैंक मित्र ने करीब 18 ग्राहकों के साथ फर्जीवाड़ा किया। आरोपी बैंक मित्र ने फर्जी एफडी और बैंक पासबुक से संबंधित दस्तावेज थमाकर ग्राहकों के करीब 50 लाख से अधिक रुपये ठग लिए। बहन की शादी के लिए करीब चार साल पूर्व कराई गई एफडी तोड़वाले के लिए सोमवार को पीड़ित किसान बैंक पहुंचा तो ठगी का पता चला। बैंक अधिकारियों ने उसे बताया कि एफडी जाली है। इस बीच कई अन्य ग्राहक पहुंचे और फर्जीवाड़े का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर पीड़ित ग्राहकों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

सरोसा भरोसा निवासी किसान लवकुश पाल ने बताया कि वर्ष 2022 में उन्होंने बैंक मित्र शिवा राव से पांच-पांच लाख रुपये की दो एफडी और 2.40 लाख रुपये की एक अन्य एफडी भी कराई थी। 19 फरवरी को बहन की शादी होनी है। शादी की तैयारी और खरीदारी के लिए मंगलवार को बैंक एफडी तोड़वाने पहुंचा। बैंक अधिकारी ने एफडी देख फटकार लगाई कि जाली एफडी लेकर आए हो। यह सुनते ही लवकुशी के होश उड़ गए। पीड़ित ने बताया कि शिवा राव को एफडी खुलवाने के दौरान रुपये दिए थे। इसके बाद उसने यह एफडी के दस्तावेज दिए थे।

इस बीच लवकुश ने अपने परिचित वह बैंक के ग्राहकों सलेमपुर पतौरा निवासी फूलचंद्र, राम नरेश, हरिशंकर, नूरजहां, रितु, सालिक राम, सीमा सिंह, आशा समेत करीब 20-25 लोगों को और बुलवा लिया। उन्होंने अपने खातों से संबंधित दस्तावेज पासबुक और एफडी दिखाई। पता चला कि उनके साथ भी फर्जीवाड़ा हुआ है। इस पर सभी लोग हंगामा करने लगे। हंगामे की सूचना पर पुलिस बैंक पहुंची। पुलिस ने शाखा प्रबंधक हिमांशु कुकरेती से बातचीत की। इसके बाद आरोपी बैंक मित्र शिवा राव और ग्राहकों को लेकर पुलिस पारा थाने पहुंची। थाने में भी ग्राहकों ने हंगामा शुरू कर दिया। थाने में बैंक मित्र ने 28 जनवरी को उन्हें रुपये देने की बात कही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि किसी ग्राहक ने अभी लिखित में तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

चार मकान और एक अस्पताल से लाखों का माल चोरी

- गाजीपुर, चिनहट, गोमतीनगर विभूतिखंड और बीबीडी थाने में रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी में बेखौफ चोरों ने पूर्वी जोन को निशाना बनाया। चोरों ने चार मकान और एक अस्पताल का ताला तोड़कर नकदी, जेवर और इलेक्ट्रॉनिक मशीन समेत लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की ये वारदातें गाजीपुर, चिनहट, गोमतीनगर, विभूतिखंड और बीबीडी इलाके में हुईं। पुलिस सभी मामलों को दर्ज कर जांच कर रही है।

इंदिरानगर सेक्टर-19 निवासी नरसिंह प्रसाद ने बताया कि 3 जनवरी को वे परिवार संग शहर से बाहर थे। देर रात चोर ताला तोड़कर घर में घुसे और नकदी व जेवर समेत लाखों का माल लेकर फरार हो गए।

अगले दिन मकान के दूसरे तल पर किराए पर रहने वाले उमेश ने चोरी की सूचना दी। पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज में दो नकाबपोश चोरों को देखा। गाजीपुर पुलिस ने जांच कर रिपोर्ट दर्ज कर ली। ग्राम अनौरा के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में रघुपति श्याम फार्मासिस्ट पद पर हैं। 9 जनवरी को वे ड्यूटी कर आवास गए। चौकीदार ने मुख्य गेट व चैनल पर ताला लगाकर घर छोड़ दिया था। 10 जनवरी को पड़ोस के गार्ड ने ताले टूटे देख सूचना दी। चोर बीपी मशीन, ब्लोअर, चादर व तौलिया समेत लाखों का माल ले गए। चिनहट के सुरेंद्रनगर अजयनगर निवासी रोहित सिंह ने बताया कि 2 जनवरी को वे परिवार संग वैष्णो देवी गए थे। 8 जनवरी को लौटने पर खिड़की की ग्रिल टूटी मिली और आलमारी से लाखों के जेवर व 35 हजार रुपये गायब थे।

विरामखंड-5 निवासी डा. दुष्यंत वर्मा के निर्माणाधीन मकान से भी बिजली के तार चोरी हुए। विभूतिखंड के वास्तुखंड-1 निवासी शमशेर विक्रम सिंह 3 जनवरी को घर और आलमारी का ताला टूटे पाए और लाखों के जेवर व पांच हजार रुपये चोरी पाए गए। सभी घटनाओं में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

घर से मोबाइल और रुपये ले गया चोर

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में चोरों ने सोमवार देर रात महिला मजदूर के मकान में घुसकर कीमती मोबाइल और हजारों रुपये चोरी कर लिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मध्य प्रदेश के सिंगरौली निवासी गुटली थाना क्षेत्र के रॉयल सिटी कॉलोनी स्थित पार्षद कार्यालय के सामने आदर्श मिश्रा के मकान में रहकर मजदूरी का काम करती है। 12 जनवरी की रात वह अन्य लोगों के साथ कमरे में सो रही थी, तभी अज्ञात व्यक्ति अंदर घुस आया और उसका मोबाइल फोन तथा पांच हजार रुपये नकद चोरी कर ले गया। चोरी की जानकारी सुबह करीब पांच बजे हुई। तलाश करने पर कुछ दूरी पर मोबाइल की सिम कार्ड पड़ा मिला।

रिटायर्ड कैप्टन समेत छह के खातों से उड़ाए 12.81 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार :साइबर जालसाजों ने रिटायर्ड कैप्टन समेत छह लोगों के खातों से कुल 12.81 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने खुद को बैंककर्मी बताकर ठगी की तो कहीं पार्ट टाइम जॉब और निवेश के नाम पर लोगों को फंसाया गया। साइबर ठगी के ये मामले सुशांत गोल्फ सिटी, विकासनगर, कैंट और आशियाना थाना क्षेत्रों के हैं। पुलिस ने सभी मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।

सुशांत गोल्फ सिटी के अर्जुनगंज स्थित रिशिता मैनहट्टन निवासी अंजू यदानी ने बताया कि कुछ दिन पहले व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का मैसेज आया। संपर्क करने पर जालसाज ने पहले टास्क कराकर कुछ रुपये दिए। इसके बाद पेड टास्क के नाम पर उनसे 1.54 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसी थाना क्षेत्र के पारा स्थित चंद्रोदयनगर निवासी प्रशांत वर्मा, जो यूपी 112 में कार्यरत हैं, के क्रेडिट कार्ड से 5 जनवरी को साइबर जालसाजों ने 73,490 रुपये निकाल लिए।अवध विहार योजना के नंदिनी एंक्लेव निवासी नीरज कुमार तिवारी ने बताया कि उन्हें व्हाट्सएप पर एक ग्रुप में जोड़ा गया। इसके बाद जालसाजों ने निवेश के नाम पर झांसा देकर उनसे 3.40 लाख रुपये ऐंठ लिए। वहीं, विकासनगर के सेक्टर-11 निवासी रिटायर्ड कैप्टन रविंद्र नाथ सिंह राजावत ने बताया कि 7 जनवरी को उनके पास एक कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को दिल्ली एसबीआई का कर्मचारी बताकर केवाईसी अपडेट करने का झांसा दिया। इसके बाद वीडियो कॉल के जरिए 23 हजार रुपये खाते से निकाल लिए गए। पीड़ित ने विकासनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

महिला सिपाही से ऐंठे 23 लाख

अमृत विचार, लखनऊ :दूसरे की जमीन को अपना बताकर बेचने का झांसा देकर एक जालसाज प्रॉपर्टी डीलर ने सुल्तानपुर के कोधरा खुर्द निवासी सिपाही रीमा पाल से करीब 23 लाख रुपये ऐंठ लिए। बैनामे के बाद जब पीड़िता ने कब्जे की बात कही तो आरोपी महीनों तक आनाकानी करता रहा। हासेमऊ स्थित प्लॉट पर पहुंचने पर पीड़िता को पूरे फर्जीवाड़े का पता चला। विरोध करने पर आरोपी ने धमकी भी दी। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर बीबीडी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इंस्पेक्टर राम सिंह के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

दंपति ने व्यापारी के हड़पे 13 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर में दुकान का सौदा कर एक दंपति ने बलिया के वसरीकपुर निवासी व्यापारी संतोष तिवारी के 13 लाख रुपये हड़प लिए। बैनामे के लिए संपर्क करने पर आरोपियों ने साफ इंकार कर दिया। विरोध करने पर आरोपी महिला ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। दबाव बनाने पर दंपति ने चेक दिए, लेकिन खाते में लगाने पर सभी चेक बाउंस हो गए। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर गाजीपुर पुलिस ने रिंकी गुप्ता और विजय गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और धमकी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर गाजीपुर राजेश कुमार मौर्या के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

वारदात | सिलेंडर, लोहे के पाइप व अन्य सामान ले गए बदमाश

पूर्व पार्षद के प्लॉट में लूटपाट और मजदूर पर हमला

- सीसीटीवी कैमरों में एक बदमाश कैद हुआ, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इंदिरानगर इलाके में पूर्व पार्षद के प्लॉट में बने कमरे में सो रहे मजदूर पर बदमाशों ने धावा बोल दिया। लूटपाट का विरोध करने पर बदमाश ने रॉड और कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर मजदूर को लहूलुहान कर दिया। मरणासन्न हालत में पड़े मजदूर को मृत समझकर बदमाश गैस सिलेंडर, लोहे के पाइप व अन्य सामान उठाकर फरार हो गया। सुबह जब पूर्व पार्षद प्लॉट पर पहुंचे तो मजदूर खून से लथपथ मिला। डायल-112 पर सूचना मिलने के बाद इंदिरानगर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। सीसीटीवी कैमरों में एक बदमाश कैद हुआ है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मूल रूप से सीतापुर के संधना निवासी अनूप कुमार के पिता लल्लू इंदिरानगर के फरीदीनगर स्थित बाल विहार इलाके में पूर्व पार्षद प्रेम चंद वर्मा के प्लॉट में रहकर मजदूरी करते हैं। 11 जनवरी को रोज की तरह रात में खाना खाने के बाद लल्लू प्लॉट में सो रहे थे। सोमवार सुबह करीब छह बजे जब पूर्व पार्षद प्लॉट पर पहुंचे तो लल्लू खून से लथपथ पड़े मिले। मौके पर लोहे की रॉड, डंडे और कुल्हाड़ी भी पड़ी हुई थी। लल्लू के शरीर, सिर और मुंह पर गंभीर घाव थे। प्रेम चंद वर्मा ने अपने भतीजे राहुल और अन्य लोगों को मदद के लिए बुलाया। इसके बाद डायल-112 पर पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी गई। एम्बुलेंस की मदद से लल्लू को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। अनूप ने बताया कि जांच के दौरान प्लॉट में बने कमरे का सारा सामान बिखरा मिला। गैस सिलेंडर, लोहे के पाइप और अन्य सामान गायब था। पूर्व पार्षद ने अपने कार्यालय के सामने स्थित पीसीओ में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक व्यक्ति दीवार फांदकर प्लॉट के अंदर जाते हुए दिखाई दिया। इसके बाद पास ही स्थित देव मेडिकल केयर के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई, जिसमें एक बदमाश गैस सिलेंडर ले जाते हुए नजर आया। आशंका जताई जा रही है कि बदमाश लूटपाट के इरादे से प्लॉट में घुसा था।

खटपट की आवाज सुनकर लल्लू की नींद खुल गई होगी और उन्होंने बदमाश का विरोध किया होगा। इसी दौरान बदमाश ने उन पर हमला कर उन्हें मरणासन्न कर दिया। इंदिरानगर पुलिस ने बेटे अनूप कुमार की तहरीर पर देर रात रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई हैं और घटनास्थल से जुड़े सभी मार्गों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 14 जनवरी 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

वित्त सचिव भवानी सिंह खंगारौत होंगे नए अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक विभागों में पद सृजन और संवर्ग पुनर्गठन से जुड़े मामलों की समीक्षा को लेकर जारी व्यवस्था में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। इस संबंध में मंगलवार को वित्त विभाग (वेतन आयोग) अनुभाग-2 द्वारा नया शासनादेश जारी किया गया है। शासनादेश के अनुसार, पहले से गठित समिति के अध्यक्ष में परिवर्तन करते हुए अब वित्त सचिव भवानी सिंह खंगारौत को समिति का अध्यक्ष नामित किया गया है। वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार द्वारा जारी शासनादेश जारी किया गया है।

मंदिर का दान पात्र तोड़कर रुपये चोरी

अमृत विचार, आलमबाग : मानकनगर के रामनगर स्थित शिव भोलेश्वर खाटू श्याम मंदिर में सोमवार देर रात चोर ने धावा बोल दिया। आरोपी ने मंदिर में रखे दो दान पात्रों का ताला तोड़कर उसमें रखे रुपये चोरी कर लिए। चोर की यह करतूत मंदिर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जयप्रकाश निवासी मंदिर के पुजारी पंडित कमला प्रसाद द्विवेदी को मंगलवार सुबह दान पात्रों का ताला टूटा मिला। सूचना पर मानकनगर पुलिस ने छानबीन की। एसओ अजीत कुमार सिंह के अनुसार सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश की जा रही है।

1364 परिवारों को मिलेंगे शौचालय

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में ओडीएफ के बाद बढ़े 1364 लाभार्थियों को व्यक्तिगत शौचालय मिलेंगे। पंचायती राज विभाग ने सर्वे में चयनित किए लाभार्थियों की सूची जिलाधिकारी को स्वीकृति के लिए भेजी है। वहीं, केंद्र ने बजट भी आवंटित कर दिया है। जिला ओडीएफ होने के बाद बढ़े परिवारों का सर्वे कराया गया था। इस दौरान वर्ष 2024-25 में 1384 लाभार्थी चयनित हुए थे, जिन्हें शौचालय निर्माण की दूसरी किस्त 6 हजार रुपये भुगतान की गई। इसके बाद विभाग ने वर्ष 2025-26 में 1364 लाभार्थी और चयनित किए हैं, जिन्हें जिलाधिकारी की स्वीकृति पर योजना से लाभान्वित किया जाएगा। शौचालय निर्माण के लिए कुल 2 करोड़ रुपये केंद्र ने जारी किए थे। इसमें 1384 लाभार्थियों को 83.4 लाख रुपये दिए गए थे। अब शेष धनराशि नये लाभार्थियों को प्रथम किस्त के तौर पर दी जाएगी।

दिल्ली की गणतंत्र दिवस परेड में विशिष्ट अतिथि होंगे 42 प्रधान

ग्राम पंचायतों के उत्कृष्ट कार्य के आधार पर किया गया चयन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय मंच पर गूंजेगी यूपी के गांवों की ताकत, अधिकारी भी शामिल होंगे

अमृत विचार: 77वें गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर राष्ट्रीय परेड में प्रदेश की सशक्त ग्राम पंचायत व्यवस्था की ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज होगी। प्रदेश के 42 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को राष्ट्रीय समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। ये ग्राम प्रधान अपने जीवनसाथी अथवा अभिभावकों के साथ गणतंत्र दिवस परेड में सहभागिता करेंगे।

पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को कहा कि ये प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि गांवों की मेहनत, पारदर्शी कार्यप्रणाली और जनभागीदारी को जब राष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिलता है, तो यह लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करता है। यह सम्मान उन पंचायत प्रतिनिधियों के समर्पण का परिणाम है, जिन्होंने विकास को जन-आंदोलन बनाया। यह उपलब्धि प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों को और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगी।

बताया कि पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप उत्तर प्रदेश की 42 ग्राम पंचायतों के प्रधानों का चयन किया गया है। इसके अतिरिक्त, एसपी सिंह बघेल द्वारा संस्तुत 20 विशिष्ट अतिथियों, राज्य एवं जिला स्तर के नोडल अधिकारियों को मिलाकर उत्तर प्रदेश से 93 प्रतिभागी इस राष्ट्रीय आयोजन का हिस्सा बनेंगे। यह सहभागिता इस बात का संकेत है कि प्रदेश की ग्राम पंचायतें अब केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। मंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर किए गए विकास के उत्कृष्ट कार्य, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी की मिसाल अब राष्ट्रीय मंच पर पहचान बना रही है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों को यह आमंत्रण न केवल प्रदेश की मजबूत पंचायती राज व्यवस्था का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि जमीनी स्तर पर हो रहे सकारात्मक बदलावों को अब देशभर में सराहा जा रहा है।

पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि विभाग द्वारा पंचायतों के क्षमता निर्माण, पारदर्शिता और नवाचार पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। दिल्ली में पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश की पंचायतें अब केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की साझीदार बन चुकी हैं।

गो सेवा से लखपति बनीं प्रवेश कुमारी

अमृत विचार, लखनऊ: बुंदेलखंड की पहचान अब केवल इतिहास और शौर्य तक सीमित नहीं रही, बल्कि महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की मिसाल भी बन रही है। झांसी की रहने वाली प्रवेश कुमारी ने गो-सेवा को आजीविका का आधार बनाकर न सिर्फ खुद को आर्थिक रूप से सशक्त किया, बल्कि गांव की कई महिलाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते भी खोले हैं। उनका यह प्रयास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश विजन को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रहा है।

प्रवेश कुमारी ने सौर ऊर्जा आधारित हाई क्वॉलिटी पशु चारा यूनिट स्थापित की है। ये पूरी तरह 18 किलोवाट की सोलर प्रणाली से संचालित होती है। इस यूनिट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें बिजली का खर्च लगभग शून्य है, जिससे चारे की उत्पादन लागत कम आती है। सस्ता, पोषक और गुणवत्तापूर्ण चारा मिलने से स्थानीय डेयरी किसानों के पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और दूध उत्पादन क्षमता भी बढ़ी है। यह स्टार्टअप केवल आय का जरिया नहीं, बल्कि सामूहिक भागीदारी की नई परंपरा भी बन गया है। प्रवेश कुमारी वर्तमान में लगभग 25 हजार रुपये प्रतिमाह की आय अर्जित कर रही हैं। उनके साथ गांव की अन्य महिलाएं भी जुड़ी हैं, जिन्हें नियमित काम और स्थायी आमदनी मिल रही है। इससे महिलाओं में आर्थिक स्वतंत्रता के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा है। इस यूनिट में आधुनिक मशीनरी और मानकीकृत तकनीकों से चारा तैयार किया जाता है।

वाहन स्क्रैपिंग में उत्तर प्रदेश देश में नंबर वन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सर्वाधिक 94,094 वाहनों की हुई स्क्रैपिंग

अमृत विचार: प्रदूषण मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में वाहन स्क्रैपिंग के मामले में उत्तर प्रदेश देश का नंबर-वन राज्य बन गया है। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के डैशबोर्ड के अनुसार दिसंबर 2025 तक प्रदेश में 94,094 वाहनों की स्क्रैपिंग की जा चुकी है, जो देश में स्क्रैप किए गए कुल वाहनों का लगभग 42 प्रतिशत है। इस सूची में यूपी के बाद हरियाणा, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र का स्थान है।

पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाने की यह नीति न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि आधुनिक, सुरक्षित और कम उत्सर्जन वाले वाहनों को बढ़ावा देकर सड़क सुरक्षा को भी मजबूत कर रही है। आंकड़ों के मुताबिक देशभर में दिसंबर 2025 तक लगभग 3.94 लाख वाहन स्क्रैप किए गए हैं, जिनमें 1.65 लाख सरकारी और 2.29 लाख निजी व व्यावसायिक वाहन शामिल हैं। वाहन स्क्रैपिंग के लिए स्थापित रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी केंद्रों की संख्या में भी प्रदेश देश में सबसे आगे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रदूषण-मुक्त और हरित उत्तर प्रदेश की पहल के तहत प्रदेश में अब तक 84 आरवीएसएफ केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 45 केंद्रों का संचालन सक्रिय रूप से किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से वाहनों का वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से निस्तारण किया जा रहा है।

आरवीएसएफ केंद्रों की संख्या के मामले में हरियाणा दूसरे, जबकि राजस्थान और गुजरात उसके बाद के स्थान पर हैं।

फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स सशक्त बनें तभी एआई का असली फायदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कान्फ्रेंस के दूसरे दिन एआई एक्सपर्ट ने रखे अपने विचार
- बोले, तकनीक अगर सही तरीके से अपनाई जाए, तो मजबूत बनेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

बिना सहमति न हो एआई बेस्ड डाटा का इस्तेमाल

- पैनल में शामिल एआई एक्सपर्ट ने कहा कि जब देश की करीब आधी आबादी महिलाएं और बच्चे हैं, तब उनके स्वास्थ्य डाटा की सुरक्षा बहुत जरूरी है। मरीज की सहमति के बिना डाटा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। पारदर्शिता और भरोसा ही किसी भी मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव होती है। अगर लोग सिस्टम पर भरोसा करेंगे, तभी वे नई तकनीक को अपनाएंगे। एआई की मदद से मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। एआई आधारित सिस्टम गर्भवती महिलाओं में खतरे के संकेत पहले ही पहचान सकता है। इससे आशा कार्यकर्ता समय रहते महिला को अस्पताल तक पहुंचा सकती हैं। गांव स्तर पर जल्दी पहचान और सही रेफरल से मां और बच्चे दोनों की जान बचाई जा सकती है।

अमृत विचार: चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव डॉ. पिंकी जोवेल ने कहा कि एआई का असली फायदा तब मिलेगा, जब यह फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को सशक्त बनाएं। आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम और डॉक्टर ही गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाते हैं। अगर तकनीक इनकी मदद करे, तो इलाज समय पर और बेहतर हो सकता है। उन्होंने टेलीमेडिसिन और रिमोट केयर को बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को भी आसानी से डॉक्टरों की सलाह मिल सके।

पिंकी मंगलवार को स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका को लेकर आयोजित उत्तर प्रदेश एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कान्फ्रेंस में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि करीब 1.80 लाख आशा कार्यकता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम और चीफ हेल्थ ऑफिसर प्रदेश और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। ये कर्मचारी गांव और कस्बों में लोगों से सीधे जुड़े होते हैं। एआई आधारित टूल्स ऐसे होने चाहिए, जो इनके रोजमर्रा के काम को आसान बनाएं, न की बोझ बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर जैसे केंद्रों में एआई का सही इस्तेमाल कर दूरस्थ इलाकों में भी अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दी जा सकती हैं। विभिन्न सत्रों में एआई समाधानों की बात हुई। जो पहले से ही मैदान में काम कर रहे हैं, उनका मकसद है बीमारी को शुरू में ही पहचानना और मरीज को सही समय पर सही अस्पताल तक पहुंचाना।

निषाद पार्टी के संकल्प दिवस पर एनडीए ने दिखाई ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और मंत्री संजय निषाद का स्वागत करते कार्यकर्ता।

- मछुआ समाज अब सिर्फ वोट बैंक नहीं, सत्ता का भागीदार : डॉ. संजय निषाद

अमृत विचार: निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के 13वें संकल्प दिवस पर मंगलवार को राजधानी लखनऊ में एनडीए के सहयोगी दलों की एकजुटता और राजनीतिक ताकत का जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। 2027 के विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत का दावा करते हुए विपक्ष को हाशिये पर पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

डॉ. बीआर आंबेडकर सभागार, राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री, सहयोगी दलों के नेता तथा हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि 13 साल पहले श्रृंगवेरधाम में संकल्प लिया था कि मछुआ समाज का शोषण करने वाली सरकारों का अंत करेंगे। उन्होंने कहा कि निषाद समाज अब केवल नदी-तालाब तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार बनाना और गिराना भी जानता है। उन्होंने फूलन देवी और स्व. जमुना निषाद की हत्या की सीबीआई जांच की मांग दोहराई और संतकबीरनगर लोकसभा चुनाव में साजिश का आरोप लगाया।

डॉ. संजय निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मछुआ समाज के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत बीते 11 वर्षों में 41.5 हजार करोड़ रुपये मछुआरों को दिए गए, जबकि पूर्ववर्ती सरकारें दशकों में यह नहीं कर पाईं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने निषाद पार्टी के नाम को सबसे सुंदर बताते हुए कहा कि भाजपा और निषाद पार्टी का रिश्ता राजनीतिक नहीं, बल्कि पारिवारिक गठबंधन है।

सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि यदि निषाद पार्टी और सुभासपा एकजुट रहती हैं, तो बिना उनके सहयोग के कोई भी सरकार नहीं बन सकती। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 2027 में सपा सत्ता से पूरी तरह बाहर हो जाएगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निषाद समाज को भरोसा दिलाया कि आरक्षण का मुद्दा एनडीए सरकार में ही हल होगा। कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, शिवसेना (शिंदे) के समन्वयक अभिषेक वर्मा सहित एनडीए के कई नेता उपस्थित रहे। संकल्प दिवस ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि 2027 के चुनाव की तैयारी में एनडीए पूरी तरह संगठित और आक्रामक मोड में है।

कई बार ऑपरेशन, 50 लाख वसूले, मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दुबग्गा के निजी कैंसर अस्पताल पर लापरवाही व वसूली का लगा आरोप, सीएमओ से शिकायत

अमृत विचार : दुबग्गा स्थित कायमगंज के एक निजी कैंसर अस्पताल पर मरीज के गलत इलाज, बार-बार अनावश्यक ऑपरेशन करने और करीब 50 लाख रुपये वसूलने का गंभीर आरोप लगा है। बरेली कैंट निवासी पीड़ित अर्जुन ने इस मामले की लिखित शिकायत मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से की है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने जांच कराने की बात कही है।

पीड़ित अर्जुन के अनुसार, उनके पिता संतोष कुमार (48), निवासी भउआपुर मानपुर, बरेली कैंट, की तबीयत बिगड़ने पर बीते वर्ष आठ जुलाई को हरदोई रोड स्थित दुबग्गा आम्रपाली योजना में कायमगंज के निजी कैंसर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि अस्पताल संचालक व डॉक्टर ने खुद को गैस्ट्रो विशेषज्ञ बताते हुए छोटी आंत में कैंसर की गांठ होने की बात कही और शुरुआत में ही 80 हजार रुपये ओटी फीस के रूप में जमा कराए। इसके बाद ऑपरेशन व दवाओं के नाम पर लगभग 10 लाख रुपये वसूले गए। आयुष्मान कार्ड से इलाज करने से भी इनकार कर दिया गया।

> पीड़ित की शिकायत के आधार पर निजी अस्पताल संचालक और संबंधित डॉक्टर के खिलाफ जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोषी मिलने पर अस्पताल के संचालन पर रोक लगाने की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी।
>
> -डॉ. एनबी सिंह, सीएमओ

ऑपरेशन के बाद मरीज को करीब 16 दिन तक अस्पताल में भर्ती रखा गया। छुट्टी मिलने के कुछ ही दिनों बाद दोबारा परेशानी होने पर फिर से भर्ती कर तीन दिन में करीब दो लाख रुपये खर्च कराए गए और पूरी तरह ठीक होने की गारंटी दी गई। आरोप है कि बाद में जांच में पता चला कि गांठ केवल 50 प्रतिशत ही निकाली गई थी। इसके बाद दोबारा ऑपरेशन कर गांठ निकालने की बात कहकर फिर सर्जरी की गई।

अर्जुन का आरोप है कि दूसरे ऑपरेशन के आठ दिन बाद मरीज की आंत अंदर से लीक हो गई, जिसके बाद आंत बाहर निकाल दी गई। इस प्रक्रिया के लिए भी करीब 15 लाख रुपये वसूले गए। अस्पताल की ओर से फिर दावा किया गया कि अब कोई खतरा नहीं है। हालांकि, पांच नवंबर को संतोष कुमार की हालत दोबारा बिगड़ने पर परिजन उन्हें बरेली के खुशलोक अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि दुबग्गा स्थित निजी कैंसर अस्पताल के डॉक्टर ने झूठे दावे कर जानबूझकर गलत इलाज किया और बार-बार ऑपरेशन कर उनके पिता की जान ले ली।

नशेड़ियों ने दंपति को पीटा, महिला का टूटा हाथ

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर इलाके में बीच सड़क पर शराब पीने का विरोध करना एक दंपति को भारी पड़ गया। नशे में धुत युवकों ने दंपति की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिसमें महिला का हाथ टूट गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कन्नौसी निवासी रंजीत सिंह यादव के मुताबिक 3 जनवरी की शाम करीब छह बजे वह घर से दूध लेने निकले थे। इसी दौरान घर के पास ही जीवेश साहू, हर्षित पाल, बक्के गौरव और उनके अन्य साथी सड़क पर शराब पी रहे थे। रंजीत ने इसका विरोध किया तो नशे में धुत युवक गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतर आए। शोर सुनकर पत्नी और बच्चे बचाव के लिए पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी बेरहमी से पीटा। पिटाई के दौरान महिला का हाथ टूट गया। मोहल्लेवाले दौड़े तो आरोपी मौके से भाग निकले। इलाज के बाद रंजीत ने कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एसआईआर की आड़ में एनआरसी लागू कर रही भाजपा : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लोकतंत्र को अपवित्र करने का प्रयास, सपा करेगी हर स्तर पर निगरानी

भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप

- अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि प्रदेश में हर विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने भाजपा पर भूमाफिया की तरह काम करने और सरकारी व गरीबों की जमीनों पर अवैध कब्जे कराने का आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश की जनता भाजपा से पूरी तरह ऊब चुकी है और 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का नामोनिशान नहीं रहेगा।

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार एसआईआर की आड़ में एनआरसी लागू कर रही है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश है। अखिलेश ने साफ कहा कि समाजवादी पार्टी इस प्रयास को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी।

सपा प्रमुख ने मंगलवार को कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि यदि भाजपा से जुड़े लोग वोटर बनाने या काटने की प्रक्रिया में धांधली करते पकड़े गए, तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इसके लिए पार्टी सभी बूथ प्रभारियों को एफआईआर का प्रारूप भेज रही है, ताकि हर स्तर पर निगरानी रखी जा सके और किसी भी गड़बड़ी को तुरंत उजागर किया जा सके। अखिलेश यादव ने एसआईआर को सीधे तौर पर एनआरसी करार देते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग से वह काम कराया जा रहा है, जो गृह मंत्रालय का था। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा चार करोड़ वोट कटने की स्वीकारोक्ति का हवाला देते हुए कहा कि यह मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का प्रमाण है। उन्होंने केंद्रीय और राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में अंतर पर भी सवाल उठाए।

सपा अध्यक्ष के अनुसार, केंद्रीय निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में प्रदेश में 12 करोड़ 56 लाख मतदाता दर्ज हैं, जबकि राज्य की सूची में केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ही 12 करोड़ 69 लाख मतदाता बताए जा रहे हैं। शहरी मतदाताओं को जोड़ने पर यह संख्या 17 करोड़ से अधिक हो जाती है। उन्होंने पूछा कि जब बीएलओ और अधिकारी एक ही हैं, तो आंकड़ों में इतना बड़ा अंतर कैसे संभव है।

पंचायती राज के सबसे अधिक प्रकरण लंबित

अमृत विचार, लखनऊ : आईजीआरएस पर दर्ज पंचायती राज विभाग के सबसे अधिक प्रकरण लंबित और डिफॉल्टर होने पर शासन ने नाराजगी जताई। इस क्रम में निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने संबंधित उपनिदेशक और डीपीआरओ को कार्रवाई की चेतावनी देकर तीन दिन में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

13 जनवरी को लखनऊ मंडल में कुल 215 प्रकरण लंबित रहे। इनमें हरदोई 71, सीतापुर 70, उन्नाव 23, लखीमपुर खीरी 19, रायबरेली 18 व लखनऊ में 14 प्रकरण शामिल हैं। इससे पहले शासन स्तर पर आईजीआरएस की समीक्षा के दौरान 9 जनवरी को एल-1 के जिला स्तर पर सुल्तानपुर, शाहजहांपुर, रायबरेली, हरदोई, कौशांबी, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर, पीलीभीत, सहारनपुर और हाथरस में डिफाल्टर 44 प्रकरण और 101 प्रकरण लंबित रहे। इसी तरह मंडल स्तर पर लखनऊ, बरेली, अलीगढ़ व कानपुर मंडल में 16 प्रकरण डिफॉल्टर और 363 लंबित पाए गए।

समारोह

एआई इंपैक्ट समिट -2026 के समापन पर बोले-उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित करना लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सेंट्रम होटल में आयोजित एआई इंपैक्ट सम्मिट 2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है और ऐसे सम्मिट हेल्थकेयर सेक्टर को नई दिशा और गति प्रदान करते हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में चिकित्सा क्षेत्र में नए आविष्कार हो रहे हैं और एआई तकनीक से स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सटीक, तेज और प्रभावी बन रही हैं। इस प्रकार के आयोजन से वैश्विक नवाचारों से परिचित होने और उन्हें प्रदेश में लागू करने में मदद मिलती है।

एआई आधारित मोबाइल एप को लांच करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, साथ में अन्य।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित करना है, जिससे उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे। इस अवसर पर उन्होंने एआई से संबंधित मोबाइल एप का शुभारंभ भी किया, जो आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

- एआई आधारित मोबाइल एप का किया गया शुभारंभ

इस अवसर पर प्रमुख सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग, उत्तर प्रदेश अनुराग यादव, सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण रीतू माहेश्वरी, सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पिंकी जोएल, एमडी, मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन उज्ज्वल कुमार, विशेष सचिव धीरेंद्र सचान, विशेष सचिव नेहा जैन, एसएसओ डॉ. विकासेंदु, डीजी हेल्थ डॉ. आरपी सुमन, डीजी परिवार कल्याण डॉ. पवन अरुण, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

18 मंडलों के 451 युवाओं ने दिखाया हुनर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 6 प्रमुख स्किल्स में प्रतिस्पर्धा श्रेष्ठ प्रतिभाएं अगले चरण के लिए चयनित होंगी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा इंडिया स्किल्स कंपटीशन-2026 के अंतर्गत लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के प्रथम चरण की मुख्य प्रतियोगिताएं मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 मंडलों से आए 451 युवाओं ने अपने तकनीकी कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के अंतर्गत लखनऊ स्थित 9 प्रमुख संस्थानों की 16 आधुनिक कार्यशालाओं में इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन टेक्नोलॉजी, सीएनसी टर्निंग, वेल्डिंग, सीएनसी मिलिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग सहित कुल 6 प्रमुख स्किल्स में प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने वर्ल्ड स्किल्स के निर्धारित मानकों के अनुरूप अत्याधुनिक मशीनों और तकनीकों का उपयोग करते हुए अपनी व्यावहारिक समझ और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल प्रशिक्षण तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तरह तैयार करना है। राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता युवाओं की प्रतिभा को पहचान देने और उन्हें वैश्विक मंच तक पहुंचाने का मजबूत माध्यम बन रही है। कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन के लिए उद्योग जगत के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए विशेष निर्णायक समितियों का गठन किया गया है। प्रत्येक स्किल से न्यूनतम दो श्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन अगले चरण के लिए किया जाएगा। चयनित प्रतिभाएं आगामी चरणों में प्रदेश का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर करेंगी, जबकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले युवाओं को शंघाई (चीन) में होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आईटीआई अलीगंज, आईटीआई मोहनलालगंज, आईटीओटी, रेमंड सेंटर, राजकीय पॉलिटेक्निक, आईटीआई चारबाग, पॉलिटेक्निक (महिला) और सीआईपीईटी सहित विभिन्न संस्थानों में आयोजित की जा रही है, जहां प्रतिभागियों को आधुनिक प्रशिक्षण और मूल्यांकन का अवसर मिल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

चोरी के इंजन के साथ चार गिरफ्तार

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस ने 4 चोरों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया गया एक हाईस्पीड इंजन ट्राली समेत बरामद किया है। पुलिस ने सौरभ उर्फ कृष्णा, अनुज कुमार, कुलदीप उर्फ धनपाल, रोहित उर्फ छोटू विश्वकर्मा को आल्हेमऊ जंगल के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ से पता चला कि बरामद इंजन अभियुक्तों द्वारा 3 जनवरी को ग्राम शेखूपुर से व दूसरा इंजन 6 जनवरी को ग्राम दादनपुर खेत चोरी किया गया था जिस सम्बन्ध में रिपोर्ट दर्ज है। बचे अभियुक्त अशोक रावत की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

सात दिनी विराट रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : बाबा रामशरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर में मंगलवार को कलश स्थापना, गणेश पूजन और वेदी स्थापना के साथ सात दिनी विराट रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। प्रयागराज से पधारे यज्ञ सम्राट स्वामी प्रमोदानंद ने वैदिक मंत्रों के साथ आहुतियां कराईं। महायज्ञ में सुबह से शाम तक हवन होगा।

धनुष यज्ञ का मंचन

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : देवकलिया में तीन दिवसीय रामलीला धनुष यज्ञ के अंतिम दिन मंगलवार को स्थानीय कलाकारों ने भव्य मंचन प्रस्तुत किया। सीता स्वयंवर, रावण-बाणासुर वाक युद्ध और भगवान राम द्वारा शिवधनुष का खंडन, दर्शकों को रोमांचित कर गया। लक्ष्मण और परशुराम के वाक युद्ध में प्रांगण तालियों और जयकारों से गूंज उठा। आयोजन समिति ने कार्यक्रम के अंत में सभी दर्शकों के साथ आरती उतारी।

युवती लापता

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली हैदरगढ़ क्षेत्र से एक 18 वर्षीय युवती लापता हो गई। परिजनों के अनुसार युवती अपने घर से बिना बताए कहीं चली गई। उसके परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़िता के भाई ने स्थानीय पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में उसने बताया कि 10 जनवरी को वह हैदरगढ़ बाजार गया था। देर शाम घर लौटने पर उसने देखा कि उसकी बहन गायब थी।

परिजनों के सुपुर्द की गई किशोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना सुबेहा में किशोरी के घर से नाराज होकर कहीं चले जाने के सम्बन्ध में थाने पर सूचना दी गई थी। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मिशन शक्ति टीम के एसआई अजय कुमार, महिला कांस्टेबल प्रिया चौहान, कांस्टेबल अनीता देवी द्वारा किशोरी को बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया।

कोऑपरेटिव बैंक में 21.47 करोड़ का घोटाला

स्पेशल ऑडिट रिपोर्ट में हुआ खुलासा, शाखा प्रबंधक, बैंक कर्मचारी समेत 16 खाताधारक नामजद

गोंडा का मामला

संवाददाता गोंडा

खाताधारक की तरफ से भी प्रबंधक के खिलाफ दर्ज करायी गई एफआईआर

गोंडा, अमृत विचार : इसी मामले में एक खाता धारक की तरफ से भी तत्कालीन शाखा प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गयी है। खाता धारक शिवेन्द्र दूबे निवासी बहलोलपुर के अनुसार उन्होंने आवास निर्माण के लिए कोऑपरेटिव बैंक बड़गांव से 9 लाख रुपये का होम लोन लिया था और वह नियमित रूप से किस्तें जमा कर रहे थे। इसी बीच बैंक जाने पर ज्ञात हुआ कि उनके ऋण खाते में स्वीकृत राशि को अनधिकृत रूप से बढ़ाकर 31 लाख रुपये दर्शा दिया गया है। इस संबंध में आपत्ति दर्ज कराने पर बैंक प्रबंधन ने पहले इसे त्रुटिवश होना बताया लेकिन बाद में बैंक के तत्कालीन प्रबंधक पवन पाल सिंह एवं उनके सहयोगियों ने उन्हें धमकाने और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

अमृत विचार : बड़गांव इलाके में संचालित उत्तर प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की गोण्डा शाखा में करोड़ों रुपये के घोटाले का मामला सामने आया है। बैंक की स्पेशल ऑडिट रिपोर्ट में इस गबन का खुलासा हुआ है। खुलासे के बाद बैंक के एजीएम की शिकायत पर नगर कोतवाली पुलिस ने इस वित्तीय घोटाले की एफआईआर दर्ज कर ली है। स्पेशल ऑडिट की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर दर्ज मुकदमे में तत्कालीन शाखा प्रबंधक, बैंक कर्मियों और खाताधारकों सहित कुल 16 लोगों को नामजद किया गया है। घोटाले में एफआईआर दर्ज होने के बाद हड़कंप मच गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गयी है।

उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की गोंडा शाखा के सहायक महाप्रबंधक भुवन चंद्र शती के मुताबिक बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक पवन कुमार पाल ने बैंक कर्मियों व बाहरी लोगों के साथ मिलकर संगठित गिरोह बनाते हुए शाखा के पांच आंतरिक खातों से 46.13 लाख रुपये अनधिकृत रूप से निकाल लिए। इसके अलावा 205 खाताधारकों के ऋण व बचत खातों से 2101.65 लाख रुपये विभिन्न बैंकिंग चैनलों के माध्यम से ट्रांसफर कर कुल 2147.78 लाख रुपये (21.47 करोड़) का गबन कर लिया। जांच में सामने आया है कि शाखा में ऋण स्वीकृति और वितरण के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड तथा बैंक की आंतरिक नीतियों के नियमों की खुली अनदेखी की गई। फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर ऋण बांटे गए और खाताधारकों की जमा धनराशि को सुनियोजित ढंग से दूसरे खातों में अंतरित किया गया। आरोप है कि घोटाले में शामिल लोगों ने अपने और परिजनों के खातों का उपयोग कर धनराशि हड़पी। ऋण की रकम से ही किश्तें जमा कर खातों को एनपीए घोषित होने से बचाया गया, ताकि मामला लंबे समय तक दबा रहे। एफआईआर में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र, पद के दुरुपयोग और विश्वासघात जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। बैंक प्रबंधन का कहना है कि यह पूरा कृत्य बैंक के जमाकर्ताओं के हितों के विरुद्ध किया गया संगठित आर्थिक अपराध है। वहीं नगर कोतवाल विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया की बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक पवन कुमार पाल समेत कुल 16 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है। पुलिस बैंक खातों, दस्तावेजों और धन के प्रवाह की गहन जांच कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार : सोमवार की आधी रात पुलिस व एक 25 हजार के इनामी बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गयी। मुठभेड़ के दौरान शातिर बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश का जिला अस्पताल में में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है। पकड़ा गया बदमाश दौलत खान बरेली जिले का रहने वाला है और पुलिस ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी के पास से 40 हजार कैश, बाइक,तमंचा व ज्वेलरी बरामद हुई है।

मुठभेड के बाद एसपी विनीत जायसवाल बताया कि बीते 22 दिसंबर को वादी आशीष कुमार गुप्ता, कर्ताराम प्रजापति और आशुतोष कौशल ने थाना कोतवाली नगर में चोरी की लिखित शिकायतें दी थीं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पांच टीमों का गठन किया और लगातार निगरानी, साक्ष्य संकलन और तकनीकी जांच की।12/13 जनवरी की रात बड़गांव चौराहा पर चेकिंग के दौरान सूचना मिली कि शातिर बदमाश दौलत खान बहराइच की तरफ से आ रहा है। पुलिस ने उसे घेरने का प्रयास किया।

दौलत खान ने पुलिस पर फायरिंग की, जिस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में दौलत खान के पैर में गोली लगी है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी ने बताया कि दौलत खान के कब्जे से 7 जोड़ी नई पायल, 6 जोड़ी पुरानी पायल, ब्रेसलेट, गले की चैन, अंगूठी, नकद 40,000 रुपए, चोरी की बाइक और असलहा बरामद किया गया है।

संदिग्ध दशा में युवक की मौत, जहर खाने की आशंका

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : बड़ा ताल मजरे तिंदोला में सोमवार रात लखनऊ से काम करके घर लौटे एक युवक की तबीयत बिगड़ गई और जिला अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। युवक के जहर खाने की आशंका जतायी जा रही है।

युवक की पहचान राजदेव कश्यप (24) पुत्र रामाज्ञा कश्यप के रूप में हुई है। राजदेव लखनऊ में पेंटिंग का काम करता था। उसकी शादी 3 फरवरी 2025 को थाना जहांगीराबाद के चिलहटा की पूजा से हुई थी। युवक के पिता रामाज्ञा का आरोप है कि शादी के बाद से ही पूजा के मायके पक्ष द्वारा उसे बार-बार मायके बुला लिया जाता था, जिससे राजदेव परेशान था। करीब 15 दिन पहले राजदेव की पत्नी मायके चली गई थी। इसी बात को लेकर वह शराब के नशे में झगड़ा करता। सोमवार रात करीब 8 बजे वह लखनऊ से घर पहुंचा और पत्नी को लाने की बात को लेकर पिता से विवाद करने लगा। इसी दौरान उसने जहरीला पदार्थ खाने की बात कही और गिर पड़ा।

रालोद नेता को गोली मारने वाला भतीजा गिरफ्तार

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : रालोद के प्रदेश सचिव को गोली मारने वाले भतीजे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना का कारण संपत्ति बंटवारे का विवाद बताया जा रहा। लखनऊ में रहने वाले प्रदेश सचिव अफसर अली सोमवार को कुर्सी क्षेत्र में अपने गांव लोहारपुर में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। वह कुछ लोगों के साथ अलाव तापने लगे। इसी बीच वहां पहुंचे भतीजे उबैद की अफसर अली से कहासुनी होने लगी, तभी उबैद ने अफसर पर फायर कर दिया। उन्हे लखनऊ ले जाया गया हालत खतरे से बाहर बताई जा रही।

देश को गुमराह कर रही केंद्र सरकार : पुनिया

बाराबंकी, अमृत विचार : मनरेगा का नाम बदले जाने के विरोध में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के आह्वान पर मंगलवार को छाया चौराहा स्थित चहलारी नरेश की प्रतिमा के समक्ष जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने एक दिवसीय उपवास रखा। कार्यक्रम में पूर्व सांसद डॉ. पीएल पुनिया, सांसद तनुज पुनिया मौजूद रहे। पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने कहा कि वर्तमान सरकार राम के नाम पर देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का नाम बदलकर मजदूरों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि जब तक मनरेगा से जुड़े अधिकारों की संवैधानिक रूप से बहाली नहीं होती, तब तक कांग्रेस सरकार की नीतियों का विरोध करती रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस किसानों, मजदूरों और वंचित वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान जिला अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा फोटोवाला सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उपवास पर बैठे पूर्व सांसद पीएल पुनिया, सांसद तनुज पुनिया व अन्य। ● अमृत विचार

घर से नकदी समेत जेवरात चोरी

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : गुरेला गांव में सोमवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। गुरेला गांव निवासी राजाराम के घर चोरी की घटना हुई। चोरों ने अलमारी और संदूक खंगालते हुए सुषमा देवी के पायजेब व बिछिया, रामावती की सोने की टपस, दो सोने की माला, पायजेब, मटर माला, झुमका, पायल, बिछिया, कुछ बर्तन और नकदी चोरी कर ली। सुबह परिजनों की नींद खुली तो कमरे का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया और लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की।

कुशाग्र हत्याकांड में 20 को आएगा फैसला

कानपुर, अमृत विचार। एडीजे-11 सुभाष सिंह की कोर्ट में कुशाग्र हत्याकांड की सुनवाई जारी है। घटना के 806 दिन बाद कोर्ट में आखिरी बहस हुई, जिसमें हत्यारोपी ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात व साथी शिवा की ओर से उठाए गए सवालों का अभियोजन का जवाब दिया। मामले में 20 जनवरी को फैसला सुनाया जाएगा।

अभियोजन ने जवाबों में बताया कि हत्या के बाद कुशाग्र का मोबाइल प्रभात जरीब चौकी लेकर गया था, जिसे पुलिस ने तेजाब मिल कैंपस से बरामद किया। हत्याकांड के बाद जब शिवा कुशाग्र के घर फिरौती का लेटर डालने गया था। तब रचिता ने एक घंटे के भीतर प्रभात को 7 से 8 बार कॉल किया था। घटना कांड में तीनों आरोपियों की मिलीभगत साबित करते हुए अभियोजन ने कोर्ट को बताया कि घटना के 15 दिन पहले प्रभात और रचिता कुशाग्र के घर गए, जहां उसकी कोचिंग के बारे में जानकारी ली। इसके बाद 14, 15 और 15 अक्टूबर को प्रभात और शिवा करीब 6 से 7 बार लंबी बातचीत हुई थी। वहीं सोमवार को तीनों आरोपी प्रभात शुक्ला, रचिता वत्स व शिवा गुप्ता के अधिवक्ताओं की बहस पूरी हो गई। एडीजीसी ने बताया कि हत्याकांड में तीनों आरोपी शामिल हैं, जिसकी पुष्टि आरोपियों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड से साबित होती है। एडीजीसी ने इसके साथ ही सीसीटीवी, मौखिक साक्ष्यों, कुशाग्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पंचायतनामा व अन्य दस्तावेजों के बारे में बताया।

एडीजीसी ने बताया कि सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसले की तारीख 20 जनवरी तय की है। बता दें कि 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था।

गोदाम में आग से हजारों की क्षति

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : त्रिलोकपुर में सोमवार देर शाम एक किराने की दुकान के गोदाम में आग लग गई। इस घटना में हजारों का सामान जलकर राख हो गया। दुकान संचालक शोनू अपनी दुकान पर बैठे थे। दुकान के पीछे बने गोदाम में अचानक आग लग गयी। आग फैलने लगी और गोदाम में रखा हजारों का सामान जल गया। लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने घरों से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया लेकिन तब तक गोदाम में रखा किराने का बीसों हजार सामान जल गया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction catalogue No./Lot no.	CATERING2613
Description of Work: Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.	
Catalogue Published on	02.01.2026
Auction Start (All Lots)	19.01.2026 at 11:00 hrs.
Auction close Date/Time	19.01.2026 at 11:50 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders : E-Auction Module of www.ireps.gov.in	

Details of catering stalls to be auctioned are as under :-

SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	KUNDA HARNAMGANJ	Catg-LKO-KHNM-GMU -74-24-1	KHNM/PF-1/31/ADDL	19-01-2026 at 11:30 hrs	GMU	
2	PHAPHAMAU	Catg-LKO-PFM-GMU-196-25-1	PFM/PF-1/44/ADDL	19-01-2026 at 11:40 hrs	GMU	
3	PHULPUR	Catg-LKO-PLP-SMU-66-24-1	PLP/PF-2&3/222/ ADDL	19-01-2026 at 11:50 hrs	SMU	OBC

121/2026 कृते वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अल अहद डिस्चार्ज, परिजनों के साथ लखनऊ रवाना

● **राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश के दौरान पकड़ा गया था**

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर में नमाज करने की कोशिश में पकड़ा गया मानसिक रोगी अल अहद मंगलवार सुबह डिस्चार्ज कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में पुलिस की मौजूदगी में उसे परिजनों को सौंपा गया। परिजन उसे ट्रेन से लेकर लखनऊ रवाना हो गए।

अल अहद शेख की राम मंदिर परिसर से गिरफ्तारी होने के बाद जांच टीम को पता चला था कि वह मानसिक रोगी है। इस दौरान जम्मू मेडिकल कॉलेज से भी उसके ट्रीटमेंट की समरी मंगाई गई थी। इसके बाद अल अहद को शनिवार की शाम मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग में भर्ती कराया गया था। तीन दिन विभागाध्यक्ष डॉ.प्रदीप यादव की देखरेख में उसका इलाज हुआ। डॉ. प्रदीप ने बताया जिस हालत में अल अहद को भर्ती कराया गया था। अब वह उससे ठीक है। उन्होंने बताया सोमवार शाम को उसके परिजन आए थे, मंगलवार सुबह 10 बजे उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। अयोध्या सीओ आशुतोष तिवारी ने बताया अल अहद का बेटा इमरान और भाई शाकिब आए थे। लिखा पढ़ी के बाद अल अहद को उन्हें सुपुर्द कर पुलिस की मौजूदगी में ट्रेन से लखनऊ रवाना कर दिया गया।

यूपी महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर मंचासीन विशिष्टजन। ● अमृत विचार

18वें यूपी महोत्सव का भव्य शुभारंभ

लखनऊ, अमृत विचार : जानकीपुरम विस्तार के द ग्रीन प्लैनेट लॉन में प्रगति इवेंट द्वारा आयोजित 18वां यूपी महोत्सव का मंगलवार को संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ हुआ। संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष एनबी सिंह मुख्य जजमान के रूप में उपस्थित रहे। आरती एवं प्रसाद वितरण के उपरांत विधायक डॉ. नीरज बोरा ने यूपी महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलित करके उद्घाटन किया। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि सौरभ तिवारी, राकेश पांडे, अर्जुन यादव आदि उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर से मिस्त्री की मौत

कानपुर, अमृतविचार : सचेंडी में तेज रफ्तार बाइक सवार ने हाईवे पर पैदल युवक को जोरदार टक्कर मार दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार भी गिरकर घायल हो गया। चकरपुर मंडी निवासी सुरेश कुमार राजमिस्त्री का काम करते थे। बड़े बेटे निखिल ने बताया कि इस समय पिता पीएसआईटी में निर्माण कार्य में लगे थे। सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे काम खत्म कर पैदल घर लौट रहे थे, तभी चकरपुर मंडी के सामने हाईवे पर तेज गति बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। पिता की मौके पर ही मौत हो गई।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! pnb punjab national bank ...the name you can BANK upon!

तनावग्रस्त अस्तियां प्रबन्धन, मण्डल कार्यालय : लखनऊ
विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ–226010

वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम–2002(सरफेसी एक्ट 2002) धारा 13(2) के अन्तर्गत मांग नोटिस

आप सभी निम्नलिखित पार्टियों को एतदद्वारा अधोहस्ताक्षरी सूचित करता है कि आप सभी के खिलाफ बैंक ने वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के अन्तर्गत कारवाई प्रारम्भ करते हुए एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत आप सभी को अलग–अलग रजिस्ट्रर पोस्ट द्वारा नीचे वार्णित तिथियों को नोटिस भेजी गई थी जोकि बगैर तामील हुए वापस आ गई है। इसलिए आप सभी को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के 60 दिन के अन्दर आप संयुक्त/पृथक रूप से बकाया राशि अदा कर दें अन्यथा बैंक इस एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत निम्नलिखित सम्पत्तियों के प्रति बकाया राशि मय ब्याज व एक्ट के अन्तर्गत अपेक्षित लागत की वसूली के लिए कार्यवाही शुरू कर देगा। यह कहना आवश्यक नही है कि बैंक के पास और कोई उपाय न होने के कारण यह सूचना बगैर किसी पूर्वाग्रह के जारी की जा रही है। ऋणियों, जमानतकर्ताओं, बन्धककर्ताओं तथा जनसाधारण को आगाह किया जाता है कि निम्नलिखित सम्पत्तियों के प्रति कोई संव्यवहार न करें और इन सम्पत्तियों के प्रति किये गये संव्यवहार पर यदि कोई कार्य होता है, तो ब्याज सहित बैंक की बकाया राशि हेतु पहला अधिकार पंजाब नैशनल बैंक का होगा।

खाता/उधारकर्ता /जमानतकर्ता का नाम एवं पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	नोटिस की धनराशि (रू.
उधारकर्ता/जमानतकर्ता–श्री आशुतोष कुमार मिश्रा पुत्र अशोक कुमार मिश्रा, निवासी मकान नंबर बी–269/2 राजाजीपुरम लखनऊ 226017 **अशोक कुमार मिश्रा पुत्र स्वर्गीय श्री माता प्रसाद मिश्रा निवासी** मकान नंबर बी–269/2 राजाजीपुरम लखनऊ 226017 खाता नंबर **09716011000861** शाखा: **(097110)**–हैवतमऊ	संपत्ति मकान नंबर बी–269/2, स्थित राजाजीपुरम, लखनऊ 226017 जोकि अशोक कुमार मिश्रा पुत्र स्वर्गीय श्री माता प्रसाद मिश्रा के नाम पर है। **क्षेत्रफल 49.30 वर्ग मीटर । चौहददी (डीड के अनुसार):** पूर्वः प्लाट, पश्चिमः सड़क, उत्तरः बी 269/3, दक्षिणः बी 269/1	29.12.2025	दि. **30.11.2025** को रू. **9,23,831.63** +सहित ब्याज दिनांक **01-12-2025** से प्रभावी एवं अन्य खर्चे

आप को सलाह दी जाती है। कि – (1) मूल नोटिस/लिफाफा जो आपको सम्बोधित है तथा डाक अधिकारियों द्वारा वापस की गई है, को शाखा से प्राप्त कर लें एवं (2) सरफेसी एक्ट 2002 के अन्तर्गत कार्यवाही से बचने के लिए नोटिस जारी होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर सम्पूर्ण बकाया धनराशि ब्याज एवं अन्य खर्चे सहित का भुगतान कर दें ।

दिनांक 14.01.2026 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी

कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं, शिक्षिकाएं और विशिष्टजन। ● अमृत विचार

महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह व विवेकानंद हमारे पथ प्रदर्शक : राकेश

लखनऊ, अमृत विचार : स्वामी विवेकानंद की जयंती पर वसुंधरा फाउंडेशन द्वारा राजकीय बालिका इंटर कालेज गोमतीनगर में 'गांधी–बोस–भगत–विवेकानंद : हमारे पथ प्रदर्शक' विषय पर निबंध प्रतियोगिता व व्याख्यानमाला आयोजित की गयी। प्रवक्ता मंजरी द्विवेदी के निर्देशन में हुई प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किये। निबंध में सिया पांडे, प्राची, दिव्यांशी आदि विजेता रहीं। वसुंधरा फाउंडेशन के रमाकांत श्रीवास्तव ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। संयोजक राकेश श्रीवास्तव ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय की प्रधानाचार्या नितााशा सिन्हा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

बीमा कंपनी का प्रतिनिधि बता 6.53 लाख ठगे

कानपुर, अमृत विचार : बजरिया में साइबर ठगों ने खुद को बीमा कंपनी का प्रतिनिधि बताकर महिला से 6.53 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़िता ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रामबाग की रहने वाली रेखा पांडेय के अनुसार साइबर शातिर ने खुद को एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस का अधिकृत प्रतिनिधि बताकर उनके संपर्क किया। कॉल करके उनके बारे में जानकारी ली और बीमा पॉलिसी के बारे में बताया। विश्वास में लेकर और बहाने से उनसे धनराशि ट्रांसफर करा ली। महिला के अनुसार पहिले 50 हजार, ई-इंश्योरेंस अकाउंट खोलने के नाम पर 56 हजार, टैक्स चार्ज के नाम पर 2.05 लाख की मांग की गई। एनओसी बनवाने के नाम पर 70,940 और 70,705 रुपये लिए गए।

गैंगरेप पीड़िता के भाई को दी गयी धमकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेंडी में गैंगरेप पीड़िता के भाई को व्हाट्सएप भेजकर धमकाने वाले को क्राइम ब्रॉच ने सीतापुर से दबोच लिया। सर्विलांस की मदद से क्राइम ब्रांच ने आरोपी अमित त्रिवेदी को पकड़ा और शहर ले आई। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि उसका आरोपी दरोगा अमित मौर्या से क्या संबंध है। पुलिस ने पीड़िता के भाई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सचेंडी इलाके की रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी को बीते सप्ताह स्कार्पियो से अगवा कर गैंगरेप किया गया था। यूट्यूबर शिवबरन व दरोगा अमित मौर्या पर आरोप लगा था। पुलिस कमिश्नर की सख्ती पर एक दिन बाद नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जिसमें पुलिस शिवबरन को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि आरोपी दरोगा फरार है। उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया है। उसकी तलाश जारी है। बीते सोमवार को पीड़िता के भाई के मोबाइल नंबर पर एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप संदेश आया, जिसमें दरोगा को शरीफ बताते हुए कई तरह की धमकी दी गईं। धमकाने वाले की प्रोफाइल में छोटू कुशवाहा लिखा था। पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस हरकत में आई। क्राइम ब्रांच ने सर्विलांस की मदद से मोबाइल नंबर का पता लगाया और सीतापुर तलगांव के अमित त्रिवेदी को हिरासत में लिया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सण्डीला हरदोई

पत्रांक 1098/न0पा0/नि0वि0/रा0वि0आ0/2025–26 दिनांक 12.01.2026

ई–टेण्डरिंग–निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद सण्डीला द्वारा वर्ष 2026–26 में राज्यवित्त आयोग के अधीन प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित विवरण के अनुसार ई–टेण्डरिंग के माध्यम से शासनादेश संख्या–3890/नौ–5–19–149सा/2019 नगर विकास अनुभाग–5 लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर 2019 का अनुपालन करते हुये आनलाइन निविदाएं https//etender.up.nic.in पर दिनाक 13.01.2026 को प्रातः 11:00 बजे से 13.02.2026 को सायं 5:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। कार्यो की निविदा के अपलोड किये गये समस्त अभिलेख की प्रतियां निविदा के साथ 10% धरोहर धनराशि की रा0व0पत्र अथवा एफ0डी0आर0 (राष्ट्रीयकृत बैंक) अधिशासी अधिकारी के पदनाम बन्धक कराकर दिनांक 13.02.2026 से पूर्व कार्यालय में मूल एफ0डी0आर0 बन्द लिफाफा में जमा करना अनिवार्य होगा।

टेण्डर शिड्यूल (www.etender.up.nic.in)

S. No.	नगर पालिका परिषद सण्डीला/ ANN Stage	Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
1.	Tender Release	-	13.01.2026, 11AM	-
2.		Tender Download	13.01.2026, 11AM	13.02.2026, 05PM
3.	Close for Bid		13.02.2026, 05PM	-
4.	Technical Bid Opening		16.02.2026, 12AM	-
5.	Finance Bid Opening	After Approval of Technical Bid		

अन्य शर्ते कार्य विवरण ई–टेण्डर वेबसाइड https//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती हैं।

(अनरुद्ध कुमार) अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सण्डीला

(मो0 रईस अन्सारी) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सण्डीला

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने बालिकाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत थाना डुमरियागंज पुलिस द्वारा शक्ति दीदी, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालंबन, मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर आदि के बारे में पम्पलेट वितरित कर जागरुक किया गया। प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र डुमरियागंज ग्राम रमवापुर (नेबुआ) में बच्चियों और बच्चों को एकत्रित कर चौपाल लगाकर जानकारी दी गई।

विराट किसान मेले का आयोजन 19 से

कुशीनगर : जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि कृषि उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य से कृषि प्रसार, कृषि निवेश एवं तकनीकी प्रबंधन योजना के अंतर्गत संचालित कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2025–26 में जनपद कुशीनगर में 4 दिवसीय विराट किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है। विराट किसान मेला का आयोजन 19 से 22 जनवरी तक ब्लॉक संसाधन केंद्र, पडरौना में किया जाएगा।

दो दिवसीय महा दंगल के आयोजन की तैयारी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मीनी अमावस्या पर राप्ती नदी तट पर लगने वाले ऐतिहासिक मेले में परंपरागत राम–राम कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। आगामी 17 व 18 जनवरी को आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय दंगल में देश–विदेश के नामी पहलवान भाग लेंगे। तैयारियों को लेकर शाहपुर स्थित हिन्दू भवन में धर्म रक्षा मंच एवं राम–राम दंगल आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई।

आईआईटी बीएचयू में 'आकाशगंगा क्लाउड' डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च

प्रतापगढ़, अमृत विचार। वाराणसी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी बीएचयू) ने शोध और वैज्ञानिक प्रगति को नई गति देने के उद्देश्य से सोमवार को "आकाशगंगा क्लाउड" डिजिटल वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। यह अत्याधुनिक क्लाउड प्लेटफॉर्म आईआईटी बीएचयू के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट्स को मजबूत डिजिटल आधार प्रदान करना है। इस पहल से संस्थान के प्रोफेसरों और छात्रों को सुरक्षित, स्केलेबल और आधुनिक क्लाउड संसाधनों तक आसान पहुंच मिल सकेगी।

आकाशगंगा क्लाउड को अमेज़न वेब सर्विसेज (AWS), साइनक्रोन और अमेरिका स्थित आईआईटी बीएचयू एलुमनी फाउंडेशन के सहयोग से विकसित किया गया है। यह प्लेटफॉर्म कई वर्षों तक उपयोग में लाया जाएगा और इसमें एडब्ल्यूएस की सुरक्षित, टिकाऊ और उच्च क्षमता वाली क्लाउड सेवाओं का उपयोग किया जाएगा। इसके माध्यम से संस्थान का शोध डेटा सुरक्षित रहेगा और बड़े स्तर पर चल रहे समाज-विज्ञान एवं तकनीकी परियोजनाओं को नवाचार से लेकर बाजार तक पहुंचाने में डिजिटल सपोर्ट मिलेगा। इस अवसर पर आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रोफेसर अमित पात्रा ने कहा कि आकाशगंगा क्लाउड एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो छात्रों और संकाय सदस्यों को हाईटेक क्लाउड संसाधनों तक सहज पहुंच प्रदान करेगा।

संवाद कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं से वार्ता करतीं आकांक्षा समिति की अध्यक्ष।

महिलाओं को स्वास्थ्य व योजनाओं की दी जाए जानकारी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद के विकास खण्ड मिठवल के ग्राम पंचायत करही में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गठित उड़ान संकुल संघ (सीएलएफ) के सदस्यों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में निशा सिंह पत्नी मण्डायुक्त बस्ती मण्डल आकांक्षा समिति की अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि तनुषा पत्नी जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर अध्यक्ष जिला आकांक्षा समिति उपस्थित रहीं। इस अवसर विभिन्न ग्राम पंचायत की महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यो ने प्रतिभाग किया। तथा समूह सदस्य सीमा, मंजू, सोनमती इत्यादि ने अपनी कहानी अपनी जुबानी से समूह के माध्यम से हुये विकास की गाथा सुनाई। अध्यक्ष जिला आकांक्षा समिति तनुषा ने कहा कि समूह की बैठकों में स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाय। जिससे महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहकर अपने कार्य को कुशलता के साथ कर सकें।

कीटनाशक दुकानों पर छापेमारी कर जांच के लिए भरे गए सैंपल

जिला संवाददाता, संत कबीर नगर

अमृत विचार। कीटनाशक एवं खरपतवारनाशक दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने मंगलवार को सघन छापेमारी अभियान चलाया। इसमें कृषि विभाग एवं मजिस्ट्रेट की संयुक्त तीन टीमों ने तहसीलवार कार्रवाई की। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 36 दुकानों की जांच कर 14 कीटनाशकों के नमूने लिए जबकि, दो खाद की दुकानों के अभिलेख अपूर्ण मिलने पर नोटिस जारी किया गया।

जिला कृषि अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार यादव ने बताया कि अभियान के दौरान तहसील धनघटा में 15 दुकानों का निरीक्षण कर 3 कीटनाशक दवाओं के नमूने लिए गए। तहसील खलीलाबाद में 11 दुकानों की जांच कर 9 नमूने तथा तहसील मेहदावल में 10 दुकानों का निरीक्षण करते हुए 2 नमूने संग्रहित किए गए। निरीक्षण के दौरान अभिलेख अपूर्ण पाए जाने पर किसान बीज भंडार, नौआगांव एवं मौर्य बीज भंडार, बाघनगर को नोटिस जारी किया गया।

चेयरमैन ने ईओ पर लगाए आरोप

विकास कार्यों में अनियमिता व मनमानी, डीएम को दिया शिकायती पत्र

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। नगर पंचायत बढ़नी के चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने ईओ अजय कुमार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को जिलाधिकारी को दिये शिकायती पत्र में उन्होंने विकास कार्यों में अनियमितता की अनदेखी समेत ईओ पर कई गम्भीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने ईओ अजय कुमार पर स्वयं उनकी भी अनदेखी करने का आरोप लगाया है। इससे पहले एडीएम को दिये पत्र में समस्याओं का निदान न होने पर उनके द्वारा नगर पंचायत के कार्यों का बहिष्कार करने की घोषणा की गई थी। चेयरमैन ने बताया कि पूर्व जिलाधिकारी द्वारा नगर पंचायत बढ़नी के सम्पत्ति का ब्यौरा मांगा गया था। इसके बाद उनके द्वारा मौखिक एवं लिखित रूप से अपर एवं उपजिलाधिकारी तथा अधिशासी अधिकारी को बार-बार निवेदन किया गया कि जो भी सम्पत्ति है, उसको चिह्नित करके उपलब्ध करायें, ताकि शासन के मंशानुरूप विकास कार्य हो सकें। सभासदों द्वारा एवं जनता द्वारा कई बार अधिशासी अधिकारी अजय कुमार को मौखिक एवं लिखित रूप से विभिन्न वार्डों में अतिक्रमण को लेकर अवगत कराया गया। इस अतिक्रमण को लेकर उनके द्वारा भी लिखित एवं मौखिक रूप से कई बार लगभग डेढ़ वर्षों से अधिशासी अधिकारी को अवगत कराया गया, परन्तु उन पर कोई भी असर नहीं हो रहा है। उनके द्वारा लिखित एवं मौखिक रूप से ईओ, एसडीएम शोहरतगढ़ एवं एडीएम से बार-बार पत्र व्यवहार एवं मौखिक रूप से निवेदन किये जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। एडीएम सिद्धार्थनगर गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में मिले शिकायती पत्र के आधार पर ईओ बढ़नी एवं एसडीएम शोहरतगढ़ से जांच रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

ईओ के खिलाफ डीएम को शिकायती पत्र देते चेयरमैन सुनील अग्रहरि।

यातायात पुलिस ने जागरूकता रैली निकाली

संतकबीरनगर, अमृत विचार। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जनपद में यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों और आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली बैंक चौराहे से मेंहदावल बाईपास तक आयोजित की गई, जिसमें दुर्घटनाओं को रोकने और वाहन चालकों की जीवन रक्षा के संदेश दिए गए।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन नोटिस सं.-LJN-PRKG-02-26

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई-ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है–

क्र.सं. : 1, लॉट सं. : PARKING-LJN-GKP-MX-149-25-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण :** गोरखपुर के ललित नारायण मिश्र रेलवे हॉस्पिटल स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. : 2, लॉट सं. :** PARKING-LJN-GKP-PR-147-25-1 (Parking-Premium), **कार्य का विवरण :** महायोगी गोरखनाथ एयरपोर्ट, गोरखपुर के समीप इलेक्ट्रिक लोको शेड में स्थित प्रीमियम पार्किंग (दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु।

• निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आईआरईपीएस पोर्टल पर दिए गए तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारंभ एवं बन्द होंगी। • सभी लॉट के लिए ई-ऑक्शन दि.- **22.01.2026, 14:00 बजे** प्रारंभ होकर **22.01.2026, 14:40 बजे** बंद होगी। • इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। • अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। • विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

मुजाधि/वाणिज्य-231

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

डॉ. मधुकर को बनारस में मिला अवार्ड

कुशीनगर, अमृत विचार : बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में "बनारस फीजियो कानक्लेव" का आयोजन हुआ। जिसके मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य चिकित्सा मंत्री ब्रजेश पाठक रहे। बनारस फिजियो एशोसिएशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुशीनगर के हाटा निवासी फीजियोथेरेपिस्ट डॉ मधुकर पाण्डेय को सस्टेंड कंट्रीब्यूशन टू फिजियोथेरेपी अवार्ड–2026 से नवाजा गया। इस मौके पर कॉन्फ्रेंस में मुंबई से डॉ. अली ईरानी, दिल्ली से डॉ. सूरज यादव, लखनऊ से डॉ. बृजेश त्रिपाठी, गोरखपुर से डॉ. संतोष पाण्डेय, डॉ. दीपू रॉय, डॉ. मनीष रॉय भी उपस्थित रहे। सम्मान से परिजनों सहित क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

डॉ. मधुकर को सम्मान देते एशोसिएशन के पदाधिकारी।

एथलेटिक्स, फुटबॉल व बैडमिंटन प्रतियोगिता शामिल करने की मांग

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला ओलंपिक संघ ने आगामी सिद्धार्थनगर महोत्सव के दौरान आयोजित की जा रही खेल प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, फुटबॉल और बैडमिंटन को भी शामिल किए जाने की मांग की है। इस संबंध में संघ के जिलाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव की ओर से जिलाधिकारी एवं कपिलवस्तु महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष को पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है। जनपद स्थापना दिवस के पर 28 जनवरी से 1 फरवरी तक सिद्धार्थनगर महोत्सव आयोजित किया जाना है।

चार कर्मियों को संरक्षा के क्षेत्र में पुरस्कार

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष में मंगलवार को संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य सम्पादन के लिए चार कर्मचारियों को 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में लखनऊ मंडल के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट पद पर कार्यरत राघवेन्द्र सिंह एवं विक्रम सिंह, वाराणसी मंडल के तरयासुजान स्टेशन पर टैक मेंटेनर के पद पर कार्यरत विपिन पाल और इज्जतनगर मंडल के बरेली सिटी स्टेशन पर गाड़ी प्रबन्धक/माल के पद पर कार्यरत रामवीर हैं। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

पुरी, कोलकाता और गंगासागर यात्रा करने का सुनहरा मौका

गोरखपुर, अमृत विचार। भारतीय रेल पर थीम आधारित पर्यटक टेनों का संचालन किया जा रहा है। भारत गौरव टेनें भारतीय रेल की टूरिस्ट सर्किट टेनें हैं, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर नगरों के दर्शन कराती हैं। भारत गौरव टेनों के संचलन से पयर्टन को बढ़ावा मिल रहा है। भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम आईआरसीटीसी) द्वारा 5 से 14 फरवरी तक 09 रात एवं 10 दिन के लिए श्रद्धालुओं एवं अन्य पर्यटकों के लिये आगरा कैंट स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा गया, पुरी जगन्नाथ, कोणार्क मंदिर, कोलकाता, गंगासागर, बैद्यनाथ धाम, वाराणसी, अयोध्या की यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इस ट्रेन में श्रेणी के अनुसार कुल बर्थो की सं. 767 है, जिसमें वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में कुल 49 सीटें, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में कुल 70 सीटें एवं शयनयान श्रेणी में कुल 648 सीटें उपलब्ध हैं। यात्रियों के चढ़ने–उतरने के लिये आगरा कैंट, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, बनारस स्टेशन निर्धारित किये गये हैं। यात्रा की बुकिंग के लिए पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है।

गाड़ियों के टर्मिनल में किया गया परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता के लिए गाड़ियों के टर्मिनल में परिवर्तन किया जायेगा। 22177 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल–वाराणसी जं. एक्सप्रेस के टर्मिनल में परिवर्तन किया गया है।फलस्वरूप यह गाड़ी 20 मार्च से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से 00.15 बजे प्रस्थान कर निर्धारित स्टेशनों पर पूर्व समयानुसार रूकते हुए दूसरे दिन वाराणसी जं के स्थान पर बनारस 03.45 बजे पहुंचेगी। 22178 वाराणसी जं.–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस के टर्मिनल में परिवर्तन किया गया है। फलस्वरूप यह गाड़ी 21 मार्च से वाराणसी जं. के स्थान पर बनारस से 09:45 बजे प्रस्थान कर निर्धारित स्टेशनों पर पूर्व समयानुसार रूकते हुए दूसरे दिन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल 11.40 बजे पहुंचेगी। इसके अलावा रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से बनारस एवं प्रयागराज रामबाग से 13 जनवरी को चलने वाली 05109/05110 बनारस–प्रयागराज रामबाग–बनारस अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन निरस्त कर दिया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय पर न्यायिक प्रकरणों की समीक्षा बैठक का आयोजन

नई दिल्ली, अमृत विचार। उत्तर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय जयपुर में बुधवार को लंबित न्यायिक प्रकरणो की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि समीक्षा बैठक के दौरान अपर महाप्रबंधक अशोक माहेश्वरी द्वारा लंबित प्रकरणो की संख्या अधिक होने पर चिंता व्यक्त करते हुऐ इनमें कमी लाये जाने पर जोर दिया। श्री माहेश्वरी ने लंबित अवमानना एवं अनुपालना प्रकरणो की संख्या में कमी होने पर संतोष व्यक्त करते हुए लंबित सभी प्रकरणो का निस्तारण एक तय सीमा में किये जाने हेतु निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा न्यायिक प्रकरणों का डेटा बेस निरन्तर अपडेट करने पर बल दिया ताकि समय–समय पर न्यायिक प्रकरणो की समीक्षा प्रभावी रूप से की जा सके।

कार्यालय निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

पत्र सं0– /बकरा, चूहा आदि निविदा सूचना (25–26)/लखनऊ, दिनांकः जनवरी, 2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ में मांसाहारी वन्य जीवों के आहार हेतु बकरे के गोश्त, मुर्गे के गोश्त तथा खरगोश, चूहा, गिनीपिग (वांछित) आदि की दैनिक आपूर्ति हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता दिनांक 16.01.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 23.01.2026 को प्रातः 10:00 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर निविदा प्रपत्र ऑनलाइन भर सकते है। निविदादाता को ई–निविदा में भाग लेने हेतु ई–निविदा का शुल्क रू0 6,104/– (18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित) का डिमाण्ड ड्राफ्ट तथा अर्नेस्ट मनी के रूप में रू0 34,500/– का एफ0डी0आर0 जो निदेशक, प्रिन्स आफ वेल्स जुलोजिकल गार्डेन्स ट्रस्ट, लखनऊ के नाम निरूपित हो, के रूप में एक लिफाफे में सील कर दिनांक 23.01.2026 तक सांय 05:00 बजे तक निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के कार्यालय में देना अनिवार्य है। निविदा दिनांक 24.01.2026 को अपराह्न 12:00 बजे निदेशक कार्यालय में निविदा समिति द्वारा आनलाइन विधि से खोली जायेगी।

किसी एक अथवा समस्त निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ को होगा।

(अदिति शर्मा)
निदेशक,
नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

UP-243861 दिनांक 12.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांक :– 82/98काम–गो0वृ0/25–26 दिनांक 06.01.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्षाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

क्र0 सं0	जनपद/खण्ड/विधान साभ का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
		विधानसभा क्षेत्र–कटराबाजार					
1	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	पूरे बहोरी का मजरा मदरहा सम्पर्क मार्ग	60.96	5.10	2600.00	3 माह	ए,बी,सी
2	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	पूरे बहोरी का मजरा मुरावनपुरवा सम्पर्क मार्ग।	86.63	6.35	2600.00	3 माह	ए,बी
3	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	रायपुर फकीर का मजरा बढ़ईपुरवा सम्पर्क मार्ग।	98.08	6.92	2600.00	3 माह	ए,बी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 15.01.2026 से 29.01.2026 तक दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 29.01.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 29.01.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 29.01.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, गोण्डा

(योगेन्द्र सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

UP-243827 दिनांक 12.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **मानसी सोनकर उर्फ आयशा पुत्री लोकई सोनकर, निवासिनी कान्दभारी थाना कोत0 नगर जनपद– बलरामपुर** दिनांक 15–06–2018 से सराफत उल्ला पुत्र नकीबुल्ला निवासी ग्राम बंजरहा, थाना श्रीदत्तगंज जनपद बलरामपुर लिव एण्ड रिलेशनसिप में साथ–साथ रहते थे दोनो से एक बच्चा ईसान पैदा हुआ जो मानसी सोनकर के साथ रहता है दोनो के आपसी सहमति से ईसान मानसी सोनकर के साथ रहेगा और दिनांक 05–12–2625 की यह लिव एण्ड रिलेशनशिप राजी खुशी से समाप्त किया जाता है मानसी सोनकर ने राजी खुशी से यह शपथ–पत्र के माध्यम से रिश्ता समाप्त कर सक्षम अधिकारी व पेपर गजट के माध्यम से सूचना प्रकाशित कर दिया जो सर्व मान्य है।

सूचना
सूचित किया जाता है कि हाईस्कूल का परीक्षा वर्ष 1994 अनुक्रमांक 1561161 की मार्कशीट एवं प्रमाण पत्र 8 जनवरी 2026 को शीशी चौराहे और औरास के बीच कहीं खो गया है। **सुधाकर तिवारी पुत्र रामकिशोर तिवारी निवासी मोहल्ला बरुवाटोला (अटलनगर) नगर पंचायत औरास जनपद उन्नाव**

सूचना
मेरे शैक्षिक अभिलेख में मेरी माता जी का नाम मन्जू तथा सरिता दर्ज है। जोकि दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है जो सही नहीं है। सही नाम मन्जू देवी है। **हिमांशी यादव पुत्री सतेन्द्र कुमार निवासी – ग्रा0 परसुआ पो0 भैदपुर थाना–'विधूना जिला औरैया।**

सूचना
सूचित किया जाता है कि हाईस्कूल अंकतालिका में मेरा नाम छाया गुप्ता पुत्री भगवान दास गुप्ता दर्ज है, शादी के बाद आधार, पेन कार्ड आदि अभिलेख में मेरा नाम छाया पत्नी विष्णु पोरवाल दर्ज है। अतएव छाया गुप्ता व छाया एक ही नाम है। भविष्य में मुझे छाया के नाम से जाना जाए। छाया पत्नी विष्णु पोरवाल निवासी 38 नेविलगंज कस्बा भरथना इटावा

सूचना
मैं MOHAMMAD SHAMEEM पुत्र श्री शमसीर, निवासी–15, मीरानपुर बभनपुरा, पो0–इल्फिातगंज, अम्बेडकर नगर, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MOHD SHAMEEM रख लिया है, अतः आज से मुझे MOHD SHAMEEM के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना
मैने अपना नाम मोहम्मद मोबीन से बदलकर मोबीन अहमद कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। **मोबीन अहमद पुत्र अख्तर अली निवासी – खीदास नगर पोनी रोड शुक्लागंज गंगा गंज सफीपुर उन्नाव**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम BINDA PRASAD MISHRA से BINDA PRASAD कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। BINDA PRASAD 26 GANGA KHEDA KESRI KHEDA MANAKNAGAR LUCKNOW

सूचना
मैं राम इन्दर सिंह नाम गलत है। DOB 19.07.1978 गलत है मे सही नाम राबेन्द्र सिंह कुशवाहा पुत्र कालीचरण है। DoB 01.07.1984 सही है निवासी– ए.59 बापू पार्क कोटला मुबारकपुर लोधी रोड मध्य दिल्ली 110003 पिनकोड है

NOTICE
I, Brahm Dutt Yadav S/o Ram Pratap Yadav R/o 332/19, Narpat Nagar, Jarauli phase-1, Barra, Kanpur Nagar U.P. I have changed my name to Bramh Dutt Yadav for all future purposes.

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम LALIT KUMAR MISHRA से LALIT कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। LALIT 26, Ganga kheda Kesri kheda Manak Nagar Lueknow

सूचना
मैं **शुभी सिंह पुत्री निर्भय चन्द्र सिंह नि0 ग्राम झाबर हरदो पट्टी पोस्ट बेहटा कला, लालगंज रायबरेली** की निवासिनी हूं। मेरा इंटर वर्ष 2023 रोल नंबर 237427 76 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

NOTICE
I, Nita J Mishra, R/o 406, A Block, Laplace, Hazaratganj, Lucknow, declare that my name in High School Marksheet is Mishra Nitakumari Janardan, while in Aadhaar & PAN it is Nita J Mishra. Henceforth, I shall be known as Nita J Mishra for all purposes.

सूचना
पहले मेरा नाम SANTOSH KUMAR था अब अपना नाम बदलकर SANTOSH KUMAR VERMA रख लिया हूँ इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। SANTOSH KUMAR VERMA S/0-HIRA LAL चौक स्टेशन रोड जिला–बलिया (उ0प्र0)

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम MOHAMMAD USMAN S/O RAMZAN ALI था जो दिनांक 10/12/2025 को मैने अपना नाम बदलकर USMAN ALI S/O RAMZAN ALI रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। पता मोहल्ला बड़ीहाट थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच, यूपी।

सूचना
मैं **अंकिता द्विवेदी पत्नी श्री अभिषेक द्विवेदी निवासिनी – 4/624 विजयंतखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ** की हूँ मैने अपना नाम अंकिता तिवारी रख लिया है। भविष्य में मुझे अंकिता तिवारी के नाम से ही जाना पहचाना जाये ।

सूचना
पहले मेरा नाम नाम वजीहा खातून (VAJIHA KHATOON) था अब मैं अपना नाम बदलकर वजीहा बतूल (WAJEEHA BUTOOL) रख रही हूँ, अतः भविष्य में मुझे वजीहा बतूल (WAJEEHA BUTOOL) नाम से जाना व पहचाना जाय । D/O DILDAR HUSAIN KHAN R/O VILL TURABKHANI, GORABARIK POST - GORABARIK THANA - KOTWALI NAGAR DIST- SULTANPUR (U.P.) 228001

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपना नाम मो जुबेर (MOHd JUBAIR) से बदल कर मो जुबैर (MOHDZ UBAIR) कर लिया हू । मुझे अब से मो जुबैर (MOHDZ UBAIR) पुत्र अब्दुल्ला नि, ग्राम हॉसिल पुरवा, थाना विशेश्वरगंज – जिला बहराईच के नाम व पते से जाना व पहचाना जाये।–मो जुबैर पुत्र अब्दुल्ला नि . ग्राम हॉसिल पुरवा, थाना विशेश्वरगंज जिला बहराईच

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 22 मार्च सन 1995 का बैनामा की मूल कापी जो मैने इंद्रदेव पुत्र रामवृक्ष से बैनामा लिया था और इंद्रदेव ने दीनानाथ गुप्ता पुत्र आनंत प्रसाद गुप्ता से बैनामा लिया था, जिसकी मूल कापी घर से मिहीपुरवा बाजार जाते समय दिनांक 7 जनवरी 2026 को वास्तव में कहीं खो गई है।
सूचनार्थ- विनीता देवी पत्नी विजय कुमार निवासी मिहीपुरवा थाना मोतीपुर जनपद बहराइच मोबाइल :– 9454814858

सूचना
सूचित हो कि मैं Kafeel Ahmed पुत्र Late Jameel Ahmed निवासीः–टिकवामऊ, पोस्ट – पूरे डलई, बाराबंकी का हूँ, मैंने अपना नाम Kafeel Ahmed Siddiqui से बदलकर Kafeel Ahmed रख लिया हैं, मेरे स्व. पिता व माता जी के नाम में भी Siddiqui नहीं लगा हैं । मेरे सारे दस्तावेजों में Kafeel Ahmed S/o- Jameel Ahmed व माता का नाम Ummathul Nisha दर्ज हैं, जो सही हैं, अतः मुझे Kafeel Ahmed के नाम से जाना व पहचाना जाये।

नीलामी सूचना
दिनाँक 19–01–2026 प्रातः 10.30 बजे सेना चिकित्सा कोर (अभिलेख कार्यालय जी0जी0एस0 मार्ग), लखनऊ में पब्लिक ग्रान्ट एवं रेजीमेन्टल स्टोर्स के निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों की नीलामी, सिक्योरिटी रु0–10,0000/ –नकद जी.एस.टी. पंजीकरण, आधार, पैनकार्ड के साथ जमा होगी।
आई0पी0 सिंह एण्ड सन्स – मो0– 9919503110,

आयोजन — स्व. अवधकिशोर सिंह स्मारक क्रिकेट प्रतियोगिता

उद्घाटन मैच में लखनऊ ने रामकोला को हराया

कुशीनगर(कसया), अमृत विचार। कसया तहसील क्षेत्र के साखोपार स्थित इंटर कॉलेज के मैदान पर 18वीं स्व. अवधकिशोर सिंह स्मारक क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला लखनऊ और रामकोला की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें लखनऊ की टीम विजेता रही।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ की टीम ने निर्धारित ओवरों में 158 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रामकोला की टीम 121 रन पर सिमट गई। इस प्रकार लखनऊ की टीम ने 37 रन से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का शानदार आगाज किया। अंपायर की भूमिका संजय सिंह व प्रिसू सिंह ने निभाई। जबकि स्कोरर हर्ष प्रताप सिंह व कमेंटेटर कुंदन सिंह रहे। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुशीनगर के पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि कुशीनगर नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजक राजीव प्रताप सिंह ने बताया कि स्व. अवधकिशोर सिंह को क्रिकेट से विशेष लगाव था। उन्हीं की स्मृति में विगत 18 वर्ष से उनकी पुण्यतिथि पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर सभासद विनय राव, सुनील राव, संतोष सिंह, अवधेश सिंह, विनय पाण्डेय, ओमप्रकाश सिंह, बलवंत सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, अमन प्रताप सिंह एवं प्रेमप्रकाश तिवारी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

उद्घाटन मैच के पूर्व स्व.अवध किशोर सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय।

नेशनल ब्रीफ

करूर भगदड़ मामले में विजय दूसरे दौर की पूछताछ के लिए तलब

नई दिल्ली। सीबीआई ने अभिनेता से राजनेता बने तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक अध्यक्ष विजय को करूर भगदड़ मामले में पूछताछ के दूसरे दौर के लिए फिर बुलाया है। अधिकारियों ने बताया कि यह पूछताछ 19 जनवरी को होगी। विजय से पहले 12 जनवरी को दिल्ली में सीबीआई मुख्यालय में लगभग सात घंटे तक पूछताछ की गई थी। जांच 27 सितंबर, 2025 को करूर में एक सार्वजनिक रैली में हुई जानलेवा भगदड़ पर केंद्रित है, जिसमें 41 लोग मारे गये थे और 100 घायल हुए थे। जांचकर्ता इस मामले में भीड़ प्रबंधन में देरी और कथित कमियों की जांच कर रहे हैं। कार्यक्रम के निर्धारित समय और विजय के आने के बीच कथित सात घंटे का अंतर जांच का एक मुख्य बिंदु रहा है। सीबीआई जांच कर रही है कि क्या इस देरी के कारण भीड़भाड़ और उसके बाद अराजकता हुई।

आयुर्वेद शिक्षण संस्थानों की मान्यता के लिए नया पोर्टल शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 'आयुर्वेद गुरुकुलम् पोर्टल' की मंगलवार को शुरुआत की, जिसके जरिए देशभर के आयुर्वेद शिक्षण संस्थान मान्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग की अध्यक्ष डॉ. मनीषा कोठेकर ने संयुक्त रूप से पोर्टल की शुरुआत की। इसी के साथ दोनों ने आयुर्वेद गुरुकुलों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देशों को भी जारी किया। कहा गया कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय इस पोर्टल की नोडल एजेंसी रूप में कार्य करेगा और देशभर की संस्थाएं आयुर्वेद गुरुकुलम् के लिए इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी।

दिल्ली के तुर्कमान गेट हिंसा मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पिछले सप्ताह तुर्कमान गेट पर हुई पथराव की घटना के सिलसिले में मंगलवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया और इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 20 हो गई है। पुलिस ने बताया कि हिंसा भड़काने में भूमिका निभाने वाले सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर्स' को गिरफ्तार करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि तुर्कमान गेट क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक कर्मियों को तैनात किया गया है।

रेल किराए की गणना का तरीका हमारा व्यापारिक रहस्य, नहीं कर सकते सार्वजनिक

रेलवे ने केंद्रीय सूचना आयोग के नोटिस के जवाब में दिया व्यावसायिक गोपनीयता का हवाला, खारिज की गई आरटीआई के तहत दायर अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

• परिजन ने गला दबाकर हत्या करने का लगाया आरोप

भारतीय रेलवे ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) को अपनी किराए की गणना की पद्धति की जानकारी देने से यह कहकर इन्कार कर दिया कि यह पद्धति उसका व्यापारिक रहस्य है जो व्यावसायिक गोपनीयता के दायरे में आती है, इसलिए इसे सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सीआईसी की ओर से इस संबंध में दायर एक आरटीआई अपील खारिज किए जाने के दौरान रेलवे की ओर से दिया गया यह तर्क सामने आया है।

आरटीआई आवेदन के जरिए ट्रेन टिकटों और विशिष्ट सेवा पश्चिम सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए मांग आधारित किराया निर्धारण और तत्काल बुकिंग के प्रभाव सहित आधार किराया (बेस फेयर) गणना प्रणाली पर विस्तृत जानकारी मांगी गई थी। जवाब में, रेलवे बोर्ड ने कहा कि किराया श्रेणी-आधारित है और विभिन्न श्रेणियों में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के कारण इसमें अंतर आता है। उसने इसके साथ यह भी तर्क दिया कि विभिन्न श्रेणियों के किराया निर्धारण के वर्गीकरण और पद्धति के संबंध में उसकी नीति व्यापार रहस्य/बौद्धिक संपदा अधिकारों के दायरे में आता है और आरटीआई अधिनियम की धारा 8 के तहत इसे सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त है।

सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8 में उन सूचनाओं के लिए छूट का प्रावधान है जिन्हें सार्वजनिक करना अनिवार्य नहीं है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापार रहस्य और व्यक्तिगत गोपनीयता जैसी संवेदनशील जानकारी की रक्षा करती हैं। रेलवे अधिकारियों ने किराया निर्धारण पद्धति की गोपनीयता को बरकरार रखने संबंधी सीआईसी के पूर्व के आदेशों का भी हवाला दिया। तर्क दिया कि भारतीय रेलवे एक वाणिज्यिक उपयोगिता के रूप में कार्य करता है तथा राष्ट्रीय हित में सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी करता है। रेलवे बोर्ड के मुख्य जन सूचना अधिकारी ने कहा कि विस्तृत मूल्य निर्धारण प्रणाली का खुलासा जनहित में उचित नहीं है।

कहा- टिकट मूल्य निर्धारण खुलासा जनहित में भी नहीं

मुख्य जन सूचना अधिकारी ने यह भी कहा, मूल्य निर्धारण संबंधी जानकारी का खुलासा जनहित में उचित नहीं है, क्योंकि यदि कोई लाभ होता भी है, तो वह आम आदमी को वितरित/हस्तांतरित कर दिया जाता है, न कि निजी उद्यम की तरह व्यक्तिगत लाभ के लिए रखा जाता है। आयोग ने उल्लेख किया कि जन सूचना अधिकारी ने पहले ही सभी सार्वजनिक करने योग्य जानकारी और रेलवे रेटिंग नीतियों के सामान्य सिद्धांत मुहैया कर दिए थे और उपलब्ध अभिलेखों से परे डेटा तैयार करने या उसकी व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं है।

शैक्षणिक संस्थाओं में गरीब बच्चों का प्रवेश राष्ट्रीय मिशन बने: सुप्रीम कोर्ट

आरटीई के तहत 25% आरक्षण का प्रावधान लागू करने को नियम बनाने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया कि निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए प्रवेश में 25 प्रतिशत कोटा लागू हो। न्यायालय ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में गरीब बच्चों को प्रवेश देना एक राष्ट्रीय मिशन होना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के बच्चों को प्रवेश देना उपयुक्त सरकार और स्थानीय प्राधिकार का दायित्व है। न्यायालय ने कहा कि इसी तरह, अदालतों को, चाहे वे संवैधानिक हों या दीवानी, उन अभिभावकों को सुगम पहुंच और प्रभावी राहत प्रदान करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने चाहिए जो इस अधिकार से वंचित होने की शिकायत करते हैं। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत प्रवेश पाने में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों के समक्ष आने वाली कठिनाइयों से संबंधित पहलुओं पर विचार कर रही है, जिसमें निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में ऐसे बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है।

सावरकर के चित्र हटाने की याचिका पर सुनवाई नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संसद और अन्य सार्वजनिक स्थानों से विनायक दामोदर सावरकर के चित्रों को हटाने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति देने से पहले भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी बी बालमुरुगन को ऐसी तुच्छ याचिका दायर करने पर चेतावनी दी। पीठ उनके इस निवेदन से नाराज थी कि वह वित्तीय बाधाओं के कारण व्यक्तिगत रूप से बहस करने नहीं आ सकता। बालमुरुगन ने याचिका में संसद के केंद्रीय कक्ष और अन्य सार्वजनिक स्थानों से सावरकर के चित्रों को हटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

विधवा पुत्रवधू ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण की हकदार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि हिंदू कानून के तहत यदि कोई महिला अपने ससुर की मृत्यु के बाद विधवा हो जाती है तो वह उसकी संपत्ति से भरण-पोषण का दावा करने की हकदार है। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और एसवीएन भट्टी की पीठ ने फैसला सुनाया कि हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम 1956 के तहत महिला को आश्रित का दर्जा देने के लिए पति की मृत्यु का समय अप्रासंगिक है।

फैसला सुनाने वाले न्यायमूर्ति मिथल ने निष्कर्षों को सरल शब्दों में बताते हुए कहा, मृत हिंदू के सभी उत्तराधिकारी उसकी संपत्ति से प्राप्त धन/संपत्ति से उसके आश्रितों का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य हैं।न्यायालय ने कहा, हमारा स्पष्ट मत है कि मृत हिंदू व्यक्ति के पुत्र की कोई विधवा अधिनियम की धारा 21 (सात) के अर्थ में आश्रित है और अधिनियम की धारा 22 के तहत भरण-पोषण का दावा करने की हकदार है। इसमें कहा गया है कि पुत्र या कानूनी वारिस विरासत में मिली संपत्ति में से सभी आश्रित व्यक्तियों का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य हैं अर्थात, वे सभी व्यक्ति जिनका भरण-पोषण करने के लिए मृत व्यक्ति कानूनी और नैतिक रूप से बाध्य था।

अब्बास अंसारी की पूर्ण जमानत याचिका को मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर तथा यूएपीए के तहत दर्ज मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक अब्बास अंसारी की पूर्ण जमानत याचिका को मंगलवार को मंजूरी दे दी। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एम पांचोली की पीठ ने अंसारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। पीठ ने कहा कि अंसारी अंतरिम जमानत पर लंबे वक्त से बाहर हैं और अब तक उन पर इस आजादी का दुरुपयोग करने का कोई आरोप नहीं लगा है। ऐसे में मामले पर कोई भी टिप्पणी किए बिना अंतरिम जमानत को पूर्ण किया जाता है।

हमें चुनावी उद्देश्यों से नागरिकता की जांच करने का अधिकार: निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह मतदाता सूची और चुनाव संचालन से संबंधित मामलों में मूल प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है और यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य देश की नागरिकता हासिल करता है तो इस संबंध में आयोग की राय राष्ट्रपति पर बाध्यकारी होती है। आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान यदि कोई प्रतिकूल निष्कर्ष निकलता है तो उसका परिणाम संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाया जाना होगा और वह निर्वासन का कारण नहीं बनता। ऐसे मामले को नागरिकता अधिनियम और संबंधित कानूनों के तहत जांच के लिए केंद्र को भेजा जा सकता है।

आयोग ने कहा कि खनन पट्टों या अन्य वैधानिक लाभों से जुड़े कई नियामक ढांचों में नागरिकता एक अनिवार्य शर्त होती है और सक्षम प्राधिकारी इसकी जांच कर सकता है। इस दलील के जरिए आयोग ने उस तर्क का खंडन किया कि वह अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़कर काम कर रहा है।

भाजपा के इशारे पर एसआईआर का काम कर रहा है सेना का कमांडेंट

कोलकाता, एजेंसी

• ममता का आरोप, कहा- कमांड बेस पर हो रहीं सियासी गतिविधियां

• राज्यपाल ने कहा- बयान की पुष्टि के बाद करेंगे मामले में हस्तक्षेप

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि फोर्ट विलियम स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान के मुख्यालय में तैनात कमांडेंट रैंक के एक अधिकारी भाजपा के इशारे पर एसआईआर का काम कर रहे हैं। अधिकारी की पहचान बताए बिना मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सेना का यह अधिकारी राज्य में विवादास्पद एसआईआर के मद्देनजर कमांड बेस का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों के लिए कर रहा है।

राज्य सचिवालय (नबान्न) में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि फोर्ट विलियम में एक कमांडेंट भाजपा को समर्थन देने के लिए एसआईआर पर काम कर रहे हैं। वह वहां बैठकर भाजपा पार्टी कार्यालय का काम कर रहे हैं। मैं उनसे हाथ जोड़कर निवेदन करती हूं कि वे ऐसी गतिविधियों से बाज आएं। राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री के बयान की पुष्टि करने के बाद मामले में हस्तक्षेप करने की बात कही। बोस ने कहा, मुझे पहले स्वयं यह सत्यापित करने दीजिए कि उन्होंने क्या कहा। यदि इससे किसी संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन होता है तो मैं निश्चित रूप से हस्तक्षेप करूंगा।

राज्य के पहले से ही तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल में ममता बनर्जी की इस टिप्पणी पर सभी दलों से तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आई हैं। भाजपा की बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने तंज करते हुए कहा, वह पश्चिम बंगाल को भारत का एक राज्य नहीं मानतीं, वह बंगाल को एक संप्रभु राष्ट्र और खुद को उसकी राष्ट्रपति समझती हैं। ममता बनर्जी के आरोप को 'गंभीर मुद्दा' बताते हुए माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि मुख्यमंत्री को इस मामले की सच्चाई का पता लगाना चाहिए, रक्षा मंत्री को पत्र लिखकर अपने बयान की सत्यता साबित करनी चाहिए। सलीम ने कहा, यह एक बेहद गंभीर मुद्दा है। हमें इस आरोप के पीछे की सच्चाई का पता लगाना होगा। आम तौर पर हम रक्षा बलों को इस राजनीतिक बहस में नहीं घसीटते। लेकिन ममता बनर्जी न केवल अपनी पार्टी की प्रमुख हैं, बल्कि राज्य की सर्वोच्च प्रशासक भी हैं। उन्हें पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखना चाहिए था।

कलकत्ता हाईकोर्ट आई-पैक पर ईडी छापे पर आज करेगा सुनवाई

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ईडी द्वारा राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन के आवास और कार्यालय पर की गई छापेमारी के सिलसिले में ईडी और तृणमूल कांग्रेस की याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई करेगा। इस दौरान अदालत कक्ष में केवल इन मामलों से संबंधित वकीलों को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल ने निर्देश दिया कि सुनवाई नियंत्रित प्रवेश के साथ होगी, क्योंकि नौ जनवरी को जब इन मामलों की सुनवाई होनी थी, तब न्यायमूर्ति सुव्रा घोष के न्यायालय कक्ष में अराजक स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

लड़की की शादी से पहले माता-पिता को उसकी सहमति लेनी चाहिए

• उड़ीसा हाईकोर्ट की पति से अलग हुई महिला की याचिका पर टिप्पणी

भुवनेश्वर। उड़ीसा हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि कोई लड़की शादी के लिए तैयार नहीं है तो बाहरी दबाव या जबरदस्ती के जरिए उसकी शादी कराना स्वस्थ समाज के अनुकूल नहीं है। मुख्य न्यायाधीश हरीश टंडन और न्यायमूर्ति मुराहारी श्री रमन की पीठ ने कहा, अब समय आ गया है कि समाज आत्ममंथन करे कि लड़कियों को उनके माता-पिता जबरन शादी के लिए मजबूर करते हैं तो क्या होता है। लड़की का निर्णय सर्वोपरि है और माता-पिता को कोई भी फैसला लेने से पहले उसकी सहमति लेनी चाहिए।

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक विवाहित महिला की उस याचिका का निपटारा करते हुए की, जिसमें उसने जबरन कराई गई शादी के बाद अलग रहने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में माता-पिता को ऐसा निर्णय लेने से पहले बालिग लड़की की सहमति अवश्य लेनी चाहिए। महिला ने कहा कि वह न तो अपने पति के साथ रहना चाहती है और न ही अपने माता-पिता के साथ, क्योंकि वह रोजगार में है और स्वयं अपनी आजीविका अर्जित करती है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी

• कहा- चीन को लाल आंखें दिखाने के बजाय लाल कालीन बिछा रहे

कांग्रेस ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक प्रतिनिधिमंडल के यहां भाजपा के मुख्यालय का दौरा करने के घटनाक्रम को लेकर मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने केंद्र में सत्तारूढ़ दल पर चीन के प्रति अपनी नीति में पाखंड प्रदर्शित का आरोप लगाया और पूछा कि क्या वह इस तरह के दौरों के दौरान बार-बार होने वाले चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाती है। कांग्रेस ने भाजपा पर तंज कसा कि वह चीन के लिए लाल कालीन बिछा रही है, जबकि उसे पड़ोसी देश को लाल आंखें दिखानी चाहिए।

पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार से उसकी चीन नीति पर पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करती है। उन्होंने कहा, इसमें सीपीसी के प्रतिनिधियों और भाजपा/आरएसएस पदाधिकारियों के बीच बंद कमरे में हुई सभी बैठकों के एजेंडे, परिणाम और विवरण को सार्वजनिक किया जाना शामिल होना चाहिए। खेड़ा की यह टिप्पणी सीपीसी प्रतिनिधिमंडल के भाजपा मुख्यालय का दौरा करने के एक दिन बाद आई है, जिसका नेतृत्व उसके अंतरराष्ट्रीय विभाग के उप मंत्री सुन हैयान ने किया था। भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बैठक के दौरान पार्टी महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व वाले भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच अंतर-दलीय संचार को आगे बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

खेड़ा ने आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले से सीपीसी प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गैर-सरकारी तत्वों को राज्य की नीति को नियंत्रित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, जहां तक होसबाले के साथ सीपीसी प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात का मुद्दा है, तो हम यही कहते आए हैं कि इन गैर-सरकारी तत्वों को राज्य नीति को नियंत्रित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। आरएसएस पर्दे के पीछे काम करता है। यह एक गैर-पंजीकृत संगठन है और एक ऐसा गैर-पंजीकृत संगठन, जो खुलकर सामने आने में भी शर्म महसूस करता है।

भाजपा ने कांग्रेस पर किया पलटवार कहा- समस्याएं नेहरू के समय से

नई दिल्ली। भाजपा ने कहा कि उसने नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में सुधार के मद्देनजर चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ खुले तौर पर औपचारिक बैठक की। आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पड़ोसी देश की सत्तारूढ़ पार्टी के साथ गुप्त रूप से एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे।

भाजपा ने सीमा संबंधी मुद्दों को उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसा करने का उसे कोई अधिकार नहीं है क्योंकि चीन से जुड़ी समस्याएं पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय से ही मौजूद हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इसे सुलझाने के लिए काम कर रही है और यह प्रयास लगातार जारी है। कांग्रेस ने भाजपा पर पड़ोसी देश के साथ अपने व्यवहार में पाखंड करने का आरोप लगाते हुए पूछा है कि क्या वह इस तरह की बातचीत के दौरान बार-बार होने वाले चीनी अतिक्रमण' का मुद्दा उठाती है।

राहुल गांधी को सवाल उठाने का अधिकार नहीं: तुहिन

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी हमला करते हुए कहा कि उन्होंने नरेन्द्र मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाने का अपना अधिकार खो दिया है, क्योंकि उन्होंने निराधार दावा किया था कि गलवान घाटी झड़प के दौरान भारतीय सैनिकों को चीनी सैनिकों ने पीटा था। सिन्हा ने कहा कि चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक भाजपा मुख्यालय में इसलिए हुई कि हालात में सुधार हुआ है।हाल में उड़ानें फिर से शुरू हुई हैं। व्यापारिक वार्ताएं भी हो रही हैं।

महिलाओं की बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता के बाद गाय के गोबर से किया जगह का शुद्धिकरण

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर में भगवान लिंगराज मंदिर के पास स्थित भजन मंडप में महिलाओं की बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता आयोजित किए जाने के बाद एक संगठन ने सांकेतिक रूप से विरोध करते हुए आयोजन स्थल पर गाय के गोबर के घोल का छिड़काव किया। भजन मंडप में 12वीं 'ईस्ट जोन मेंस एंड वूमेंस बॉडीबिल्डिंग एंड फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 10 और 11 जनवरी को किया गया था। इसमें पूर्वी राज्यों के कई पुरुष और महिला बॉडी बिल्डर ने भाग लिया था। संगठन के एक सदस्य ने बताया कि भुवनेश्वर में पुरुना भुवनेश्वर सचेतन नागरिक बृंदा के सदस्यों ने महिला प्रतिभागियों द्वारा शरीर का प्रदर्शन किए जाने के विरोध में मंगलवार को शुद्धिकरण अनुष्ठान के रूप में गोबर छिड़का। नागरिक मंच की सदस्य चाबी स्वैन ने कहा, महिलाओं ने छोटे कपड़े पहनकर अपने शरीर का प्रदर्शन किया, जिससे पवित्र स्थान अपवित्र हो गया था। महिला बॉडी बिल्डर अनुपमा स्वैन ने कहा, बॉडी बिल्डिंग एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता है। जिस तरह तैराकी प्रतियोगिता में पोशाक का अपना नियम होता है, उसी तरह बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में भी ड्रेस कोड होता है। गोबर का घोल छिड़ककर विरोध करना हमारे प्रति अनादर है।

गोमांस प्रकरण: भोपाल में प्रदर्शन, सीएम हाउस तक पैदल मार्च की दी चेतावनी

भोपाल। भोपाल में पुलिस मुख्यालय के सामने मांस से भरे ट्रक के पकड़े जाने के मामले को लेकर मंगलवार को सियासी और सामाजिक हलचल तेज हो गई। जय मां भवानी संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मामले को गंभीर बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च निकालने की चेतावनी दी।

प्रदर्शन में आसपास के जिलों से भी लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने महापौर मालती राय की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री निवास की ओर रैली जाने की चेतावनी को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन सहित तमाम इंतजाम किए गए। संगठन से जुड़े भानु हिंदू ने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते कड़ी कार्रवाई नहीं की तो संगठन बड़ा आंदोलन करेगा। संगठन ने सरकार से पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए विशेष जांच समिति गठित करने की मांग की। कहा, जिन अधिकारियों की लापरवाही से 26.5 टन मांस से भरा ट्रक संबंधित कंपनी को सौंपा गया, उन पर विभागीय जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर निलंबन व एफआईआर में नाम जोड़ा जाना चाहिए। यह भी आरोप लगाया कि मांस की जांच के नमूने मथुरा भेजे जाने से रिपोर्ट में करीब 20 दिन की देरी हुई।

कोचिंग सुधार | केंद्र सरकार ने कोचिंग सेटरों पर निर्भरता कम करने के लिए गठित की है समिति

कक्षा 11 में प्रवेश के लिए कराई जा सकती है परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

• प्रवेश परीक्षा के कठिनाई के स्तर का आकलन करेगी नौ सदस्यीय समिति

केंद्र सरकार की ओर से प्रवेश परीक्षाओं में सुधार और कोचिंग केंद्रों पर निर्भरता कम करने के लिए गठित एक समिति कक्षा 11 में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने या कक्षा की परीक्षाओं को प्रवेश परीक्षाओं की कठिनाई के स्तर के अनुरूप बनाने की संभावना तलाश रहा है।

समिति यह अध्ययन करने के लिए आंकड़ों का विश्लेषण कर रही है कि प्रवेश परीक्षाओं का कठिनाई का स्तर कक्षा 12 के पाठ्यक्रम की कठिनाई के स्तर के अनुरूप है या नहीं, जबकि वर्तमान में अधिकतर प्रवेश परीक्षाएं कक्षा 12 के पाठ्यक्रम पर आधारित होती हैं। पिछले वर्ष शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग केंद्रों से जुड़े मुद्दों, डमी स्कूलों के पनपने तथा प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की समीक्षा के लिए नौ सदस्यीय समिति का गठन किया था। उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता वाली यह समिति उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए कोचिंग केंद्रों पर छात्रों की निर्भरता कम करने के उपाय सुझाएगी।

सूत्रों के अनुसार, समिति की हालिया बैठक में हितधारकों ने सुझाव दिया कि कुछ प्रवेश परीक्षाएं कक्षा 11 के स्तर पर कराई जा सकती हैं या कम से कम कक्षा 11 की परीक्षाएं प्रवेश परीक्षाओं के समान बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) प्रारूप में आयोजित की जाएं। इस संभावना का अध्ययन किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया, समिति मौजूदा स्कूली शिक्षा प्रणाली में व्याप्त उन कमियों की भी समीक्षा कर रही है, जिनके कारण छात्र कोचिंग केंद्रों पर निर्भर हो जाते हैं। इनमें विश्लेषणात्मक सोच, तार्किक विवेचन, विश्लेषणात्मक कौशल और नवाचार पर सीमित ध्यान तथा रटंत पद्धति का प्रचलन प्रमुख हैं। कोचिंग के घंटे सीमित करना, स्कूल पाठ्यक्रम को इस तरह पुनः डिज़ाइन करना कि वह स्कूल के बाद होने वाली प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं के अनुरूप हो, और बोर्ड परीक्षा के परिणामों को अधिक महत्व देना भी समिति को प्राप्त हुए सुझावों में शामिल हैं।

एसएसबी ने शुरू की शराब के आदी अपने जवानों की बर्खास्तगी

नई दिल्ली। नेपाल और भूटान के साथ लगती बिना बाड़ वाली सीमाओं की रक्षा में जुटे सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अपने शराब के आदी जवानों के खिलाफ सेवा समाप्ति की कार्रवाई शुरू की है। अधिकारियों के मुताबिक अब तक ऐसे 50 से ज्यादा जवानों की पहचान की गई है जिनमें से 8-10 कर्मियों को चिकित्सा और कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद नौकरी से निकाल दिया गया है। बाकी के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई जारी है। अधिकारियों के मुताबिक उन कर्मचारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है जिनकी पहचान कई वर्षों से शराब की लगातार लत वाले कर्मियों के रूप में की गई है। उन्हें शराब पर निर्भरता के लक्षणों (एडीएस) वाले मामलों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे जवान अपनी खुद की सुरक्षा के साथ अपने सहयोगियों और यहां तक कि आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन जाते हैं। शराब न मिलने पर ऐसे जवान चरम कदम उठा सकते हैं।

अमृत विचार

बुधवार, 14 जनवरी 2026

जब मैं कहता हूं कि आप देवी या देवता हैं, तो मेरा मतलब है कि आप में अनंत संभावनाएं हैं, आपकी क्षमताएं अनंत हैं।
–ओशो, दार्शनिक

विफलता और प्रश्न

पीएसएलवी-सी 62 मिशन मई 2025 में प्रक्षेपित पीएसएलवी-सी 61 मिशन की तरह ही असफल हो गया। इसरो की विगत उपलब्धियों और पीएसएलवी की 90 फीसद से ज्यादा सफलता के मद्देनजर शक नहीं कि इसरो अपनी गलती सुधार कर भविष्य में ऐसे मिशन में कामयाब रहेगा। 64 प्रक्षेपणों में पांच विफलताएं बुरा प्रदर्शन नहीं। पीएसएलवी ने ही चंद्रयान-1 और आदित्य-एल 1 सौर वेधशाला जैसे मिशनों को प्रक्षेपित किया था। पर इस मिशन की नाकामी ने इसरो की प्रतिष्ठा, पीएसएलवी की क्षमताओं पर सवाल खड़ा किया है। अंतरिक्ष बाजार में तेजी से उभरते भारत की गति प्रगति को तात्कालिक तौर पर ही सही, झटका तो लगा है। इस विफलता के वित्तीय परिणाम शोचनीय हैं। प्रतिस्पर्धी वैश्विक प्रक्षेपण बाजार में इसरो पीएसएलवी को एक वाणिज्यिक उत्पाद के तौर पर प्रस्तुत करता है। यह ईओएस-ए 1 प्रेक्षण उपग्रह अन्वेषा के साथ सात देशों के स्टार्टअप्स के अलावा शैक्षणिक संस्थानों की ओर से विकसित 15 अन्य पेलोड लेकर जा रहा था, सभी नष्ट हो गए। स्वदेशी संस्थाओं की बात दीगर है, लेकिन विदेशी संस्थाओं का भरोसा इस दोहरी असफलता से किंचित डिगेगा। ऐसे में अंतरिक्ष बाजार की अंतर्राष्ट्रीय बीमा कंपनियां पीएसएलवी के जोखिम का आकलन कर प्रीमियम बहुत ज्यादा बढ़ाएंगी, इसरो का प्रक्षेपण किफायती नहीं रहेगा। चार चरणों वाले रॉकेट पीएसएलवी-सी 62 पहले और दूसरे चरण में सामान्य रहा। तीसरे चरण के दौरान रॉकेट नियत प्रक्षेप पथ से हट गया। वह असामान्य रूप से घूमने लगा, जिसे "रोल रेट डिस्टर्बेंस" कहते हैं, इसके बाद वह अपेक्षित मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सका। संभवतः सी 61 मिशन के तीसरे चरण की तरह उसने भी 'चैंबर प्रेशर' खो दिया। नोजल या केसिंग प्रणाली में किसी संरचनात्मक या सामग्री संबंधी विफलता भी इसकी वजह हो सकती है। नाकामी का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, जांच जारी है।

पिछले साल की विफलता की वजहें सार्वजनिक नहीं की गईं, फेल्योर एनालिसिस कमिटी की रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय में रखा रह गया। संभवतः रक्षा सुरक्षा मामलों को लेकर गोपनीयता बरती गई हो, ऐसे में इस बार भी उम्मीद कम ही है कि गलतियों की रिपोर्ट सामने आए। कुछ बरसों से नाकामी के विश्लेषण वाली रिपोर्टों को सार्वजनिक करना बंद है। रिपोर्ट सार्वजनिक होती तो पता चलता कि क्या कमियां थीं, उन्हें ठीक करने के लिए क्या किया गया? इस बार बस भरोसा दिलाया गया कि तीसरे चरण के डिजाइन को सुदृढ़ किया गया है, लेकिन नाकामी ही हाथ आई। करदाता जनता और वाणिज्यिक हितधारकों को यह जानने का पूरा हक है कि 2025 में क्या गलत हुआ था? क्या 2026 में भी ऐसी ही गलती दोहराई गई और तीसरा चरण फिर से क्यों प्रभावित हुआ? निजी उद्योगों के लिए अंतरिक्ष निर्माण क्षेत्र खोलने की भारत की पहल पर भी प्रश्न है। ये कभी-कभार होने वाली गड़बड़ियां नहीं है। फिलहाल, इसरो के लिए भरोसा फिर से कायम करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले नियमों एवं प्रक्रियाओं को दोबारा बनाने का मुश्किल काम शुरू कर देना चाहिए, जिसका सबसे अच्छा तरीका तो यही होगा कि अंतरिक्ष विभाग सी 61 मिशन की "फेलियर एनालिसिस कमेटी" द्वारा दी गई रिपोर्ट को जारी करे, जिससे विफलता का सटीक कारण जानकर सबक लिया जा सके।

प्रसंगवश

मोटे अनाजों की खेती में बुंदेलखंड क्यों पिछड़ा

बुंदेलखंड की जलवायु, मिट्टी और पृष्ठभूमि मोटे अनाजों या जिन्हें हम मिलेट्स भी कहते हैं, के अनुकूल थी, लेकिन यह विचारणीय तथ्य है कि बुंदेलखंड से मोटे अनाजों की खेती क्यों गायब सी हो गई है? सरसरी तौर पर देखें तो यह खाद्य सुरक्षा के लिए किए गए सरकारी प्रयासों और हरित क्रांति के परिणामों का एक दुष्प्रभाव-सा दिखता है, परंतु इसके पीछे अनेक महत्वपूर्ण कारण छुपे हुए हैं, जो हमारी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से जुड़े हुए हैं। ऐतिहासिक तौर पर हमारी सभ्यता मोटे अनाजों विशेषकर बाजरा, ज्वार, कोदो, रागी, काकुन, कनकी, मक्का पर निर्भर थीं, क्योंकि इन्हें आसानी से उगाया जा सकता था। ये न सिर्फ पौष्टिक थे, बल्कि शुष्क जलवायु के लिए उपयुक्त भी थे, जिसमें सिंचाई या ज्यादा शारीरिक श्रम की आवश्यकता नहीं पड़ती थी, परंतु उत्पादन कम होने के कारण यह बढ़ती जनसंख्या को खिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस समस्या के निवारण हेतु 1960 के दशक में शुरू हुई हरित क्रांति का उद्देश्य

अविनाश झा
डीएफएमओ, चित्रकूट

वैश्विक स्तर पर खाद्य उत्पादन को बढ़ाकर लोगों की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना था, जिसके लिए इसमें चावल और गेहूं जैसी अधिक उपज और अधिक कैलोरी प्रदान करने वाली फसलों को प्राथमिकता दी गई। स्वाभाविक रूप से सरकारों और वैज्ञानिकों ने इन अनाजों की किस्में विकसित करने में भारी निवेश किया। उन्होंने उत्पादन बढ़ाने के लिए सब्सिडी, सिंचाई सुविधाएं और रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराए। उन्नत बीजों की अनुपलब्धता और अनुसंधान व विकास में निवेश की कमी के कारण मोटे अनाजों की उत्पादकता कम बनी रही। स्वाभाविक रूप से इससे इनकी खेती में धीरे-धीरे गिरावट आ गई। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1983 से वर्ष 2011 के बीच भारत मंर शहरी और ग्रामीण दोनों ही परिवारों में मोटे अनाज की खपत में भारी कमी आई।

शहरीकरण, खान पान में बदलाव और आधुनिक जीवनशैली से भी मोटे अनाजों के उपभोग में कमी आई। परिष्कृत गेहूं और पॉलिश किए हुए चावल हमारे मुख्य भोजन बन गए। गेहूं और चावल को 'बेहतर' या उच्च सामाजिक स्थिति वाला अनाज माना जाने लगा, जबकि मोटे अनाजों को 'गरीबों का भोजन' समझकर उपेक्षा की जाने लगी। भारत में वर्ष 1961 और वर्ष 2011 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में कुल अनाजों में मोटे अनाजों का अनुपात 35 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गया और शहरी क्षेत्रों में यह 17 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो गया। मोटे अनाजों की कम उत्पादकता ने भी इसकी खेती पर असर डाला है। भारत में वर्ष 1961 और वर्ष 2011 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में कुल अनाजों में मोटे अनाजों का अनुपात 35 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गया और शहरी क्षेत्रों में यह 17 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो गया। मोटे अनाजों की कम उत्पादकता ने भी इसकी खेती पर असर डाला है। बुंदेलखंड के दृष्टि से देखें, तो मोटे अनाजों की खेती निरंतर कम होते रहने के पीछे यहां की अन्ना प्रथा को एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता रहा है, लेकिन मोटे अनाजों की खेती के प्रति अरुचि का सबसे बड़ा कारण बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था का अभाव, जागरूकता, नई तकनीकों के उपयोग में कमी, मंडी में खपत, प्रोसेसिंग व्यवस्था का अभाव है। जाहिर तौर पर कोई भी किसान अब सिर्फ खाने के लिए खेती नहीं करता है, बल्कि यह उसकी आजीविका का साधन है। हाल के दिनों में एफ पीओ/ एफपीसी के माध्यम से बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था, प्रोसेसिंग युनिटों की स्थापना, मिलेट्स महोत्सव के जरिए जागरूकता और जानकारी बढ़ाना, किसानों को बाजार से सीधे जोड़ने के प्रयासों से मोटे अनाजों की खेती के प्रति रुचि बढ़ी है। आशा है कि इससे निकट भविष्य में बुंदेलखंड फिर से अपनी पुरानी पहचान पाने में सफल होगा।

नाटो के अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट के बादल

दिग्विजय सिंह
कानपुर

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसकी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके देश में घुसकर गिरफ्तार किए जाने के बाद से ही ट्रंप अपनों के साथ ही विरोधियों के भी निशाने पर हैं, लेकिन ग्रीनलैंड पर कब्जे और कोलंबिया, क्यूबा, मैक्सिको जैसे देशों पर हमले की धमकी अब उनके मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भी रास नहीं आ रही है। ग्रीन लैंड को अमेरिका में मिलाने की बार-बार धमकी के बाद फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने गंभीर परिणाम भुगतने की न सिर्फ चेतावनी दी है, बल्कि इशारे में यह भी बता दिया है कि नाटो का अस्तित्व इससे मिट जाएगा।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाटो की स्थापना 1949 में हुई थी। शुरुआती दौर में इस संगठन में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और फ्रांस शामिल थे। इसका मूल उद्देश्य संगठन के किसी भी देश पर हमले की स्थिति में सदस्य देश मदद को आगे आएंगे और आक्रमण करने वाले देश के विरुद्ध मिलकर लड़ेंगे। दुनिया के सबसे बड़े इस सैन्य संगठन से लोहा लेने की स्थिति में फिलहाल कोई गैर-नाटो देश नहीं है, लेकिन मादुरो की गिफ्तारी के बाद पूरी दुनिया में भूचाल आ गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव ने भी इस घटना को लेकर गंभीर टिप्पणी की और अमेरिका को चेताया।

रूस, चीन जैसे देशों ने ट्रंप से मादुरो को तत्काल छोड़ने की मांग की, लेकिन अमेरिका के मित्र राष्ट्रों ने बयान देने में संयम बरता। अब वे भी ट्रंप के विरुद्ध दिख रहे हैं। इसकी वजह ट्रंप का आक्रामक रवैया है। ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि वे डेनमार्क के नियंत्रण वाले ग्रीन लैंड को अमेरिका में मिलाना चाहते हैं, क्योंकि वहां आसपास रूस, चीन जैसे विरोधी देशों की सेनाएं हैं। पिछले दिनों एयर फोर्स वन में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से ग्रीनलैंड चाहिए। हम 20 दिन में इस पर बात करेंगे। उनके इस बायान पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने सख्त रुख अपनाया और साफ कर दिया कि अमेरिका ने ऐसा किया तो यह नाटो के अंत की शुरुआत होगी।

नॉर्डिक देशों के साथ ही ब्रिटेन डेनमार्क और ग्रीनलैंड के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करके ट्रंप को यह बता दिया कि उन्हें अब अपने बयान वापस लेने चाहिए। ग्रीनलैंड भले ही काफी हद तक स्वायत्त है, लेकिन अभी वह डेनमार्क का हिस्सा है। ऐसे में अगर अमेरिका वहां सैन्य कार्रवाई करता है, तो फिर यह संगठन में फूट की शुरुआत होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने डोनाल्ड ट्रंप को चेताते हुए कहा है कि ग्रीनलैंड वहां के लोगों का है और इसके भविष्य का फैसला सिर्फ डेनमार्क और ग्रीनलैंड ही करेंगे। हालांकि इन चेतावनियों का फर्क ट्रंप पर होता नहीं दिख रहा है।

नाटो के रक्षा बजट में अमेरिका का योगदान करीब 16 फीसदी है। अमेरिका के सांसद ही नाटो से अमेरिका के अलग होने की मांग कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप सामरिक दृष्ट से कभी नहीं चाहेंगे कि नाटो से अमेरिका अलग हो, लेकिन उनकी बढ़ती महत्वाकांक्षा इस संगठन को मटियामेट कर सकती है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप वेनेजुएला की नई राष्ट्रपति को भी लगातार धमकी दे रहे हैं। माना जा रहा है कि वहां के तेल भंडार और व अन्य खनिजों पर अधिकार प्राप्त करने के लिए अमेरिका फिर हमले करेगा और वहां के लोगों को चैन से जीने नहीं देगा।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद कोलंबिया पर भी अमेरिकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। वहां के राष्ट्रपति गुस्तावों पेट्रो को ट्रंप का विरोधी माना जाता है। ट्रंप की कोशिश वहां समर्थक सरकार लाने की है ताकि वहां के संसाधन अमेरिका के काम आ सकें। इसीलिए वे पेट्रो को लगातार धमकियां दे रहे हैं। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति पेट्रो ने डोनॉल्ड ट्रंप को सीधी चुनौती दी है और कहा है कि आओ मुझे पकड़ लो, मैं यहीं इंतजार कर रहा हूं। कोलंबिया से अमेरिका में ड्रग्स आ रही है यह आरोप ट्रंप का है। उन्होंने कहा है कि कोलंबिया को एक बीमार आदमी चला रहा है, जो अमेरिका में कोकीन बेचता है। इस बयान के बाद के बाद अब हमले की आशंका और गहरा गई है।

मादुरो ने भी ट्रंप को गिरफ्तारी की चुनौती दी थी। परिणाम यह रहा कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई की और उन्हें गिरफ्तार किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने मेक्सिको को भी चेतावनी दी है। उनका आरोप मेक्सिको पर अमेरिका में ड्रग्स भेजने का है। उन्होंने कहा है कि मेक्सिको को अपनी हालत सुधारनी होगी, क्योंकि ड्रग्स मेक्सिको के रास्ते अमेरिका में आ रहा है। इसे रोकने के लिए हमें कुछ करना होगा। उनके इस बयान के बाद मेक्सिको के लोग डरे हुए हैं। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने ट्रंप के गुस्से को शांत करने की कोशिश की है और कहा है कि "मुझे हमले की संभावना पर विश्वास नहीं है, मुझे तो यह भी विश्वास नहीं है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं। शिनबाम ने ट्रंप को सुझाव देते हुए कहा है कि विदेशी सैन्य हस्तक्षेप से संगठित अपराध का समाधान नहीं होता"। हालांकि ट्रंप कब क्या करेंगे कह पाना कठिन है। यही वजह है कि पूरी दुनिया की नजर ट्रंप के अगले कदम पर है।

माना जा रहा है कि अगर ट्रंप अब किसी अन्य देश पर कार्रवाई करते हैं, तो चीन का हौसला भी बढ़ेगा और भी ताइवान पर हमला करके उसे अपने में मिलाने की कोशिश करेगा। चीन ने यह देख लिया कि मादुरो के मामले में संयुक्त राष्ट्र संघ ने निंदा के अलावा कुछ नहीं किया।

रूस, चीन जैसे देशों ने ट्रंप से मादुरो को तत्काल छोड़ने की मांग की, लेकिन अमेरिका के मित्र राष्ट्रों ने बयान देने में संयम बरता। अब वे भी ट्रंप के विरुद्ध दिख रहे हैं। इसकी वजह ट्रंप का आक्रामक रवैया है।

आमने

चुनाव शुरू होने के बाद से, मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया है कि क्या-क्या गलत काम हुए हैं। पिंपरी-चिंचवाड़ इतना समृद्ध निगम था, फिर भी उन्हें बॉन्ड जारी करने पड़े। विभिन्न विभागों में लगभग 4,000 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। मैंने इसके उदाहरण दिए हैं।

– अजीत पवार, एनसीपी प्रमुख

सामने

मैं अपने वचन का पक्का हूं। इसीलिए, जब यह तय हुआ कि पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में हम एनसीपी के साथ गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो हमने यह भी कहा था कि यह एक सौहार्दपूर्ण मुकाबला होगा और हम एक-दूसरे पर कोई व्यक्तिगत हमला नहीं करेंगे। हमने अंत तक उस प्रतिबद्धता का पालन किया, लेकिन अजीत पवार ने नहीं किया। उन्होंने ऐसा क्यों किया, यह मुझे नहीं पता।

– देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र

भारत को स्पेस सुपरपावर बनाता प्राइवेट सेक्टर

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सोमवार को पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) मिशन में एक निजी क्षेत्र की भागीदारी रही। पहली बार, हैदराबाद की निजी कंपनी ध्रुवा स्पेस ने सात सैटेलाइट प्रदान किए, जो इसरो के मिशन का हिस्सा बने। इस ताजा मिशन में निजी क्षेत्र की भागेदारी से साफ है कि भारत के अंतरिक्ष इकोसिस्टम में निजी कंपनियों का योगदान रहने वाला है। निजी क्षेत्र को फंडिंग, रेगुलेटरी सपोर्ट और तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत है। इसरो के साथ साझेदारी से ये दूर हो सकती हैं। निजी क्षेत्र की भूमिका कितनी अहम है?

इसरो के मिशनों में निजी कंपनियां अब सैटेलाइट निर्माण, लॉन्च व्हीकल विकास और डेटा सेवाओं में सक्रिय हैं। ध्रुवा स्पेस के सात सैटेलाइट्स पीएसएलवी मिशन में शामिल होने से पता चलता है कि निजी क्षेत्र सस्ते, नवीन समाधान प्रदान कर रहा है। इससे लॉन्च क्षमता बढ़ रही है और लागत कम हो रही है। पहले इसरो अकेले ही सब कुछ संभालता था, लेकिन अब 300 से अधिक स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। कंपनियां जैसे स्काईरूट एयरोस्पेस, सेलेस्टियल एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमोस और पिक्सेल स्पेस सैटेलाइट लॉन्च और अर्थ ऑब्जर्वेशन में योगदान दे रही हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी से इसरो को बड़े मिशनों पर फोकस करने का मौका मिलता है, जबकि छोटे कार्य निजी कंपनियां संभालती हैं।

इस संदर्भ में, गुरुग्राम के युवा वैज्ञानिकों का एक समूह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इनमें से कई आईआईटी के छात्र हैं और टीम का नेतृत्व युवा वैज्ञानिक श्रेयांस जैन कर रहे हैं। उनकी कंपनी, सेलेस्टियल एयरोस्पेस, एक क्रांतिकारी बैलून-सहायता प्राप्त रॉकेट लॉन्च सिस्टम विकसित कर रही है। इस तकनीक में एक बड़ा बैलून रॉकेट को ऊपरी वायुमंडल तक ले जाता है, जहां हवा पतली होती है और प्रतिरोध कम। वहां से रॉकेट प्रज्वलित होता है, जिससे ईंधन की बचत होती है और पेलोड क्षमता 2-3 गुना बढ़ जाती है। श्रेयांस बताते हैं, "जमीन से लॉन्च करने में घनी हवा और गुरुत्वाकर्षण से लड़ना पड़ता है, जिससे ईंधन बर्बाद होता है। हमारा तरीका कुशल है और लागत कम करता है।" उनकी टीम हाई-प्रेशर इन्फ्लेटेबल संरचनाओं पर काम कर रही है, जो गर्म गैसों से संचालित होती हैं। भविष्य में न्यूक्लियर प्रोपल्शन जैसी उन्नत तकनीकें जोड़ी जा सकती हैं, जो ग्रहों के बीच तेज यात्रा सक्षम करेंगी।

यह नवाचार इसरो के मिशनों से सीधे जुड़ा है। इसरो के पीएसएलवी मिशन में निजी क्षेत्र की भागीदारी दिखाती है कि कैसे युवा उद्यमी राष्ट्रीय प्रयासों को मजबूत कर रहे हैं। कई महीनों के अकेले शोध के बाद, श्रेयांस ने आईआईटी ग्रेजुएट्स और युवा वैज्ञानिकों की टीम बनाई। अब वे विंड टनल टेस्ट और छोटे प्रयोग कर रहे हैं, लक्ष्य 2026 के अंत तक प्रोटोटाइप लॉन्च करना है। टीम ने भारत और विदेश में पेटेंट फाइल किए हैं, और अंतिम लक्ष्य ऑर्बिटल लॉन्च है। निजी क्षेत्र अंतरिक्ष मिशनों में बड़ी भूमिका निभा रहा है, जो भारत के सपनों के लिए अनिवार्य है।

यह भूमिका भारत के लिए कितनी जरूरी है? भारत की स्पेस इकोनॉमी वर्तमान में लगभग 9 बिलियन डॉलर की है, जो वैश्विक बाजार का 2-3% है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक इसे 44 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। निजी क्षेत्र इस लक्ष्य की कुंजी है। 2020 से शुरू हुए सुधारों ने इसे संभव बनाया है। इंडियन स्पेस पॉलिसी 2023, आईएन-स्पेस (इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथोराइजेशन सेंटर) का गठन और 100% एफडीआई की अनुमति ने निजी कंपनियों को प्रोत्साहित किया है। इससे स्वदेशी तकनीक विकसित हो रही है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण है। कृषि, आपदा प्रबंधन, टेलीकॉम और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में स्पेस टेक्नोलॉजी की मदद से समाज का विकास हो रहा है। उदाहरण के लिए, अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स फसल पूर्वानुमान और बाढ़ चेतावनी में उपयोगी हैं।

निजी क्षेत्र की भागीदारी रोजगार सृजन भी कर रही है। युवा वैज्ञानिक जैसे श्रेयांस जैन की टीम आईआईटी छात्रों को अवसर दे रही है, जो अन्यथा विदेश जा सकते थे। इससे ब्रेन ड्रेन रुकता है और स्थानीय नवाचार बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर, भारत को लॉन्च प्रदाता के रूप में स्थापित करने में निजी क्षेत्र मदद कर रहा है। स्पेसएक्स जैसी कंपनियों की तरह, भारतीय स्टार्टअप्स सस्ते लॉन्च प्रदान कर सकते हैं, जो विकासशील देशों के लिए आकर्षक है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जित होती है और भारत की सॉफ्ट पावर बढ़ती है। सेलेस्टियल एयरोस्पेस जैसी कंपनियां बड़े बदलाव ला सकती हैं। सेलेस्टियल एयरोस्पेस की बैलून तकनीक ईंधन बचत से पर्यावरण अनुकूल भी है, जो सस्टेनेबल स्पेस एक्सप्लोरेशन की दिशा में कदम है। भविष्य में, निजी क्षेत्र मंगल मिशन या स्पेस टूरिज्म में योगदान दे सकता है।

बेशक, इसरो के मिशनों में निजी क्षेत्र की भूमिका न केवल अहम है, बल्कि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए अनिवार्य है। श्रेयांस जैन जैसे युवा इनोवेटर्स इस परिवर्तन के प्रतीक हैं। उनकी सेलेस्टियल एयरोस्पेस कंपनी पीएसएलवी जैसे मिशनों से प्रेरित होकर नई ऊंचाइयां छू रही है। निजी क्षेत्र से नवाचार, लागत कमी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जो भारत को स्पेस सुपरपावर बनाएगा। यह आत्मनिर्भरता, आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की कुंजी है। जैसे-जैसे स्टार्टअप्स बढ़ेंगे, भारत का अंतरिक्ष भविष्य और उज्ज्वल होगा।

गुरुग्राम के युवा वैज्ञानिकों का एक समूह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इनमें से कई आईआईटी के छात्र हैं और टीम का नेतृत्व युवा वैज्ञानिक श्रेयांस जैन कर रहे हैं। उनकी कंपनी, एक क्रांतिकारी बैलून-सहायता प्राप्त रॉकेट लॉन्च सिस्टम विकसित कर रही है।

सोशल फोरम

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और नाटो की वास्तविक प्रकृति

आज जब अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है, जो एक नाटो सदस्य देश का अंग है, तो ऐसी एक घटना पर ध्यान देना चाहिए, जो भारत से जुड़ी है। 1961 में जब भारत ने गोवा, दमन और दीव पर सैन्य कार्रवाई कर उन्हें पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया, उस समय पुर्तगाल नाटो (NATO) का सदस्य था। इसके बावजूद नाटो ने भारत के विरुद्ध कोई सामूहिक सैन्य कार्रवाई नहीं की। यह तथ्य अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं और नाटो की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है। सबसे पहला कारण यह था कि नाटो एक सामूहिक रक्षा संगठन है, आक्रामक युद्धों में हस्तक्षेप करने वाला वैश्विक पुलिस बल नहीं। नाटो की संधि का अनुच्छेद-5 तभी लागू होता है, जब किसी सदस्य देश पर उसके अपने क्षेत्र में सशस्त्र हमला हो। गोवा उस समय यूरोप में स्थित पुर्तगाल का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक उपनिवेश था। कई नाटो देशों की नजर में उपनिवेशों की रक्षा को अनुच्छेद-5 के अंतर्गत लाना कानूनी रूप से स्पष्ट नहीं था।

प्रवीण झा
लेखक

दूसरा महत्वपूर्ण कारण था औपनिवेशिक व्यवस्था का पतन। 1960 के दशक तक विश्व समुदाय में उपनिवेशवाद के विरुद्ध माहौल बन चुका था। भारत की कार्रवाई को कई देशों ने औपनिवेशिक शासन के अंत के रूप में देखा, न कि एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण के रूप में। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे नाटो के प्रभावशाली सदस्य भारत को शीत युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह विरोधी खेमे में धकेलना नहीं चाहते थे।

तीसरा कारण था रणनीतिक यथार्थवाद। भारत एक बड़ा, स्थिर और क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण देश था। गोवा के लिए भारत से युद्ध करना न तो व्यावहारिक था और न ही नाटो के दीर्घकालिक हितों में।

इस प्रकार, कानूनी सीमाओं, बदलते वैश्विक नैतिक दृष्टिकोण और रणनीतिक हितों के कारण नाटो ने पुर्तगाल का साथ देकर युद्ध में उतरने से परहेज किया। यह घटना दिखाती है कि अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन भी हमेशा अपने घोषित सिद्धांतों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों और हितों से संचालित होते हैं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सावधान, रात में सड़कें पुरुषों के लिए आरक्षित हैं

दिन में जितना महिलाओं के लिए व्यवस्था को आरक्षित किया गया, उतनी ही रातें महिलाओं के लिए भयावह, असुरक्षित, सीमाबद्ध और खोल में सिमटाव लिए है, क्योंकि रात में सड़कें पुरुष वर्ग के लिए जो आरक्षित हैं। महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन के कपाट केवल दिन दोपहरी ही खुलते हैं। रात की कालिमा में जाने किस पुरुष पर उसकी मूल जंतु प्रकृति हावी हो जाए कहा नहीं जा सकता। उत्तराखंड में ऋषिकेश के वंतारा रिजॉर्ट में अंकिता भंडारी हत्याकांड हो अथवा उन्नाव बलात्कार या निर्भया का दिल दहलाने वाला हत्याकांड तमाम मामलों में मृतक महिला के नाम केवल मोमबत्तियां, रैली, धरना, प्रदर्शन और मृत्यु के पश्चात चारित्रिक बलात्कार आता है और आरोपी रसूख वाले हैं, तो सबूत और गवाहों के नामोनिशान मिटा दिए जाते हैं। कानून न्याय भावनाओं से नहीं सबूत और गवाहों से संचालित होता है। पितृसत्तात्मक, अर्थकेंद्रित व्यवस्था सबूत मिटाने और गवाह को तोड़ने में सदा कामयाब रही है। रात में सड़कों पर पुरुषों का वर्चस्व रहा है।

बीना नयाल
लेखिका, अल्मोड़ा

मेरी एक कॉलेज मित्र, जिसने एमबीए किया था, नोएडा की किसी कंपनी में कार्यरत थी। दूसरा बच्चा होने के पश्चात उसके प्रमोशन के लिए शिफ्ट ड्यूटी करना अनिवार्य हो गया, जब भी शिफ्ट होती थी, उसका पति या देवर उसको आनंद विहार लेने जाता था, क्योंकि ऑफिस कैब केवल आनंद विहार तक उपलब्ध थी। बीते दिनों रात 10:30 बजे उसका फोन आया। मैं अर्धनिद्रा की अवस्था में थी। मैंने बोला कहां है तू? वो बोली आनंद विहार पहुंचने वाली हूं। मैंने पूछा पति आएंगे, वह बोली नहीं वह 26 जनवरी की परेड के पास का इंतजाम करने गए हैं। बोली आज नौकरी के चक्कर में घर में कहासुनी हो गई। सब बच्चों का एहसान जताते हैं। इसलिए मैंने देवर को भी आने का सही वक्त नहीं बताया है। आज रानी लक्ष्मीबाई बनघर तक का ऑटो लूंगी। मित्र दिल्ली में ज्योति कॉलोनी में डीडीए फ्लैट में रहती थी। अगले दिन 26 जनवरी का दिन था, सोचा उसने गणतंत्र दिवस की परेड लाइव देखी होगी, तो शाम को फोन लगाया। फोन उठाते ही वह रुंधे गले से बोली यार, कल हादसा होते-होते बचा। आनंद विहार से केवल नंद नगरी का ऑटो मिला, क्योंकि उसका घर वहीं था और वो आगे जाने को तैयार नहीं था। रात 11:30 बजे ऑटो वाले को पैसे दे रही थी कि दो बाइक सवार ने मेरे ऊपर पिस्टल तान दी और बोला चल मेरे साथ में। मैं रोने लगी। मैंने जल्दी से ऑटो वाले के हाथ जोड़े और बोली भैया बचा लो मुझे। ऑटो वाले ने अपनी जान जोखिम में डालकर तेजी से ऑटो चलाया और सीधा नंद नगरी थाने में रोका, जहां मुझे महिला पुलिस को सौंप दिया। वह बाइक सवार भी पीछा करते रहे। आटो वाले ने पुलिस वालों को सब कुछ बताया, मैं कांप रही थी, डर के मारे आवाज भी नहीं निकल रही थी। मैंने घर पर फोन किया, देवर आया तो पुलिस वालों ने फटकारा, कैसे अकेले महिला को रात में सड़कों पर सफर करने छोड़ देते हैं? इस घटना के पश्चात मेरी मित्र ने नौकरी के साथ स्वरोजगार पर भी ध्यान दिया। स्वरोजगार बढ़िया चल निकला तो नौकरी छोड़ दी। आज भी उस घटना को याद करके मुहं से बस यही निकलता है कि रात में सड़कें पुरुषों के लिए आरक्षित हैं। समाज में समृद्धि का ग्राफ जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उतनी तीव्रता से महिला सुरक्षा का ग्राफ लगातार गिर रहा है। शायद यह परवरिश का ही नतीजा है कि हम महिलाओं को तो नैतिकता के सांचे में ढाल देते हैं, परंतु कुछ पुरुषों की गलत शिक्षा, उन्हें मर्द तो नहीं बनाती है, लेकिन भेड़िया जरूर बना डालती हैं, जिससे पीड़ित और परिवार तो प्रभावित होता ही है। साथ ही पूरा समाज और तंत्र की नीयत भी संदेह व निशाने पर आ जाती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

घुघुतिया पर्व

लोकसंस्कृति और उत्तरायणी की आत्मा

'काले कौवा आ ले घुघुति माला खा ले- घुघुति माला खा ले' कभी ये आवाज उत्तराखंड के सुदूर ग्रामीण अंचलों, उत्तराखंड के विकसित क्षेत्रों सहित प्रत्येक उत्तराखंडी परिवार का बहुत ही लोकप्रिय गीत हुआ करता था। प्रत्येक उत्तराखंडी परिवार चाहे वह प्रदेश में अथवा देश के किसी भी कोने रहता हो। इस घुघुतिया त्योहार को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। यह कुमाऊं क्षेत्र में अत्यंत लोकप्रिय त्योहार है, जिसे उत्तराखंड में उत्तरायणी त्योहार के साथ मनाया जाता है। घुघुतिया त्योहार मुख्य रूप से कुमाऊं क्षेत्र में बहुत ही प्रचलित है, उत्तराखंड में उत्तरायणी का त्योहार धार्मिक मान्यता लिए हुए है। बागेश्वर में प्रति वर्ष उत्तरायणी मेले का आयोजन होता है, जो एक सप्ताह तक चलता है। यह उत्तराखंड के क्षेत्र का अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला त्योहार माना जाता है। आज भी उत्तराखंड के लोग गांव हों या भारत वर्ष में कहीं, जहां उत्तराखंडी प्रवासी बंधु रहते हैं, उत्तरायणी के त्योहार को बड़ी ही धूमधाम से मनाते है।

मोहन सिंह बिष्ट
समाजसेवी

उत्तरायणी त्योहार पूरे उत्तराखंड का लोकप्रिय त्योहार है। इसका धार्मिक महत्व भी है। कहते हैं अयोध्या में जब प्रभु श्रीराम का भव्य राजतिलक का आयोजन हो रहा था, तो इस आयोजन में सम्मिलित होने के लिए जगत पिता ब्रह्मा जी भगवान विष्णु की मानस पुत्री सरयु देवी को अपने साथ अयोध्या लेकर जा रहे थे तभी मार्ग में मार्कण्डेय ऋषि का आश्रम पड़ा। मार्कण्डेय ऋषि एक वृक्ष के नीचे साधना कर रहे थे। यह देखकर सरयू रुक गईं और मार्ग में ऋषि के बैठने से उत्पन्न बाधा के कारण व्याकुल होने लगीं। यह देखकर माता पार्वती को उन पर दया आ गई, उन्होंने भगवान शिव की ओर उनकी सहायता हेतु देखा, तो भोलेनाथ ने लीला रची, उन्होंने एक व्याघ्र का रूप धारण कर लिया और माता पार्वती गोमाता रूप धरकर लीला करने लगे। व्याघ्र गाय की ओर झपटा उससे मार्कंडेय जी ध्यान टूटा और वो गोमाता की रक्षा हेतु मार्ग से हट गए। देवी सरयू प्रसन्न होकर अपने मार्ग से बहकर आगे बढ़ गईं, जिस स्थान पर भगवान शिव ने व्याघ्र का रूप धरा था, उस स्थान ऋषि मार्कण्डेय द्वारा भगवान व्याघ्रेश्वर महादेव को शिवलिंग के रूप में स्थापित किया, उन्हीं के नाम पर व्याघेश्वर से धीरे-धीरे अपभ्रंश होकर, उस स्थान का नाम बागेश्वर पड़ा। उसी स्थान पर पवित्र गोमती नदी और मान्यता है कि लुप्त सरस्वती नदी की धारा भी बहती थी। इससे तीनों पवित्र नदियों का संगम होने के कारण यह स्थान और भी पवित्र हो गया। इस दिन को समस्त जनमानस नदी के पवित्र जल में स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा आराधना करने लगा। धीरे-धीरे इस स्थान पर दूर-दूर से श्रद्धालु आकर पूजा-अर्चना करने लगे तथा स्नान ध्यान और दान इत्यादि से सभी प्रकार कष्टों मुक्त होने की भावना से एकत्र होने लगे। इस स्थान का महत्व बढ़ता गया। उत्तरायणी प्रमुख रूप से मकर संक्रांति का त्योहार ही है। उत्तराखंड में भी यह कुमाऊं क्षेत्र में घुघुति त्योहार और गढ़वाल क्षेत्र में खिचड़ी संक्रांति के नाम से मनाया जाता है और पूरे उत्तराखंड में यह बहुत ही लोकप्रिय त्योहार है। इस दिन लोग प्रातः काल नदी में स्नान करके सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं और उनकी उपासना करते हैं तथा खिचड़ी का दान भी करते हैं।

उत्तरायणी कैथीग

उत्तराखंड में जिला बागेश्वर के अलावा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तथा बरेली में भी प्रति वर्ष उत्तरायणी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। राजधानी लखनऊ में विभिन्न पर्वतीय प्रवासी संगठन धूमधाम से उत्तरायणी का त्योहार मनाते हैं। पर्वतीय महापरिषद के द्वारा इस अवसर पर महानगर रामलीला ग्राउंड से लेकर न्यू हैदराबाद स्थित गोमती तट के किनारे भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत सांस्कृतिक उपवन तक भव्य शोभा यात्रा के साथ दस दिवसीय 'उत्तरायणी कैथीग' का भी आयोजन किया जाता है। इस वर्ष संस्था के रजत जयंती वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'उत्तरायणी कैथीग' '15 दिवसीय' कर दिया गया है। यह कौथीग (मेला) 14 जनवरी से 28 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस मेले में उत्तराखंडी जड़ी बूटियों, खान-पान, पहनावे, हस्तशिल्प, ज्वेलरी, दन, शाक-सब्जी में मूली, गडेरी इत्यादि के स्टॉल लगते हैं तथा उत्तराखंडी लोकसंस्कृति को दर्शाने वाले कार्यक्रम लोकनृत्य लोकगीतों की धूम रहती है। बड़े-बड़े गणमान्य अतिथियों के साथ-साथ आम प्रवासी उत्तराखंडी बंधु भी इस कार्यक्रम में बड़े ही उत्साह से भाग लेते हैं। उत्तरायणी के इस मेले से स्थानीय लोगों में पर्वतीय संस्कृति के प्रति जिज्ञासा और अनुराग बढ़ा है, जिससे भारी संख्या में स्थानीय निवासी भी उत्तराखंडी कार्यक्रमों में जुटते हैं तथा भाग भी लेते हैं।

पौराणिक कथा

उत्तराखंड में घुघुतिया त्योहार के पीछे स्थानीय कथा प्रचलित है कि कुमाऊं क्षेत्र में राजा कल्याण चंद का शासन था, उनके कोई संतान नहीं थी। ईश्वर की आराधना करने के बाद, उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, जिसका नाम निर्भय चंद था, जिसे प्यार से रानी घुघुतिया कहकर बुलाती थी। घुघुतिया को रानी ने सुंदर सी मोतियों की माला पहना रखी थी। घुघुतिया जब आंगन में खेलता तो रानी मां उसे खिलाते हुए कौओं से कहती थीं। काले कौवा आरे घुघुति की माला खा ले और घुघुति जोर-जोर से ताली बजाकर खुश होता था। घुघुतिया को खेलने के लिए रानी मां पकवान भी रखती थीं, तो कौवे आकर घुघुति के पास एकत्र हो जाते, तो वो उन्हें प्यार से पकवान खिलाता था। धीरे-धीरे घुघुति बड़ा होने लगा और कौवों से उसकी दोस्ती हो गई और वह कौवों के साथ खेलता रहता था। राजा कल्याण चंद का मंत्री बड़ा हो दुष्ट था, जब राजा निःसंतान था, तो उसे राज्य पाने की आस थी, लेकिन राजकुमार घुघुतिया के जन्म लेने से उसका सपना टूट गया था, वो मन ही मन में घुघुतिया से शत्रुता रखने लगा और एक दिन मौका पाकर वह राजकुमार घुघुति को उठाकर उसे मारने की नियत से घने जंगल की ओर ले जाने लगा। ऐसा करते हुए कौवों ने उसे देख लिया। सभी कौवे अपने दोस्त घुघुति को बचाने के लिए मंत्री और उसके साथियों पर टूट पड़े। कुछ कौवे घुघुति की कीमती मोतियों की माला लेकर राजमहल में पहुंचकर कांव-कांव करने लगे। तभी राजा और रानी की नजर घुघुति की माला पर पड़ी, जिसे कौवा चोंच में दबाए हुए था, उसके साथी कांव-कांव कर रहे थे। राजा-रानी समझ गए कि घुघुति संकट में है। राजा ने अपने सैनिकों को लेकर जंगल में जाकर घुघुति को बचाया और उस दुष्ट मंत्री को बंदी बना, उसे मृत्युदंड दिया, घुघुति की जीवन रक्षा होने और सही सलामत घर लौटने पर नगर की राजा सहित समस्त प्रजा बहुत प्रसन्न हुई तथा राजा के आदेश पर नगर में उत्सव का माहौल बन गया। कौओं के सम्मान में सभी नगरवासियों ने घुघुते सहित तरह-तरह के पकवान बनाकर कौवों के साथ-साथ एक दूसरे को भी खिलाए और गीत-संगीत के साथ पूरे वातावरण में हर्षोलासित होकर प्रत्येक वर्ष घुघुतिया त्योहार मनाने लगे। इस घटना का समय और उत्तरायणी का त्योहार एक समय होने के कारण घुघुतिया त्योहार के रूप में मनाया जाने लगा। घुघुति अंग्रेजी अक्षर & के प्रकार का एक पकवान होता है, जो खाने में अत्यंत स्वादिष्ट होता है, जिसे बनाकर उत्तराखंडी माताएं, उन्हें एक मजबूत धागे में माला पिरोकर बच्चों को खेलने के लिए दे देती थीं। सभी बच्चे अपनी-अपनी माला लेकर दौड़ते-हंसते-कूदते अत्यंत प्रसन्न होकर कौवों को आवाज लगाते हैं। 'काले कौवा आ ले घुघुति माला खा ले', 'काले कौवा आले घुघुति माला खा ले'।

पोंगल: तमिल परंपरा का जीवंत उत्सव

लोकायन

तमिलनाडु का शस्योत्सव अथवा फसल कटाई का पर्व पोंगल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि और जीवन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सांस्कृतिक उत्सव है। यह पर्व नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस शुभ अवसर पर सूर्य को समस्त सृष्टि के पीछे निहित जीवन-ऊर्जा के रूप में पूजा जाता है। यह पर्व चार दिनों तक मनाया जाता है और इस अवधि को उत्तरायण पुण्यकालम कहा जाता है, जिसे हिंदू सौर कैलेंडर के अनुसार अत्यंत शुभ माना गया है। इस वर्ष पोंगल 15 जनवरी से 18 जनवरी तक मनाया जाएगा। लगभग दो हजार वर्ष पुराने इस त्योहार के प्रमाण चोल काल से मिलते हैं, जो इसकी प्राचीनता और सांस्कृतिक गहराई को दर्शाते हैं। पोंगल मुख्य रूप से तमिलनाडु में उगाई जाने वाली तीन प्रमुख फसलों चावल, हल्दी और गन्ना के इर्द-गिर्द केंद्रित है। 'पोंगल' शब्द का अर्थ है उबलना या ऊपर से बहना। यही अर्थ उस पारंपरिक व्यंजन से भी जुड़ा है, जो इस पर्व का अभिन्न अंग है। यह उबाल समृद्धि, भरपूर फसल और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।

परंपरागत रूप से पोंगल शुभ मुहूर्त में घर के आंगन में पकाया जाता है। यह मुहूर्त अक्सर मंदिर के पुजारी द्वारा बताया जाता है। आज भी कई घरों में पत्थर से बने चूल्हों पर मिट्टी के बर्तनों में पोंगल पकाने की परंपरा जीवित है। लकड़ी के ईंधन पर पकाया गया पोंगल अपने विशिष्ट स्वाद और सुगंध के लिए जाना जाता है। जैसे ही पकवान उबलकर बर्तन से बाहर आने लगता है, लोग 'पोंगालो पोंगल' का सामूहिक उद्घोष करते हैं। इस समय एक-दूसरे से पूछा जाता है-"पाल पोंगिता?" यानी क्या दूध उबल गया है?-जो शुभता का संकेत होता है। पोंगल की शुरुआत मकर संक्रांति यानी सूर्य उत्तरायण से होती है और यह चार दिनों तक विभिन्न रूपों में मनाया जाता है भोगी पोंगल, थाई पोंगल, मट्टू पोंगल और कानुम पोंगल।

भोगी पोंगल

पोंगल उत्सव का पहला दिन भोगी पोंगल कहलाता है। इस दिन वर्षा और समृद्धि के देवता भगवान इंद्र की पूजा की जाती है, क्योंकि अच्छी फसल के लिए वर्षा का विशेष महत्व होता है। इसी कारण इसे इंद्रन भी कहा जाता है। इस दिन घरों की विशेष साफ-सफाई की जाती है और फर्श पर चावल के घोल से सुंदर कोलम बनाए जाते हैं। कोलम न केवल सजावटी होते हैं, बल्कि उस पवित्र स्थान को भी चिह्नित करते हैं, जहां पोंगल पकाया जाएगा। दिन के अंत तक खेतों से ताजी फसल चावल, हल्दी और गन्ना घर लाई जाती है। शाम को भगवान इंद्र के सम्मान में अलाव जलाए जाते हैं, जिनके चारों ओर नृत्य और गायन का आयोजन होता है।

सूर्य / थाई पोंगल

दूसरा दिन थाई पोंगल या सूर्य पोंगल कहलाता है और इसे सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन की शुरुआत प्रातः काल स्नान के बाद कोलम बनाने से होती है, जो प्रायः घर की महिलाएं करती हैं। परिवार के सभी सदस्य नए वस्त्र धारण करते हैं और फिर पोंगल पकाने की मुख्य रस्म आरंभ होती है। मिट्टी के बर्तन में चावल उबाले जाते हैं, जिनमें हल्दी का पौधा बांधा जाता है। बर्तन को सुंदर चित्रकारी से सजाया जाता है और आंगन में चूल्हे पर रखा जाता है। पकने के बाद पोंगल को केले, नारियल और गन्ने के साथ सूर्य देव को अर्पित किया जाता है। पहले देवताओं, फिर मवेशियों और अंत में परिवार व मित्रों को पोंगल बांटा जाता है। इस क्रम का पालन अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

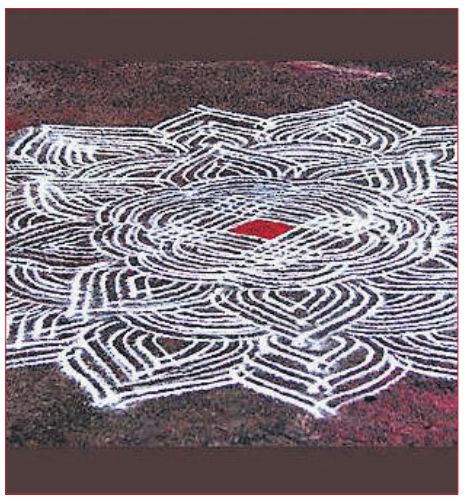

मट्टू पोंगल

तीसरे दिन मट्टू पोंगल मनाया जाता है, जो मवेशियों को समर्पित होता है। किसान के जीवन में मवेशियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, इसलिए इस दिन उनका आभार प्रकट किया जाता है। मवेशियों को स्नान कराया जाता है, उनके सींगों को रंगा-संवारा जाता है और फूलों से सजाया जाता है। बुरी नजर से बचाने के लिए उनकी आरती की जाती है। इस दिन जल्लीकट्टू जैसे पारंपरिक पशु खेलों का भी आयोजन होता है।

कानुम पोंगल

चौथा और अंतिम दिन कानुम पोंगल उत्सव के समापन का प्रतीक है। यह आनंद और मेल-मिलाप का दिन होता है। इस दिन चावल को हल्दी के पत्तों पर रखकर पक्षियों के लिए अर्पित किया जाता है। घर की महिलाएं परिवार की समृद्धि और भाइयों की कुशलता के लिए सामूहिक प्रार्थना करती हैं। हल्दी जल से आरती कर उसे पूरे घर में छिड़का जाता है। कानुम पोंगल को नए रिश्ते तय करने, विवाह प्रस्तावों और नए सामाजिक बंधनों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस प्रकार पोंगल केवल फसल का उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति, परंपरा और सामूहिक जीवन-मूल्यों का उत्सव है, जो आज भी तमिल संस्कृति की जीवंत पहचान बना हुआ है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समकालीन कला का संकट

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

भारतीय कला इतिहास की चर्चा करते समय प्रायः यह स्वीकार किया जाता है कि सदियों तक यह परंपरा पुरुषसत्ता, राजसत्ता और धर्मसत्ता के प्रभाव में संचालित होती रही। वरिष्ठ कलाकार और कला समीक्षक अशोक भौमिक के अनुसार, इसी कारण भारतीय कला में लंबे समय तक आम जनजीवन, शर्म, पीड़ा और व्यक्तिगत भावनाओं का प्रत्यक्ष प्रकटीकरण सीमित रहा। इस दृष्टि से देखें, तो उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध और बीसवीं सदी के आरंभ में विकसित बंगाल पुनर्जागरण काल की कला भी इस संरचनात्मक सीमा से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकी। ऐसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में स्वतंत्रता के बाद प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप (1947) की स्थापना भारतीय कला में एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। एफ.एन. सूज़ा, एम.एफ़. हुसैन, एस.एच. रज़ा, के.एच. आरा और रामकुमार जैसे कलाकारों ने न केवल औपनिवेशिक अकादमिक यथास्थिति को चुनौती दी, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव, सामाजिक यथार्थ और आधुनिक चेतना को चित्रकला का विषय बनाया। यह वह क्षण था, जब भारतीय कला में कलाकार की निजी अभिव्यक्ति पहली बार पूरे आत्मविश्वास के साथ उभरती है।

संवाद होना चाहिए कला का मूल उद्देश्य

आधुनिकता के विस्तार को आगे बढ़ाते हुए भूपेन खख्खर ने मध्यमवर्गीय जीवन, यौनिक पहचान और घरेलू संसार को चित्रकला के केंद्र में रखा, गुलाम मोहम्मद शेख ने इतिहास, मिथक और समकालीन राजनीति के जटिल संवाद रचे और अर्पिता सिंह ने स्त्री अनुभवों को निजी स्मृति और सामाजिक असुरक्षा के साथ जोड़ा। इन कलाकारों के यहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अराजक नहीं, बल्कि वैचारिक जिम्मेदारी के साथ दिखाई देती है। हालांकि पिछले दो-तीन दशकों में समकालीन भारतीय कला में एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से उभरी है, जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता स्वयं एक उद्देश्य बनती दिखाई देती है। परिणामस्वरूप ऐसी कृतियां सामने आती हैं, जिनमें न तो माध्यम के साथ गहरा संघर्ष दिखता है, न विषय के साथ कोई जोखिम। कई बार ये कृतियां वैश्विक कला बाजार की मांग, क्यूरेटर-केंद्रित शब्दावली या त्वरित दृश्य प्रभाव के लिए गढ़ी हुई प्रतीत होती हैं। इसी संदर्भ में द आर्ट न्यूजपेपर के सहयोगी संपादक बेन ल्यूक का हालिया टिप्पणी-लेख "वी आर लिविंग इन एन एज ऑफ बैड पेन्टिंग" यानी "हम एक खराब कला के दौर में रह रहे हैं" विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। ल्यूक स्पष्ट करते हैं कि उनका प्रश्न केवल ब्रिटेन या फ्रिज लंदन जैसे कला मेलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आज की वैश्विक चित्रकला की वैचारिक स्थिति पर एक गंभीर टिप्पणी है। भारतीय संदर्भ में भी यह प्रश्न अप्रासंगिक नहीं है। एक ओर वी.एस. गायतोंडे, जेराम पटेल या नसरीन मोहम्मदी जैसे कलाकारों की परंपरा है, जहां अमूर्तता भी गहन साधना और अनुशासन से उपजती है। दूसरी ओर आज ऐसी चित्रकला भी दिखाई देती है, जो केवल 'अवधारणा' के नाम पर दर्शक से किसी भी संवेदनात्मक या बौद्धिक संवाद से बचती है।

यहां आम दर्शकों के बीच प्रचलित वह व्यंग्यात्मक किस्सा याद आता है- खाली कैनवास पर गाय के घास चरने की कहानी। यह मजाक भले ही अतिरंजित हो, पर वह उस दूरी की ओर संकेत करता है, जो कई बार समकालीन कला और सामान्य दर्शक के बीच पैदा हो गई है। दर्शक यह मानने को विवश हो जाता है कि आधुनिक कला समझ से परे है, जबकि कला का मूल उद्देश्य संवाद होना चाहिए- भले ही वह सहज न हो।

भारतीय समकालीन कला के सामने चुनौती

निस्संदेह, चित्रकला एक दृश्य भाषा है और उसका अनुवाद शब्दों में अनिवार्य नहीं। किंतु इतिहास बताता है कि महान आधुनिक और समकालीन कलाकारों-चाहे वे रामकुमार, तैयब मेहता हों या के.जी. सुब्रमण्यम, ने अपने समय के प्रश्नों से टकराते हुए ऐसी दृश्य भाषाएं रचीं, जो जटिल होते हुए भी अर्थपूर्ण थीं। यहां बेन ल्यूक का प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह हमें यह याद दिलाता है कि "सब कुछ स्वीकार्य है" का वातावरण कला के लिए उतना ही खतरनाक हो सकता है, जितना सेंसरशिप। भारतीय समकालीन कला के सामने भी आज यही चुनौती है कि वह स्वतंत्रता और जिम्मेदारी, प्रयोग और संवेदना तथा वैश्विक संवाद और स्थानीय अनुभव के बीच संतुलन कैसे बनाए? स्पष्ट है कि 'खराब कला' की यह बहस आने वाले समय में और तेज होगी और ऐसे में संभव है कि भारतीय कला जगत के लिए यह आत्मपरीक्षण का एक जरूरी अवसर भी बन सकती है।

आर्ट गैलरी

अतियथार्थ का स्वप्नलोक

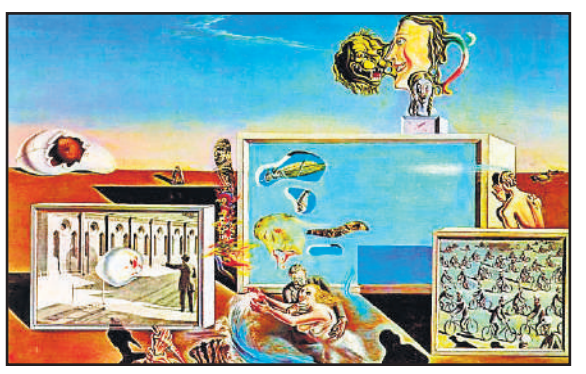

1929 में निर्मित साल्वाडोर डाली की प्रसिद्ध कृति "प्रकाशित सुख" अतियथार्थवादी कला की एक महत्वपूर्ण आधारशिला मानी जाती है। यह चित्र केवल दृश्य सौंदर्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दर्शक को अवचेतन मन की रहस्यमय और जटिल परतों में प्रवेश करने के लिए प्रेरित करता है। स्पेन के कैटालोनिया क्षेत्र में उभरते कला-आंदोलनों के प्रभाव में बनी यह रचना आंद्रे ब्रेटन और मैक्स अर्न्स्ट जैसे अतियथार्थवादी विचारकों की मुक्त और प्रयोगधर्मी चेतना को प्रतिबिंबित करती है। चित्र में एक काल्पनिक परिदृश्य उभरता है, जहां अनेक पुरुष आकृतियां असंबद्ध और तर्क से परे क्रियाओं में लीन दिखाई देती हैं। लहरदार, रेगिस्तानी भू-भाग के बीच स्थित एक केंद्रीय आकृति पूरे दृश्य पर प्रभुत्व स्थापित करती है, जबकि आसपास फैली अन्य आकृतियां किसी स्वप्न की भांति अलग-अलग भावनाओं और स्थितियों को व्यक्त करती हैं।

सल्वाडोर डाली के बारे में- 1904 में स्पेन के फिगेरेस में जन्मे सल्वाडोर डाली का जीवन उतना ही असाधारण था, जितनी उनकी कला। बचपन से ही उनकी प्रतिभा स्पष्ट थी, किंतु पारिवारिक अनुभवों और निजी आघातों ने उनके भीतर द्वैत और रहस्य की भावना को गहराई दी। सैन फर्नांडो अकादमी में औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने पारंपरिक सीमाओं को अस्वीकार किया और अपनी स्वतंत्र शैली विकसित की। पुनर्जागरण की तकनीकी परिपक्वता और स्वप्निल कल्पना के अद्वितीय मेल ने डाली को अतियथार्थवाद का सबसे प्रभावशाली चित्रकार बना दिया।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,627.69	25,732.30
गिरावट	250.48	57.95
प्रतिशत में	0.30	0.22

सोना 1,45,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,71,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 14 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

स्कोडा की घरेलू बिक्री पिछले वर्ष 36% बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने बीते वर्ष 1,17,000 इकाई के साथ अब तक की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दर्ज की है जो सालाना आधार पर 36 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि घरेलू बिक्री एवं निर्यात सहित 2025 में कुल बिक्री 1,59,500 इकाई रही। यह उपलब्धियों से भरा साल रहा जिसमें एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने 'मेड-इन-इंडिया' गाड़ियों के मामले में 20 लाख का आंकड़ा पार किया। यह इसके विनिर्माण कार्यों के पैमाने और परिपक्वता को रेखांकित करता है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के सीईओ पीयूष अरोड़ा ने कहा, 2025 हमारे लिए उद्देश्यपूर्ण और व्यापक प्रगति का वर्ष रहा है।

बजट में युक्तिसंगत किया जाए सीमा शुल्क

नई दिल्ली। सलाहकार फर्म डेलॉयट इंडिया ने मंगलवार को सुझाव दिया कि आगामी बजट में आयात शुल्क संरचना को युक्तिसंगत बनाने और आवंटन बढ़ाने से घरेलू विनिर्माण और देश के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। डेलॉयट इंडिया ने कहा कि विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) व्यवस्था में सुधार, जैसे कि 'छोड़े गए शुल्क' के आधार पर घरेलू आपूर्ति की अनुमति देना, उप-अनुबंध मानदंडों को आसान बनाना और मूल्यवर्धन को सीमा-शुल्क से छूट देने के साथ ही एक सीमित सीमा-शुल्क माफी योजना से प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और मुकदमों में कमी आएगी।

टाटा ने पंच का नया अवतार पेश किया

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने मंगलवार को पंच का नया अवतार पेश किया जिसमें कई नए फीचर जोड़े गए हैं। माइक्रो-एसयूवी श्रेणी में वह हुंडई एक्सटर, सिट्रोएन सी3 और मारुति इग्निस को टक्कर दे रही है। टाटा ने पंच में नया टर्बो पेट्रोल इंजन, सीएनजी के साथ ऑटोमैटिक गियरबॉक्स, 10.25-इंच की बड़ी स्क्रीन, 360-डिग्री कैमरा और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स शामिल किए हैं। पंच का सबसे बड़ा अपडेट इसका नया इंजन विकल्प है। अब इसमें टर्बो पेट्रोल का विकल्प भी जोड़ दिया गया है।

ट्रंप की नई धमकी से भारतीय निर्यातक चिंतित

ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है 25% शुल्क लगाने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद निर्यातक सतर्क हो गए हैं। उनका कहना है कि अतिरिक्त शुल्क के प्रभाव का आकलन ट्रंप प्रशासन की ओर से अधिसूचना जारी होने के बाद ही किया जा सकेगा। भारतीय निर्यातक पहले से 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। यह एक ऐसा कदम है जो भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे ईरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों को प्रभावित कर सकता है। निर्यातकों के संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस' (फियो) ने मंगलवार को कहा कि घरेलू कंपनियां ईरान के साथ व्यापार से संबंधित सभी प्रतिबंधों का अनुपालन कर रही हैं। हालांकि ट्रंप की ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा पर स्पष्ट जानकारी मिलने पर ही इस चेतावनी के प्रभाव का आकलन संभव हो पाएगा। ट्रंप की घोषणा से भारत-ईरान व्यापार संबंधों पर असर पड़ सकता है।

फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, भारतीय कंपनियां और बैंक, ईरान पर लगाए गए ओएफएसी (विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय) प्रतिबंधों का पूरी तरह और स्पष्ट रूप से पालन कर रहे हैं। हम केवल खाद्य पदार्थों और दवा क्षेत्र में ही काम कर रहे हैं जिन पर रोक नहीं है, इसलिए भारत पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की आशंका का कोई आधार नहीं है। एक निर्यातक ने कहा, हम अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा से चिंतित हैं। हम इस संबंध में अमेरिका से अधिसूचना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत से ईरान को होने वाले प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवा, कृत्रिम रेशे, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं। प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं।

ईरान में अशांति से भारतीय बासमती के निर्यात पर असर

नई दिल्ली। ईरान में जारी नागरिक अशांति का असर भारत के बासमती चावल के निर्यात पर पड़ना शुरू हो गया है जिससे घरेलू कीमतों में भारी गिरावट आई है। निर्यातकों को भुगतान में देरी और बढ़ती अनिश्चितता इसकी मुख्य वजह है। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन ने निर्यातकों से ईरानी अनुबंधों पर जोखिमों का पुनर्मूल्यांकन करने और भुगतान के सुरक्षित तरीके अपनाने का आग्रह किया है। साथ ही ईरानी बाजार के लिए जरूरत से ज्यादा भंडार रखकर जोखिम न लेने की सलाह दी है। व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान ईरान को 468.10 अमेरिकी डॉलर का बासमती चावल निर्यात किया जिसकी कुल मात्रा 5.99 लाख टन थी। ईरान भारत का सबसे बड़ा बासमती चावल आयातक है लेकिन अस्थिरता के कारण ऑर्डर प्रवाह, भुगतान चक्र और निर्यात पर दबाव बढ़ रहा है। इसका असर अब घरेलू मंडियों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। एक सप्ताह में ही बासमती की प्रमुख किस्मों की कीमतों में भारी गिरावट आई है।

नए शिखर पर चांदी-सोना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमतें 6,000 रुपये उछलकर 2,71,000 रुपये किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। स्टॉकिस्टों की लगातार खरीदारी के बीच सोना भी 400 रुपये बढ़कर 1,45,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त जारी रखी और 6,000 रुपये यानी 2.3 प्रतिशत उछलकर सभी करो समेत 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी 15,000 रुपये यानी छह प्रतिशत की जबर्दस्त उछाल के साथ 2,65,000 रुपये प्रति किग्रा के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। यह शुक्रवार को 2,50,000 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। मंगलवार की बढ़त के साथ चांदी पिछले तीन कारोबारी सत्रों में कुल 21,000 रुपये यानी 8.4 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगा चुकी है। वर्ष 2026 में अब तक चांदी ने कुल 32,000 रुपये यानी 13.4 प्रतिशत की तेज बढ़त दर्ज की है। यह 31 दिसंबर, 2025 को 2,39,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी।

चांदी 6,000 रुपये उछलकर 2,71,000 रुपये किलो पर

* तीन सत्रों में 21,000 रुपये की वृद्धि

सेंसेक्स 250 अंक टूटा

मुंबई। विदेशों से मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 250.48 अंक यानी 0.30 फीसदी टूटकर 83,627.69 पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 57.95 अंक यानी 0.22 प्रतिशत गिरकर 25,732.30 अंक पर रहा। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलिटी, फार्मा, तेल एवं गैस, ऑटो और एफएमसीजी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। आईटी, बैंकिंग, मीडिया और रसायन समूहों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट और एलएंडटी में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही।

सरकार ने अफगानिस्तान के साथ व्यापार निलंबित करने के दावों को खारिज किया

नई दिल्ली। सरकार ने ईरान में अशांति के कारण भारत के अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध निलंबित करने के दावों को मंगलवार को खारिज कर दिया। पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें फैलाई जा रही हैं कि ईरान में अशांति के कारण भारत ने अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध निलंबित कर दिए हैं।

- पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही हैं झूठी खबरें

भारत सरकार की ओर से कहा गया है कि ये खबरें पूरी तरह झूठी हैं। इस संबंध में पाकिस्तान के दुष्प्रचार करने वाले कुछ खाते मनगढ़ंत पत्र प्रसारित कर रहे हैं। 'पीआईबी फैक्ट चेक' ने सोशल मीडिया पर लिखा, पाकिस्तानी दुष्प्रचार खातों द्वारा एक मनगढ़ंत पत्र प्रसारित किया जा रहा है जिसमें झूठा दावा किया गया है कि ईरान में बढ़ती अशांति के कारण भारत ने अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में अफगानिस्तान को भारत का निर्यात 31.891 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा जबकि आयात 68.981 करोड़ अमेरिकी डॉलर था।

रूस से तेल खरीदने में तीसरे स्थान पर खिसका भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- रिलायंस ने की आयात में भारी कटौती, अब चीन पहले और तुर्किए दूसरे नंबर पर

रिलायंस इंडस्ट्रीज और सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों की ओर से कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती के बाद दिसंबर 2025 में रूस से इस ईंधन को खरीदने के मामले में भारत तीसरे स्थान पर आ गया है। यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने इस संबंध में आंकड़े जारी किए।

सीआरईए के अनुसार भारत द्वारा रूस से कुल हाइड्रोकार्बन आयात दिसंबर में 2.3 अरब यूरो रहा, जो पिछले महीने के 3.3 अरब यूरो से कम है। रिपोर्ट में कहा गया, ''तुर्की भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया, जिसने रूस से दिसंबर में 2.6 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन खरीदे। चीन शीर्ष खरीदार बना रहा, जिसकी रूस के शीर्ष पांच आयातकों से होने वाली निर्यात आय में 48 प्रतिशत (छह अरब यूरो) की हिस्सेदारी रही। कहा, भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने दिसंबर में कुल 2.3 अरब यूरो के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया। इसके मुताबिक, भारत की कुल खरीद में कच्चे तेल की हिस्सेदारी 78 प्रतिशत थी, जो कुल 1.8 अरब यूरो रही। इसके अलावा कोयला (42.4 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद (8.2 करोड़ यूरो) आयात किया गया।

इंडिगोः न्यू ईयर सेल में किराए की शुरुआत 14,99 रुपये से

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को न्यू ईयर सेल की घोषणा की जिसमें घरेलू मार्गों पर किराया 1,499 रुपये से शुरू हो रहा है।

इंडिगो ने बताया कि सेल 13 से 16 जनवरी तक जारी रहेगी। इसमें घरेलू मार्गों पर सभी कर सहित किराया 1,499 और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर 4,499 रुपये से शुरू होगा। इसके साथ, चुनिंदा 6 ई एडऑन पर 70 प्रतिशत तक की छूट भी मिलेगी। इस ऑफर के तहत 20 जनवरी से 30 अप्रैल तक की यात्रा के लिए टिकट की बुकिंग की जा सकेगी। बुकिंग यात्रा से सात दिन पहले करानी होगी। इंडिगोस्ट्रेच का किराया चुनिंदा घरेलू मार्गों पर 9,999 रुपये से शुरू होगा। इंडिगो की वेबसाइट, एप, व्हाट्सएप और एआई एसिस्टेंट 6 ईस्काई से टिकट बुक कराने पर दो साल तक के बच्चों के टिकट एक रुपये में बुक होंगे।

एनपीएस में सुनिश्चित पेंशन के लिए बनाई गई विशेषज्ञ समिति

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों को रखा गया है 15 सदस्यीय समिति में

पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत निश्चित भुगतान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत निश्चित पेंशन सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखा एवं नियम तैयार करने को लेकर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

पीएफआरडीए ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि यह पहल पेंशन नियामक अधिनियम के अनुरूप है और इसका उद्देश्य एनपीएस अंशधारकों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली आय को सुनिश्चित और सुरक्षित बनाना है। इस समिति के गठन का उद्देश्य हर नागरिक को उम्रदराज होने के बाद आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है। 15 सदस्यीय समिति का गठन दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एमएस साहू की अध्यक्षता में किया गया है। इसमें विधि, मूल्यांकनकर्ता, वित्त, पूंजी बाजार एवं शिक्षा जगत जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके अलावा, व्यापक विचार-विमर्श सुनिश्चित के लिए समिति को बाहरी विशेषज्ञों या मध्यस्थों को विशेष सदस्यों के तौर पर प्रतिक्रिया एवं परामर्श के लिए आमंत्रित करने का अधिकार दिया गया है।

समिति नियमित पेंशन भुगतान पर एक स्थाई सलाहकार समिति के रूप में गठित की गई है। इसके मुख्य कार्यों में नियमों का विकास, बाजार आधारित गारंटी, परिचालन के तौर-तरीके खोजना, जोखिम और कानूनी निगरानी, अंशधारकों की सुरक्षा आदि शामिल हैं।

ट्रंप डब्ल्यूईएफ दावोस बैठक में शामिल होंगे, भारत से भी बड़ा होगा प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, एजेंसी

- 64 देशों के शासनाध्यक्ष या राष्ट्राध्यक्ष वहां मौजूद रहेंगे

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के आयोजकों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पांच कैबिनेट सदस्यों के साथ स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट शहर दावोस में मंच की वार्षिक बैठक में शामिल होंगे। इसके साथ ही इस शिखर सम्मेलन में भारत की ओर से भी एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

डब्ल्यूईएफ ने कहा कि 64 देशों के शासनाध्यक्ष या राष्ट्राध्यक्ष वहां मौजूद रहेंगे, जबकि सात में छह जी-7 देशों का प्रतिनिधित्व उनके शीर्ष नेतृत्व द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में चीन और पाकिस्तान के बड़े प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होंगे। डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष और सीईओ बोर्गे ब्रेंडे ने बताया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि 18 जनवरी से शुरू होने वाली इस पांच दिवसीय वार्षिक बैठक में यूक्रेन, गाजा और वेनेजुएला सहित लातिन अमेरिका की स्थिति पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन संवाद की भावना विषय के तहत किया जा रहा है। ब्रेंडे ने कहा कि दुनिया संभवतः 1945 के बाद से सबसे जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना कर रही है और आज के समय में संवाद बेहद जरूरी है।

भारत से चार केंद्रीय मंत्री होंगे शामिल

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू के साथ ही छह मुख्यमंत्रियों के वहां जाने की उम्मीद है। साथ ही देश के 100 से अधिक शीर्ष सीईओ भी वहां होंगे। मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन शामिल हैं। भारत के व्यावसायिक नेताओं में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी, टाटा समूह के एन चंद्रशेखरन, बजाज समूह के संजीव बजाज, जुबिलेंट भरतिया समूह के हरि एस भरतिया और टीवीएस मोटर के सुदर्शन वेणु दावोस जाएंगे।

आर्थिक वृद्धि है वित्तीय समावेश का मजबूत स्वरूप : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी

- ग्लोबल इन्क्लूसिव फाइनेंस सम्मेलन को मुख्य आर्थिक सलाहकार ने किया संबोधित

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि ही वित्तीय समावेश का सबसे मजबूत एवं टिकाऊ स्वरूप है। नागेश्वरन ने यहां आयोजित 'ग्लोबल इन्क्लूसिव फाइनेंस' सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, जब अर्थव्यवस्था रोजगार, आय, बाजार और मांग पैदा करती है तो लोगों को वित्तीय प्रणाली में जबरन लाने की जरूरत नहीं पड़ती है। जब लोगों को भविष्य वर्तमान से बड़ा लगता है, तो वे स्वाभाविक रूप से वित्तीय प्रणाली का हिस्सा बनते हैं।

उन्होंने कहा, कोई भी वित्तीय संस्था वह नहीं दे सकती जो आर्थिक वृद्धि दे सकती है। वित्त, वृद्धि का पूरक है, उसका विकल्प नहीं। नागेश्वरन ने कहा कि जहां आजीविका ठहरी हुई होती है, वहां वित्तीय समावेश कमजोर रहता है, जबकि आजीविका के विस्तार की स्थिति में समावेश अपने आप सुदृढ़ होता जाता है। यदि वित्त को वास्तविक आर्थिक गतिविधियों के साथ सही ढंग से जोड़ा जाए, तो वह वृद्धि का शक्तिशाली उत्प्रेरक बन सकता है। उन्होंने कहा कि बैंकों को सरकारी ऋण सहायता योजनाओं से आगे बढ़ चुके लाभार्थियों को अपने मुख्य पोर्टफोलियो में शामिल करना चाहिए।

वंदे भारत स्लीपर में नहीं होगी आरएसी न्यूनतम किराया 400 किमी पर लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में दी यह जानकारी

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में आरएसी या आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा और न्यूनतम 400 किलोमीटर की दूरी के लिए शुल्क लगेगा। रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में यह जानकारी दी। वंदे भारत ट्रेन के पहले शयनयान संस्करण को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 जनवरी को गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाना है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक जनवरी, 2026 को दोनों स्टेशनों के बीच एसी 1, एसी 2 और एसी 3 - तीनों श्रेणियों के लिए संभावित किरायों की घोषणा की थी। एक यात्री को एसी 1, एसी 2 और एसी 3 श्रेणियों में क्रमशः 1,520 रुपये, 1,240 रुपये और 960 रुपये का भुगतान करना होगा, चाहे यात्रा की दूरी एक किमी से 400 किमी के बीच कितनी भी हो। परिपत्र के अनुसार, 400 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए, शुल्क की गणना प्रति किलोमीटर के आधार पर की जाएगी, जिसमें एसी 1 के लिए 3.20 रुपये, एसी 2 के लिए 3.10 रुपये और एसी 3 के लिए 2.40 रुपये होंगे। बोर्ड के परिपत्र में कहा गया, लागू होने पर माल एवं सेवा कर अलग से लगाया जाएगा। न्यूनतम शुल्क योग्य दूरी 400 किमी होगी। किराया मौजूदा नियमानुसार पूर्णांक (राउंड ऑफ) किया जाएगा। इस ट्रेन के लिए केवल कन्फर्म टिकट ही जारी किए जाएंगे।

संशोधन पर करेंगे सूचित

अधिकारियों ने कहा कि वाणिज्यिक परिपत्र में मामूली संशोधन हो सकते हैं, जिनका विवरण आम जनता को सूचित किया जाएगा। जब नियमित यात्रियों के लिए ट्रेन के व्यावसायिक संचालन के बारे में पूछा गया, तो अधिकारियों ने कहा कि यह लॉन्च के तुरंत बाद शुरू हो सकता है, और इसका विवरण एक आधिकारिक परिपत्र के माध्यम से जारी किया जाएगा।

भर्ती गतिविधियां दिसंबर में 15% बढ़ीं, एआई का दबदबा

मुंबई, एजेंसी

- ऑनलाइन भर्ती पोर्टल फाउंडइट की तरफ से जारी की गई इनसाइट्स ट्रैकर रिपोर्ट

दिसंबर महीने में देश के भीतर भर्ती गतिविधियां सालाना आधार पर 15 प्रतिशत और मासिक आधार पर पांच प्रतिशत बढ़ीं जो रोजगार बाजार के संतुलित विस्तार का रुख करने का संकेत देता है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ऑनलाइन भर्ती पोर्टल फाउंडइट की तरफ से जारी इनसाइट्स ट्रैकर रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 के दौरान कृत्रिम मेधा (एआई) भर्ती का सबसे बड़ा पहलू बनकर उभरा है।

इस दौरान एआई से जुड़े 2.90 लाख से अधिक पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि वर्ष 2026 में एआई से जुड़ी भर्तियों में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और यह संख्या लगभग 3.8 लाख तक पहुंच सकती है। फाउंडइट के मुख्य उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी तरुण शर्मा ने कहा, वर्ष 2025 भर्ती में विस्तार के साथ अनुशासन का भी साल रहा। एआई अब प्रयोग के स्तर से आगे निकलकर कार्यबल योजना का एक अहम हिस्सा बन चुका है। अगर क्षेत्रवार आंकड़ों का जिक्र करें तो आईटी-सॉफ्टवेयर एवं आईटी सेवाओं का एआई नौकरियों में 37 प्रतिशत हिस्सा रहा। वहीं बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र का हिस्सा 15.8 प्रतिशत और विनिर्माण का छह प्रतिशत रहा।

बीमा कंपनियों को निर्देश समय पर शिकायतों का निपटान करें सुनिश्चित

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने मंगलवार को सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों से ग्राहकों को कुशल सेवाएं देने के लिए शिकायतों का समय पर समाधान करने और निर्बाध तथा तेजी से दावा प्रसंस्करण सुनिश्चित करने को कहा।

वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 की पहली छमाही के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए नागराजू ने यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन कंपनियों को लाभदायक व्यवसाय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और बाजार हिस्सेदारी बनाए रखते हुए तथा अपने खुदरा पोर्टफोलियो को लगातार मजबूत करते की रणनीतियां बनानी चाहिए। बैठक में एलआईसी के सीईओ और प्रबंध निदेशक आर दोरईस्वामी, जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, के कार्यकारी निदेशक हितेश जोशी व अन्य उपस्थित रहे

बैठक | मिनरल्स सप्लाई चेन को मजबूत करने पर यूएस के नेतृत्व वाली मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री वैष्णव

महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना आवश्यक

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में आयोजित महत्वपूर्ण मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया और महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत एवं सुरक्षित बनाने के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। वैष्णव ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा सोमवार को आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाने पर वित्त मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। भारत की विनिर्माण क्षमताओं और तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की मजबूती बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना अत्यंत आवश्यक है। वैष्णव रविवार को बैठक में भाग लेने के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे और उन्होंने कहा कि भारत के विकसित भारत के लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। वॉशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि वैष्णव ने आर्थिक समृद्धि, जुझारू विनिर्माण और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत एवं सुरक्षित करने के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता का उल्लेख किया।

बेसेंट ने कहा कि बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं में प्रमुख कमजोरियों को शीघ्रता से दूर करने की मजबूत एवं साझा इच्छा के बारे जानकर उन्हें खुशी हुई। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि राष्ट्र अलगाव की बजाय विवेकपूर्ण जोखिम-निवारण उपायों को अपनाएंगे और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं में मौजूदा कमियों को दूर करने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता को भलीभांति समझेंगे। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि अमेरिका ने पहले से ही किए गए कार्यों एवं निवेशों के साथ-साथ मजबूत, सुरक्षित और विविध महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए नियोजित कदमों को रेखांकित किया। आपूर्ति श्रृंखलाओं के अत्यधिक केंद्रित एवं व्यवधान तथा हेरफेर के प्रति संवेदनशील होने के मद्देनजर मंत्री ने उपस्थित लोगों से अपनी आपूर्ति श्रृंखला का लचीलापन बढ़ाने का आग्रह किया और निर्णायक कार्रवाई एवं स्थायी समाधानों की दिशा में एक-दूसरे से सीखने और तेजी से काम करने की तत्परता के लिए उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया।

वॉशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास ने बयान में कहा कि वैष्णव का स्वागत करना और प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण क्षेत्रों में भारत की प्राथमिकताओं पर उनके विचारों एवं दृष्टिकोणों को सुनना उनके लिए सम्मान की बात है।

ट्रंप के सहायक ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' पर चर्चा की

इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सहायक एवं व्हाइट हाउस के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के 13वें निदेशक माइकल क्रैट्सियोस ने व्हाइट हाउस में वैष्णव एवं अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा से मुलाकात की और कहा, भारत में होने वाले आगामी 'एआई इम्पैक्ट समिट' पर चर्चा की। अगले महीने दिल्ली में मिलते हैं। भारत 19-20 फरवरी को 'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 की मेजबानी करेगा। यह 'लोग, ग्रह और प्रगति' के सिद्धांतों पर केंद्रित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'फ्रांस एआई एक्शन समिट' में इस शिखर सम्मेलन की घोषणा की थी। यहे 'ग्लोबल साउथ' में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन होगा। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान में चार लोगों की गोली मारकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक स्थानीय शांति समिति के चार सदस्यों की अज्ञात हमलावरों ने मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान से सटे बन्नू जिले में हुई। अज्ञात बंदूकधारियों ने जिले के मजांग चौक के पास घात लगाकर हमला किया। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में तलाशी अभियान शुरू किया। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में हाल के दिनों में आतंकवादी हमलों में तेजी आई है। सोमवार को पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में एक वरिष्ठ अधिकारी समेत छह पुलिसकर्मी मारे गए थे।

न्यूयॉर्क में नर्सों की हड़ताल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के कई बड़े अस्पतालों में नए अनुबंध पर बातचीत असफल हो जाने से लगभग 15,000 नर्स हड़ताल पर चली गई हैं। कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम न्यूज (सीबीएस) ने यह जानकारी दी। हड़ताल सोमवार को सुबह पांच निजी अस्पतालों में शुरू हुई, जिसमें माउंट सिनाई, माउंट सिनाई मॉर्निंगसाइड, माउंट सिनाई वेस्ट और मैनहट्टन में न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन सुविधाएं शामिल हैं। मरीजों के परिवारों ने कहा कि नियमित नर्सिंग कर्मचारियों की गैरमौजूदगी से देखभाल की निरंतरता और गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्रेटर न्यूयॉर्क हॉस्पिटल एसोसिएशन ने कहा कि अस्पतालों ने हड़ताल के दौरान कामकाज चलाने के लिए अस्थायी तौर पर नर्सों को सेवा के लिए लिया है। कर्मचारियों के सेवा-समय में बदलाव किया गया है। मरीजों की छुट्टी की प्रक्रिया तेज की है।

कजाखिस्तान में सड़क हादसे में भारतीय छात्रा की मौत

अस्ताना। कजाखिस्तान में हुए एक सड़क हादसे में एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब मेडिकल छात्रों का एक समूह सड़क मार्ग से यात्रा कर रहा था। भारतीय दूतावास ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह हादसा ओस्केमेन में उस समय हुआ, जब सेमे मेडिकल विश्वविद्यालय के 11 भारतीय छात्र घूम फिर कर वापस लौट रहे थे। भारतीय दूतावास ने बताया कि इस हादसे में भारतीय छात्रा 25 वर्षीय मिली मोहन की मौत हो गई, जबकि अशिका शीजामिनी संतोष और जसीना बी घायल हो गईं। दूतावास ने बताया कि घायल छात्राओं का उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

अमेरिका ने एक साल में एक लाख से अधिक वीजा किए रद्द

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगभग एक साल पहले पदभार संभालने के बाद से अब तक एक लाख से अधिक वीजा रद्द किए जा चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि रद्द किए गए वीज़ा में लगभग 8,000 छात्रों के वीज़ा और 2,500 स्पेशल वीज़ा उन लोगों के शामिल हैं जिनका आपराधिक गतिविधि में लिप्त होने पर अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सामना हुआ था। ज्यादातर वीजा उनके रद्द हुए हैं, जिन्होंने गैरकानूनी तरीके से अवधि से ज्यादा समय देश में बिताया था। बता दें कि पिछले साल जून में अमेरिका ने अपने राजनयिक मिशनों को छात्र वीज़ा के लिए आवेदन करने वाले सभी विदेशियों के सोशल मीडिया और ऑनलाइन मौजूदगी की जांच करने का निर्देश दिया था। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि वह 5.5 करोड़ से अधिक अमेरिकी वीज़ा धारकों के रिकॉर्ड की समीक्षा कर रहा है।

सियाचिन की दहलीज पर अब ड्रैगन की 'नापाक' चाल

शक्सगाम घाटी पर चीन के दावे के बीच 1963 के उस अवैध समझौते का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है, जिसके तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र की 5,180 वर्ग किलोमीटर जमीन (शक्सगाम घाटी) चीन को उपहार में दे दी थी। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों में इस विवादित क्षेत्र में चीन की बढ़ती सक्रियता और पक्की सड़कों के जाल ने भारत को कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। विदेश मंत्रालय पहले ही साफ कर चुका है कि अपनी संप्रभुता से समझौता भारत को कतई स्वीकार नहीं है। अब सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि शक्सगाम घाटी में किसी भी तरह की गतिविधि को हम स्वीकार नहीं करते हैं और वहां चीन या पकिस्तान की किसी भी गतिविधि को गैरकानूनी मानेंगे।

शक्सगाम घाटी पर चीन के दावे से तनाव।

क्या है विवाद

- शक्सगाम घाटी का विवाद भारत, चीन और पाकिस्तान के बीच एक जटिल क्षेत्रीय मुद्दा है। वर्तमान में यह विवाद इसलिए गहरा गया है क्योंकि चीन ने इस क्षेत्र में अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को उचित ठहराते हुए भारत के विरोध को खारिज कर दिया है।

क्षेत्रीय स्थिति और इतिहास

- शक्सगाम घाटी (जिसे ट्रांस-काराकोरम ट्रैक्ट भी कहा जाता है) मूल रूप से जम्मू-कश्मीर रियासत का हिस्सा थी और 1947 में विलय के बाद कानूनी रूप से भारत का अभिन्न अंग बनी थी। लेकिन 1947-48 के युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने इस क्षेत्र (पाक अधिकृत कश्मीर) पर अवैध कब्जा कर लिया था।

1963 का अवैध समझौता

- 2 मार्च 1963 को पाकिस्तान ने एक सीमा समझौते के तहत शक्सगाम घाटी का लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर हिस्सा अवैध रूप से चीन को सौंप दिया था। हालांकि भारत ने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी और हमेशा इसे अवैध तथा अमान्य करार दिया है।

ताजा विवाद

- सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन इस इलाके में 75 किलोमीटर लंबी और 10 मीटर चौड़ी 'ऑल-वेदर' सड़क और अन्य सैन्य ढांचा तैयार कर रहा है। जानकारी के अनुसार चीन की निर्माणाधीन सड़क दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर के करीब है। भारत ने बीती 9 जनवरी को इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसे चीन ने 12 जनवरी को यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि वह अपने क्षेत्र में निर्माण कर रहा है।

सामरिक महत्व

- यह घाटी सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सियाचिन ग्लेशियर के उत्तर में स्थित है। यहां चीन द्वारा सड़क निर्माण से भारतीय सेना के लिए रणनीतिक चुनौती पैदा हो सकती है, क्योंकि यह चीन के शिनजियांग प्रांत को सीधे पाक अधिकृत कश्मीर से जोड़ती है।

भारत का रुख

- भारत सरकार और विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि संपूर्ण जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अटूट हिस्सा हैं और भारत अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्र: 5,180 वर्ग किलोमीटर (ट्रांस-काराकोरम ट्रैक्ट)।

विवाद: पाकिस्तान ने 1963 में इसे चीन को दिया, जिसे भारत अवैध मानता है।

ताजा घटना: दो दिन पहले चीन ने भारत के विरोध को खारिज करते हुए निर्माण जारी रखने की बात कही है।

ब्रिटेन में नग्न डीपफेक बनाने के खिलाफ लागू होगा कानून

लंदन। ब्रिटेन सरकार किसी उपभोक्ता की सहमति के बिना ऑनलाइन अश्लील इमेज बनाने वालों पर आपराधिक मुकदमा चलाने की तैयारी कर रही है। ब्रिटिश मीडिया नियामक ऑफ़कॉम ने एक्स एआई और एलन मस्क के चैटबॉट ग्रॉक की जांच शुरू की है। इनका इस्तेमाल एआई का उपयोग करके महिलाओं की सहमति के बिना उनकी अश्लील तस्वीरें बनाने के लिए किया गया था।

ब्रिटेन की विज्ञान, नवाचार और तकनीकी राज्य मंत्री लिज़ केंडल ने संसद में कहा कि किसी की सहमति के बिना उसकी अश्लील तस्वीरें बनाना, साझा करना या साझा करने की धमकी देना व्यक्तियों और प्लेटफॉर्म दोनों के लिए एक आपराधिक कृत्य है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानी अधिकारियों के साथ बैठकें की रद्द

प्रदर्शनकारियों से कहा-मदद भेजी जा रही, अब तक दो हजार लोगों की हो चुकी मौत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई के बीच ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाली वार्ता रद्द कर दी है। साथ ही उन्होंने ईरान के नागरिकों से कहा, "मदद भेजी जा रही है।"

राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को हालांकि यह विवरण नहीं दिया कि मदद का स्वरूप क्या है। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह मदद किस रूप में होगी, लेकिन यह बयान ऐसे समय आया है जब रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि वाशिंगटन की ओर से इस्लामी गणराज्य पर हमले की धमकी के बाद ईरान बातचीत करना चाहता है।

मानवाधिकार निगरानी संस्थाओं के अनुसार, ईरान में विरोध प्रदर्शनों में अब तक 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ट्रंप हालांकि अपने हालिया सोशल मीडिया संदेश के माध्यम से ईरानी सरकार के साथ बातचीत करने की अपनी तैयारियों को लेकर अचानक रुख बदलते हुए नजर आए। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर सुबह किए गए एक पोस्ट में लिखा, "ईरानी देशभक्तों, प्रदर्शन जारी रखो — अपनी संस्थाओं पर कब्जा करो!!!" उन्होंने कहा, "हत्यारों और अत्याचारियों के नाम दर्ज कर लो। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। जब तक प्रदर्शनकारियों की निरर्थक हत्याएं बंद नहीं होतीं, मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। मदद भेजी जा रही है।" राष्ट्रपति ने बार-बार तेहरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है यदि उनके प्रशासन को पता चलता है कि इस्लामी गणराज्य सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक बल का प्रयोग कर रहा है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों से तत्काल ईरान छोड़ने को कहा

वॉशिंगटन। ईरान में अमेरिका के ऑनलाइन दूतावास ने अपने नागरिकों से ईरान से तुरंत बाहर निकलने का आग्रह किया है। दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को आर्मेनिया और तुर्की के रास्ते सड़क मार्ग से ईरान छोड़ने को कहा है। बयान में यह भी कहा गया कि अमेरिकी-ईरानी दोहरी राष्ट्रीयता वाले नागरिकों को ईरानी पासपोर्ट का उपयोग करके ईरान छोड़ना होगा, क्योंकि ईरानी सरकार दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देती। चेतावनी दी गई कि, अमेरिकी नागरिक ईरान में पूछताछ, गिरफ्तार और हिरासत में लिए जाने के गंभीर जोखिम में हैं। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि कूटनीति अमेरिका के ईरान नीति में प्राथमिक दृष्टिकोण बनी हुई है, हालांकि ट्रम्प प्रशासन ने जरूरत पड़ने पर सैन्य विकल्पों को खारिज नहीं किया है। लीविट ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अगला कदम क्या होगा, केवल वही जानते हैं। इसलिए दुनिया को इंतजार और अनुमान लगाना होगा और हम उन्हें निर्णय लेने देंगे।

... तो भारत को चुकाना पड़ सकता है 75 प्रतिशत टैरिफ

ट्रंप की ईरान के साथ व्यापार करने वाले देश पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा का असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत हाल के वर्षों में ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। अमेरिका ने पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा रखा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, ईरान को भारत के प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम फाइबर, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं, जबकि ईरान से भारत के प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं। 2023 में भारत से ईरान को निर्यात 1.19 तो 2024-25 में 1.24 अरब डॉलर था। इसके मुकाबले ईरान से 0.44 डॉलर का आयात हुआ था। ऐसे में भारत अगर ईरान के साथ व्यापार जारी रखता है, तो उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने में 75 फीसदी टैरिफ चुकाना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ रद्द किया तो गड़बड़ होगी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट यह फैसला सुनाता है कि उनके पास व्यापक शुल्क लगाने की एकतरफा शक्ति नहीं है, तो बहुत बड़ी गड़बड़ हो जाएगी, और हमारे देश के लिए उन पैसों को चुकाना लगभग असंभव हो जाएगा, जो अमेरिका ने व्यापक टैरिफ से एकत्र किए हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अगर अदालत उनके द्वारा लगाए गए टैरिफ को रद्द कर देती है, तो हम बुरी तरह फंस जाएंगे। ट्रंप ने अदालत के आसन्न फैसले के बारे में सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट किए हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी जिक्र किया कि सरकार के लिए पैसा वापस करना कितना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने शुल्क का पैसा वापस करने के बारे में कहा, यह संभव नहीं हो सकता।ट्रंप ने कहा कि लेकिन, अगर ऐसा हुआ, तो यह इतनी बड़ी रकम होगी कि यह पता लगाने में कई साल लग जाएंगे कि हम किस संख्या की बात कर रहे हैं और यहां तक कि किसे, कब और कहां भुगतान करना है।

ब्रिटेन से वापस बुला लेंगे राजनयिक

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अगर ब्रिटेन ईरान के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहता है तो ईरान को लंदन में अपने दूतावास के कर्मचारियों को निकालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। राघची ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों के तहत, ब्रिटेन ईरान के लंदन दूतावास की सुरक्षा करने के लिए बाध्य है।

यूक्रेन की आपातकालीन सेवा द्वारा उपलब्ध कराई गई इस तस्वीर में मंगलवार को यूक्रेन के खार्किव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाते सेवा कर्मी।

रूस का यूक्रेन के विद्युत ग्रिड पर बड़ा हमला, चार की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन पर बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला करके उसके विद्युत ग्रिड को एक बार फिर निशाना बनाया। युद्ध के चार साल पूरे होने वाले हैं और ऐसा लगता है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों को रूस नजरअंदाज कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बताया कि रूस ने रात भर में आठ क्षेत्रों पर लगभग 300 ड्रोन, 18 बैलिस्टिक मिसाइलों और सात क्रूज मिसाइलों से हमला किया। पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र में हमले में एक डाक डिपो में चार लोगों की मौत हो गई और कीव क्षेत्र में कई लाख घरों में बिजली गुल हो गई। राजधानी में दिन का तापमान शून्य से 12 डिग्री सेल्सियस नीचे था। सड़कें बर्फ से ढकी थीं और शहर जनरेटरों के शोर से गूंज रहा था। चार दिन पहले रूस ने रात भर चले एक बड़े हमले में सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया था। रूस ने युद्ध में दूसरी बार एक शक्तिशाली नई हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसने पश्चिमी यूक्रेन को निशाना बनाया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में रूसी हमले में 10 लोग घायल हुए हैं। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेह किपर ने बताया कि ओडेसा शहर में हुए रूसी हमले में छह लोग घायल हो गए। हमले में ऊर्जा अवसंरचना, एक अस्पताल, एक शैक्षणिक संस्थान और कई आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रूसी वायुसेना ने रातभर में 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

अलेप्पो में सरकारी बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच संघर्ष के बाद विस्थापित निवासियों को ले जा रही बसें अशरफीह इलाके में एक खंडहर इमारत के पास से गुजरती हुईं।

सीरिया, कुर्दिश मिलिशिया का अलेप्पो में युद्ध विराम

अल्लेपो। कुर्द सशस्त्र सीरियाई लोकतांत्रिक बल (एसडीएफ) के लड़ाके पिछले हफ़्ते शहर के उत्तर-पश्चिम में अशरफीह और शेख मकसूद इलाकों में सरकार समर्थक सेनाओं के साथ कई दिनों तक चली लड़ाई के बाद हुए युद्धविराम के बाद अलेप्पो खाली करने पर राजी हो गए हैं। इन झड़पों में कम से कम 24 लोग मारे गए और 129 घायल हुए हैं। 140,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। जॉर्डन ने लोगों के लिए मदद से भरे 51 ट्रकों का काफिला भेजकर इस खराब मानवीय स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है।

इजराइल के फिल्म निर्माता ने निर्भया कांड पर बनाई फिल्म

यरूशलम। इजराइली फिल्म निर्माता डैन वोलमैन ने कहा है कि उनकी नयी फिल्म 'मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार' का विचार उन्हें 2012 में भारत यात्रा के दौरान आया था, जब दिल्ली में एक फिजियोथेरेपी इंटर्न (निर्भया) के साथ हुए सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन हो रहे थे। ''फ्लोच'', ''माई माइकल'', ''ऐन इजराइली लव स्टोरी'' और ''वैली ऑफ स्ट्रेंथ'' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर वोलमैन ने भारतीय फिल्म निर्माता मंजू बोरा के साथ मिलकर इस 'मर्डर मिस्ट्री' का सह-निर्देशन किया है। यह पहली फिल्म है जिसका सह-निर्माण भारत और इजराइली फिल्मकारों ने किया है। इसे 24वें पुणे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (पीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया जाएगा। वोलमैन ने बताया कि फिल्म की शूटिंग भारत में हुई है और इसमें ''यौन उत्पीड़न, हिंसा, भ्रष्टाचार, समूह के व्यवहार, गिरोह और भीड़ की मानसिकता'' जैसे विषयों को उठाया गया है। उन्होंने कहा, ये मुद्दे इजराइल में भी उतने ही आम हैं जितने दुनिया के अन्य हिस्सों में।

पीआईएफएफ में, ''मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार'' को 17 और 19 जनवरी को ग्लोबल सिनेमा श्रेणी के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

फ्रांस में किसानों ने 350 ट्रैक्टरों के साथ संसद तक मार्च किया

पेरिस। फ्रांस में किसानों ने अपनी कम आय और दक्षिण अमेरिका के साथ यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार समझौते के विरोध में मंगलवार को 350 ट्रैक्टर के साथ संसद तक मार्च किया। पुलिस सुरक्षा के बीच, ट्रैक्टरों ने व्यस्त समय के दौरान चैंप्स-एलिसी और पेरिस की अन्य सड़कों पर यातायातअवरूद्ध कर दिया फिर वे सीन नदी को पार करके नेशनल असेंबली तक पहुंचे। किसान संघों ने कहा कि वे फ्रांस की खाद्य सुरक्षा की रक्षा के लिए ठोस और तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फ्रांस सरकार की प्रवक्ता मौड ब्रेगॉन ने टीएफ1 टेलीविजन पर कहा कि सरकार किसानों की मदद के लिए जल्द ही नयी घोषणाएं करेगी। राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और उनकी सरकार यूरोपीय संघ-मर्कोसुर व्यापार समझौते के विरोध में हैं, लेकिन उम्मीद है कि शनिवार को पैराग्वे में इस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे, क्योंकि इसे ज्यादातर अन्य ईयू देशों का समर्थन प्राप्त है। यूरोपीय देशों के किसान मर्कोसुर देशों - ब्राजील, अर्जेंटीना, बोलीविया, पैराग्वे और उरुग्वे के साथ व्यापार समझौते का लंबे समय से विरोध कर रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 14 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 17.52 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

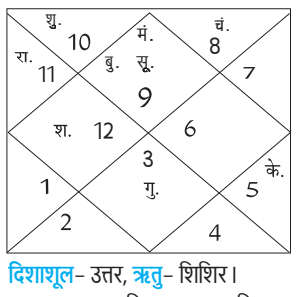

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 15 जनवरी 03.03 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन बहुत सामान्य रहने वाला है। आपका मन कुछ अशांत हो सकता है। आप जिनसे प्रेम और सम्मान की अपेक्षा रखते हैं, वो आपको भाव नहीं देंगे। आप अपने काम पर ही ध्यान दें। दूसरों के मामलों में पड़ने से बचें।

वृष — आज सहयोगियों के ऊपर अधिक निर्भर न हों। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को वेतन की चिंता हो सकती है। रेस्टोरेन्ट्स से जुड़े व्यवसाय में विशेष लाभ प्राप्त होगा। आपकी वाणी और व्यवहार से मित्रजन अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन — आज आर्थिक समस्याओं को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। बच्चों के भविष्य की चिंता हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर अधिक गंभीर नहीं रहेंगे। धार्मिक क्रियाकलापों से जुड़ने का प्रयास करेंगे। इससे आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

कर्क — आज व्यर्थ की बहसबाजी से स्वयं को दूर रखें। व्यवसाय में नया प्रयोग करने से बचें। आपको अपनी जिम्मेदारियों पर विशेष ध्यान देना होगा। इस समय आपको काम के साथ आराम की भी आवश्यकता है। शरीर में कुछ थकावट महसूस होगी।

सिंह — आज संपत्ति विवाद हल हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विरोधियों से सावधान रहना चाहिए। अपनी कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर मन में कुछ कन्फ्यूजन रहने की संभावना है।

कन्या — आज अपनी तीव्रबुद्धि का कुशल प्रयोग करेंगे। नौकरीपेशा जातकों का कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। किसी दूर के रिश्तेदार से मिलना हो सकता है। दांपत्य जीवन में चल रही अनबन खत्म होने की संभावना है। आपके मन में उच्च पद और प्रतिष्ठा की इच्छा प्रबल होगी।

तुला — आज के दिन आपको कुछ त्याग करना पड़ेगा। अपने विषय में गलत धारणा बनाने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण आपका बजट बिगड़ सकता है। ऐसे सभी लोगों से दूरी बनाकर रखें, जो आपका मनोबल गिराते हों।

वृश्चिक — आज प्रेम विवाह को लेकर घर में चर्चा करना चाहते हैं, तो दिन शुभ है। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी। अव्यावहारिक विचारों के कारण उपहास हो सकता है। उच्च अधिकारी आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम सौंप सकते हैं।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपकी उपेक्षा हो सकती है। पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो सकता है। इसीलिए सोच-विचारकर ही आपको लोगों के सामने प्रतिक्रिया देनी चाहिए। मित्रों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

मकर — आज आपके कारोबार में अच्छी प्रगति होगी। आधारभूत समस्याओं का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे। इसका सकारात्मक परिणाम आपको अवश्य मिलेगा। आप जिन कार्यों को प्राथमिकता क्रम में रखेंगे, उन्हें अवश्य ही पूर्ण कर लेंगे।

कुंभ — आज व्यापार में नई साझेदारी को लेकर कुछ निर्णय कर सकते हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने से आनंदित महसूस करेंगे। पुरानी गलतियों से सीखने का अवसर न चूकें।

मीन — आज भविष्य को लेकर योजना बनाने के लिए दिन अनुकूल है। सरकारी कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। कोई समस्या हो, तो उसे अपने बड़ों से साझा करें। संतान के विवाह की चिंता रहेगी।

सुडोकू -31

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

5		4		7		1		9
	2					7		4
		9		8	3	6		
	8		9			5		6
6		3			4		7	
		7	5	6		9		
9		8					2	
3		1		4		8		7

सुडोकू - 30 का हल

5	1	3	9	4	2	6	7	8
9	8	7	5	1	6	2	4	3
6	4	2	3	8	7	9	5	1
7	3	6	4	5	9	1	8	2
4	2	8	6	3	1	7	9	5
1	9	5	7	2	8	3	6	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	6	4	2	9	3	5	1	7
2	7	1	8	6	5	4	3	9

अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।
–मिलोस राओनिच

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार, 14 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सीए कटप्पा फिर मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच बने

नई दिल्ली। द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त सी ए कटप्पा की तीसरी बार भारतीय पुरूष मुक्केबाजी टीम के कोच के तौर पर वापसी हो रही है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। वह भारतीय खेल प्राधिकरण रोहतक के कोच धरमेंद्र यादव की जगह लेंगे जिनकी पिछले साल नियुक्ति हुई थी। यादव पुरूष कोचिंग ढांचे का हिस्सा बने रहेंगे। बीएफआई के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरूण मलिक ने पीटीआई से कहा सीए कटप्पा को कोच बनाया गया है और धर्मेंद्र यादव कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहेंगे। पिछले कुछ समय से भारतीय पुरूष मुक्केबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण यह फैसला लिया गया है।

विंटर स्विमिंग चैंपियनशिप 17 से

नई दिल्ली। दो दिवसीय स्टेयर्स विंटर स्विमिंग चैंपियनशिप का आयोजन 17 से 18 जनवरी तक स्पोर्ट्स स्कूल सिविल लाइन लुडलो कैटल नई दिल्ली पर किया जाएगा। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के उपाध्यक्ष व मेंटर राजकुमार के अनुसार चैंपियनशिप में ग्रुप एक से लेकर ग्रुप पांच तक के लड़के लड़कियां स्विमर भाग लेंगे। चैंपियनशिप में फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक, बटरफ्लाई, आई एम मेडले तथा फ्री स्टाइल रिले स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन का मुख्य उद्देश्य ग्रास रूट के स्विमर्स को बेहतरीन सुविधा और आगे बढ़ाना है। चैंपियनशिप स्विमिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के नियमों के तहत आयोजित की जाएगी।

वीनस विलियम्स होबार्ट में पहले दौर में बाहर

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन को शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी कम समय बचा है तब 45 वर्षीय वीनस विलियम्स फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही है। वीनस मंगलवार को यहा होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तात्याना मारिया से 6-4, 6-3 से हार गईं। वीनस को साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड से प्रवेश दिया गया है। उन्हें होबार्ट में खेलने के लिए भी वाइल्डकार्ड मिला था, जहां वह लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त मारिया से हार गईं।

बंगाल टाइगर्स ने तमिलनाडु को हराया

रांची। जुगराज सिंह की हैट्रिक के दम पर श्राची बंगाल टाइगर्स ने पुरुष हॉकी इंडिया लीग में मंगलवार को एकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगंस को 5-3 से हराया। इस मैच से पहले तालिका में सातवें स्थान पर काबिज टाइगर्स के लिये यह अहम जीत थी पर अब जीत के बाद टीम चौथे स्थान पर पहुंच गई है। जुगराज एचआईएल जीसी के केन रसेल के बाद इस सत्र में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। उनके अलावा सुखजीत (33वां) और अभिषेक (55वां मिनट) ने भी गोल दागे। ड्रैगंस के लिए अद्रोहित इक्का (36वां), थॉमस सोर्सबी (48वां) और ब्लेक गोवर्स (51वां) ने गोल किए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे ही मैच में सीरीज जीतना चाहेगी भारतीय टीम

विराट कोहली का शानदार फॉर्म चिंता का विषय है मेहमानों के लिए

राजकोट, एजेंसी

विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने भारत की कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों को लेकर बढ़ती चिंताओं को कुछ हद तक कम कर दिया है और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके तीन मैच की शृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। वाशिंगटन सुंदर उस मैच में चोटिल हो गए थे और वह वनडे शृंखला से बाहर हो गए हैं।

चयनकर्ताओं ने दिल्ली के आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की ऑलराउंडर को प्राथमिकता देने की रणनीति को देखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक और ऑलराउंडर को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। ऋषभ पंत पहले वनडे से पूर्व चोटिल होने के कारण शृंखला से बाहर हो गए थे। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो टीम प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में एक और विकल्प हो सकते हैं। भारतीय टीम के पास कई विकल्प हैं लेकिन अगले महीने से शुरू होने वाले टीम टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेगी। टी20 टीम में वनडे टीम से बिल्कुल अलग बल्लेबाजी क्रम होगा। लेकिन कुछ नाम दोनों टीमों में समान हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण नाम ऑलराउंडर तिलक वर्मा का है जो ग्रोइन की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ कम से कम पहले तीन टी20 मैचों में नहीं खेल पाएंगे। भारतीय टीम की इन चिंताओं के बीच सभी की निगाह कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी।

पहले मैच में कोहली वनडे में अपने 54वें शतक से चूक गए, लेकिन उनकी 91 गेंदों पर खेली गई 93 रन की पारी ने भारत की जीत की नींव रखी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों में काफी अंतर नजर आता है। कीवी टीम का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नहीं है और भारतीय बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। पहले मैच में कप्तान शुभमन गिल ने सधी हुई अर्धशतकीय पारी खेली जबकि उप कप्तान श्रेयस अय्यर एक रन से अर्धशतक बनाने से चूक गए। रोहित शर्मा फिर से भारत को अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे। कोहली इस समय अलग ही तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं और वह आत्मविश्वास से भरे हुए नजर आते हैं। ऐसा लगता है कि वह अपेक्षाओं और आलोचनाओं के बोझ से पूरी तरह मुक्त हैं। कोहली ने शुरुआत से ही न तो आक्रामक बल्लेबाजी करने से परहेज की है और न ही रन बनाने का कोई मौका छोड़ा है। यही कारण है कि उन्होंने वडोदरा में सभी प्रारूपों में सबसे कम पारियों में 28,000 रनों का रिकॉर्ड बनाया।

अभ्यास सत्र के दौरान न्यूज़ीलैंड के निक केली (दाएं) और माइकल रे। एजेंसी

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रैसवेल (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मिशेल हे, निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फाउल्स, डैरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनोक्स, माइकल रे।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते विदर्भ के बल्लेबाज यश राठौड़। एजेंसी

दिल्ली को हराकर विदर्भ सेमीफाइनल में

बेंगलुरु, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

पिछले सत्र के उपविजेता विदर्भ ने अनुशासित और ऑलराउंड खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली को 76 रन से हराकर मंगलवार को यहां विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विदर्भ सेमीफाइनल में कर्नाटक का सामना करेगा। पिछले सत्र में इन दोनों टीमों के बीच फाइनल खेला गया था।

सौराष्ट्र शुक्रवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल में पंजाब का सामना करेगा। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 300 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर बनाया। उसकी तरफ से यश राठौड़ ने 86 और सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे ने 62 रन का योगदान दिया। इसके जवाब में दिल्ली की टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर आउट हो गई। उसे कप्तान ऋषभ पंत और उप कप्तान आयुष बडोनी की कमी खली। पंत चोटिल है जबकि बडोनी को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

एमपी को मात देकर पंजाब अंतिम चार में

बेंगलुरु। अपने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर पंजाब ने मध्यप्रदेश को 183 रन से हराकर मंगलवार को विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर पंजाब ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह के 86 गेंद में 88 रन, अनमोलप्रीत सिंह के 62 गेंद में 70, नेहाल वढेरा के 38 गेंद में 56 और हरनूर सिंह के 71 गेंद में 51 रन की मदद से छह विकेट पर 345 रन बनाए। रमनदीप सिंह ने 15 गेंद में 24 रन बनाए। मध्यप्रदेश के लिये त्रिपुरेश सिंह और कप्तान वेंकटेश अय्यर ने दो दो विकेट लिए। जवाब में मध्यप्रदेश की टीम 31.2 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई। पहले गेंदबाजी का अय्यर का फैसला सफल नहीं रहा और पंजाब को शानदार शुरूआत देते हुए प्रभसिमरन और हरनूर ने पहले विकेट के लिये 21 ओवर में 166 रन जोड़े।

बीसीबी ने स्वीकार किया आईसीसी नहीं मान रही मांग

ढाका, एजेंसी

- टी20 विश्व कप में भारत ना आने के रुख पर बांग्लादेश अडिग

आईसीसी ने मंगलवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से टी20 विश्व कप के उसके मैच भारत से बाहर कराने की मांग पर पुनर्विचार का अनुरोध किया लेकिन बीसीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं को दोहराते हुए ऐसा करने से इनकार किया है।

एक बयान में बीसीबी ने कहा कि बोर्ड का फैसला वही है हालांकि आईसीसी ने उसका अनुरोध मानने से इनकार कर दिया है। इसने कहा कि दोनों पक्ष संभावित हल तलाशना जारी रखेंगे। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि सुरक्षा कारणों से विश्व कप के उसके मैच भारत के बाहर कराये जायें लेकिन चूंकि सात फरवरी से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप का कार्यक्रम तय हो चुका है, लिहाजा आईसीसी ने इस पर स्वीकृति नहीं दी है। बीसीबी ने कहा आईसीसी ने कहा है कि टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है और बीसीबी से फैसले पर पुनर्विचार के लिये कहा है लेकिन बोर्ड का फैसला नहीं बदलेगा। दोनों पक्ष इसका हल तलाशना जारी रखने पर सहमत हो गए हैं। बयान में कहा गया बीसीबी अपने खिलाड़ियों, अधिकारियों और स्टाफ के हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है और आईसीसी से इस मसले पर बातचीत भी जारी रखेगी। बीसीबी का कहना है कि उसके खिलाड़ियों का भारत जाना सुरक्षित नहीं है लेकिन आईसीसी की जोखिम आकलन रिपोर्ट में टीम को किसी तरह के खतरे की ओर इंगित नहीं किया गया है। आईसीसी के साथ बृहस्पतिवार को प्रेस कांफ्रेंस में बीसीबी की ओर से अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने भाग लिया।

मुंबई ने गुजरात को सात विकेट से हराया

शॉट लगातीं मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

- कप्तान हरमनप्रीत कौर ने खेली 71 रनों की नाबाद पारी

भारत की विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 71 रन की मदद से मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के मैच में मंगलवार को गुजरात जाएंट्स को सात विकेट से हराया। यह गुजरात जाएंट्स की टूर्नामेंट में पहली हार थी।

इससे पहले निचले क्रम पर भारती फुलमाली और जॉर्जिया वेयरहैम की आक्रामक पारियों के दम पर गुजरात जाएंट्स ने पांच विकेट पर 192 रन बनाये थे। जीत के लिए कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए हरमनप्रीत ने 33 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो टूर्नामेंट में उनका दसवां अर्धशतक था। इसके साथ ही उन्होंने डब्ल्यूपीएल में एक हजार रन भी पूरे कर लिए। वह 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 71 रन बनाकर नाबाद रही और मुंबई ने चार गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। मुंबई के दो विकेट पावरप्ले के भीतर ही 37 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत ने अमनजोत कौर (26 गेंद में 40 रन) के साथ 44 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। अमनजोत के आउट होने के बाद निकोला कैरी ने कप्तान का साथ निभाते हुए 22 गेंद में नाबाद 37 रन बनाये जिसमें छह चौके शामिल थे। दोनों ने 43 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिलाई। इससे पहले गुजरात की पारी में वेयरहैम 33 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाकर नाबाद रही।

वहीं फुलमाली ने 15 गेंद में नाबाद 36 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और तीन चौके शामिल थे। आयुषी सोनी के रिटायर्ड आउट होने के बाद वह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आई थीं। फुलमाली ने अमनजोत कौर को आखिरी ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाकर 23 रन निकाले। गुजरात ने आखिरी तीन ओवरों में 49 रन बनाए। पहले ओवर में गुजरात की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी को जीवनदान मिला जब मुंबई की 17 वर्ष की विकेटकीपर गुनालन कमलिनी ने उनका कैच टपकाया। मूनी ने इसका पूरा इस्तेमाल करके हीली मैथ्यूज को दो चौके लगाकर दूसरे ओवर में 18 रन निकाले। सोफी डेवाइन (आठ) के सस्ते में आउट होने के बाद मूनी और कनिका आहूजा ने पावरप्ले में कमान संभाली। आहूजा ने 18 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 35 रन बनाए। वहीं मूनी ने 26 गेंद में 33 रन का योगदान दिया। वह सातवें ओवर में एमेलिया केर को रिटर्न कैच देकर लौटी। इसके बाद आहूजा ने कप्तान एशले गार्डनर के साथ गुजरात को नौ ओवर में दो विकेट पर 96 रन तक पहुंचाया। मुंबई की गेंदबाज कैरी ने गार्डनर को और मैथ्यूज ने आहूजा को आउट कर दबाव बनाया।

प्रिया-श्रुति कड़े मुकाबले में हारीं

इंडिया ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रिया कोंजेंगबाम (बाएं) और श्रुति मिश्रा। एजेंसी

- त्रीसा और गायत्री ने दूसरे दौर में प्रवेश किया

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारत की शीर्ष महिला युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ इंडिया ओपन 2026 सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया, लेकिन प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को मैच प्वाइंट हासिल करने के बावजूद कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

नवंबर में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने ओनिंचा जोंगसथापोनपार्न और सुकिता सुवाचाई की थाईलैंड की जोड़ी को 42 मिनट में 21-15, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। प्रिया और श्रुति को हालांकि लोक लोक लुइ और ह्यु येन सेंग की हांगकांग की जोड़ी के खिलाफ एक घंटे आठ मिनट चले मुकाबले में 11-21, 22-20, 22-24 से शिकस्त झेलनी पड़ी। प्रिया और श्रुति ने चार मैच प्वाइंट बचाने के बाद एक मैच प्वाइंट भी हासिल किया लेकिन अंततः भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

त्रीसा और गायत्री ने पूरे मैच के दौरान दमदार खेल दिखाया। भारतीय जोड़ी ने नेट पर शानदार खेल दिखाने के अलावा स्मैश से भी काफी अंक जुटाए। थाईलैंड की जोड़ी ने दूसरे गेम में बेहतर शुरुआत की थी लेकिन त्रीसा और गायत्री वापसी करते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहीं। गायत्री ने कहा कि पिछले साल के अंत में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का खिताब जीतकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और 2026 में उनकी नजरें कुछ अच्छे नतीजे हासिल करने पर टिकी हैं। गायत्री ने कहा, ''पिछले साल चोटों ने थोड़ा परेशान किया लेकिन साल के अंत में हम सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का खिताब जीतकर आत्मविश्वास हासिल करने में सफल रहे।

आयुष को हराकर लक्ष्य इंडिया ओपन के दूसरे दौर में

नई दिल्ली। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने मंगलवार को यहां हमवतन आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 सुपर 750 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई।

वर्ष 2022 के चैंपियन लक्ष्य ने आईजी स्टेडियम में खेले जा रहे इस 9,50,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट के पहले दौर में आयुष को सिर्फ 36 मिनट में 21-12, 21-15 से हराया। आयुष पहली बार इंडिया ओपन में खेल रहे थे। चौबीस साल के लक्ष्य अगले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से भिड़ेंगे जिन्होंने 21-6, 7-5 के स्कोर पर अपने सातवें वरीय हमवतन प्रतिद्वंद्वी कोडाई नारोका के मुकाबले से हटने पर दूसरे दौर में प्रवेश किया। लक्ष्य ने बेहतर खेल दिखाया और परिस्थितियों से बेहतर ढंग से सामंजस्य बैठाने में सफल रहे। आयुष ने कुछ मौकों पर अच्छी टक्कर दी।

घोषणा भारत के खिलाफ घरेलू शृंखला के बाद फैसले पर करेंगी अमल

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगी एलिसा हीली

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में से एक एलिसा हीली मार्च में भारत के खिलाफ घरेलू शृंखला के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी।

यह 35 वर्षीय खिलाड़ी भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाली तीन वनडे और एकमात्र महिला टेस्ट मैच की शृंखला में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी। हीली भारत के खिलाफ टी20 शृंखला में नहीं खेलेंगी क्योंकि वह इस साल ब्रिटेन में होने वाले टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगी।

महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक हीली ने बयान में कहा भारत के खिलाफ आगामी सीरीज ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा जुनून अभी भी बरकरार है, लेकिन मेरे अंदर वह प्रतिस्पर्धात्मक भावना कुछ हद तक कम हो गई है जिसने मुझे शुरुआत से ही प्रेरित किया है, इसलिए यह संन्यास लेने का सही समय लगता है।

उन्होंने कहा यह जानते हुए कि मैं इस साल टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाऊंगी और टीम के पास तैयारी के लिए सीमित समय है, मैं भारत के खिलाफ टी20 मैचों का हिस्सा नहीं रहूंगी। लेकिन मुझे घरेलू मैदान पर अपना करियर समाप्त करने और भारत के खिलाफ वनडे और टेस्ट टीम की कप्तानी का अवसर मिलने से बहुत खुशी है। यह हमारे लिए इस कैलेंडर वर्ष की सबसे बड़ी श्रृंखलाओं में से एक है। पिछले एक दशक में ऑस्ट्रेलिया के दबदबे में हीली ने अहम भूमिका निभाई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने हीली को खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक बताया। उन्होंने कहा एलिसा इस खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने 15 साल के करियर में मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हम भारत के खिलाफ श्रृंखला में उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं।

उनकी मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने जीते 8 विश्व कप

एलिसा हीली की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने आठ विश्व खिताब जीते हैं, जिनमें से छह टी20 प्रारूप में और दो एक दिवसीय क्रिकेट में हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट, 123 वनडे और 162 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने अब तक 30.56 के औसत से 489 टेस्ट रन, 35.98 के औसत से 3563 वनडे रन (सात शतक सहित) और 25.45 के औसत से 3054 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन (एक शतक सहित) बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क से शादी करने वाली इस क्रिकेटर ने कहा मुझे कुछ चोटों से भी जूझना पड़ा। मुझे कई बार डाइव लगानी पड़ी लेकिन अब मुझे लगता है कि हम मुश्किल होता जा रहा है।